THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 345 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.9 2081 शनिवार, 8 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तीस हजारी कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

7 साल बाद तेजाब हमले के दोषियों को दस साल की सजा

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने 2017 में एक व्यक्ति और उसकी दो नाबालिग बेटियों पर तेजाब फेंकने के मामले में दोषी को 10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। कोर्ट का यह फैसला तेजाब हमले के मामलों में सख्त कार्रवाई का उदाहरण पेश करता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अदिति गर्ग ने अपने फैसले में कहा कि सजा तय करते समय अपराध और सजा के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज की रुचि और न्याय की भावना को ध्यान में रखते हुए नरमी नहीं बरती जा सकती, भले ही मुकदमे में देरी क्यों न हुई हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषी को कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगाई जा सके।

पीड़ित परिवार को राहत

28 वर्षीय दोषी राघव मुखिया को पिछले साल नवंबर में तेजाब हमले का दोषी ठहराया गया था। घटना के समय पीड़ित लड़कियां मात्र 13 और 8 साल की थीं। अदालत ने मुआवजा देते हुए कहा कि तेजाब हमले ने पूरे परिवार को बुरी तरह प्रभावित किया। पीड़ित पिता लंबे समय तक बिस्तर पर रहे, जिससे उनकी सेहत बिगड़ती गई और बाद में उन्हें हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। इस घटना के बाद वे आर्थिक रूप से असमर्थ हो गए, जिससे पूरे परिवार की पैसों की तंगी झेलनी पड़ी।

मानसिक और आर्थिक प्रभाव

तेजाब हमले से न केवल परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि दोनों बच्चियों के भविष्य पर भी गहरा असर पड़ा। वे अपने करियर को आगे नहीं बढ़ा सकीं और मानसिक रूप से भी प्रभावित हुईं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराधों में पीड़ितों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपने जीवन को फिर से संवार सकें। इस फैसले से तेजाब हमलों के खिलाफ कड़ा संदेश दिया गया है, जिससे भविष्य में ऐसे मामलों में न्याय की उम्मीद बढ़ गई है।

अबू आजमी के बयान पर इंदौर में विरोध:पुतले को डंडे से पीटकर जलाया

इंदौर, 7 मार्च (एजेंसियां)। शिवाजी वाटिका चौराहे पर समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के पुतले को चप्पल और डंडों से पीटने के बाद आग के हवाले कर दिया गया। अबू आजमी द्वारा मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने पर इंदौर में संस्था देवपथ के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग शिवाजी वाटिका चौराहे पर एकत्रित हुए और अबू आजमी मुर्दाबाद के नारे लगाए। हाल ही में एक फिल्म पर चर्चा के दौरान अबू आजमी ने औरंगजेब का महिमामंडन करते हुए कहा था कि, औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए, वह क्रूर शासक नहीं था। छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच धार्मिक नहीं, बल्कि सत्ता की लड़ाई थी।

आज खाते में आएगा 2500 रुपये का मैसेज आतिशी ने जताई उम्मीद, सीएम को चिट्ठी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। आप विधायक आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने ये चिट्ठी महिला सम्मान योजना के लिए लिखी है। आतिशी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने वादा किया था कि महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं के खाते में 2500 आयेंगे। महिला दिवस में भी आज आ गया हैं। मुझे उम्मीद है कल दिल्ली की महिलाओं के मोबाइल में 2500 रु उनके खाते में आने का मैसेज आ जाएगा।

रैली में प्रधानमंत्री ने किया था वादा

आतिशी ने पत्र में लिखा कि 31 जनवरी 2025 को पीएम मोदी ने एक रैली के दौरान दिल्ली की माताओं और बहनों से वादा किया

था कि भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में उन्हें 2500 रुपए हर महीने दिए जाएंगे। इस योजना को पास किया जाएगा। यहां तक कि उन्होंने महिलाओं से ये भी कहा था कि वो अपने-अपने मोबाइल नंबर को बैंक अकाउंट से जोड़ लें ताकि, जब भी उनके अकाउंट में 2500 रुपये ट्रांसफर किए जाएं तो इसकी सूचना उन्हें तुरंत ही मिल सके। महिलों को पैसे ट्रांसफर करने का दिन 8 मार्च यानी महिला दिवस बताया गया है, ऐसे में वो इसका बेसब्री से इंतजार भी कर रही हैं।

महिला दिवस में सिर्फ एक दिन बचा है

उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था। अब सिर्फ एक दिन बचा है। सीएम रेखा जी दिल्ली की महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए जल्द से जल्द उनके खातों में 2500 रुपये की राशि को ट्रांसफर किया जाए। महिलाएं पूरे मन से सरकार की ओर देख रही हैं, ऐसे में उनकी उम्मीद टूटनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कल तक हमारे दिल्ली की माताओं-बहनों के अकाउंट में 2500 रुपये मिलने के मैसेज जरूर आ जाएंगे।

पंबन क्षेत्र से 14 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

श्रीलंकाई नौसेना की बड़ी कार्रवाई

रामेश्वरम, 7 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंकाई नौसेना ने सीमा पार से मछली पकड़ने के आरोप में पंबन क्षेत्र से 14 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। रामेश्वरम मछुआरा संघ ने बताया कि उन्हें जांच के लिए मन्नार नौसैनिक अड्डे पर ले गई है। इससे पहले पिछले महीने यानी 23 फरवरी को श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने मछली पकड़ने वाली उनकी पांच नौकाएं भी जब्त की थीं। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा था कि इन लोगों को मन्नार के उत्तर में समुद्री क्षेत्र में एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया।

इस साल करीब 140 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया

इससे पहले श्रीलंकाई अधिकारियों ने 23 फरवरी को 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान उनके जलक्षेत्र में कथित रूप से घुसने के आरोप में 5 मछली पकड़ने वाली नौकाओं को जब्त कर लिया था। इस साल अब तक नौसेना ने श्रीलंकाई जलक्षेत्र में कथित रूप से मछली पकड़ने के लिए जबरन घुसने के आरोप में 140 से अधिक भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा कि उन्होंने 2024 में 550 से अधिक भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

'मुंबई कांग्रेस कार्यालय में अब ताला लगना बाक़ी है'

शिवसेना नेता संजय निरुपम का बड़ा दावा

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने दावा किया है कि कांग्रेस ने अपने मुंबई दफ्तर का किराया कई वर्षों से नहीं भरा है और बकाया लाखों में है। उन्होंने यहां तक कहा कि बिजली बिल ना भरने के कारण डिस्ट्रीब्यूटर मीटर उठाकर ले गया है। संजय निरुपम ने पिछले साल ही कांग्रेस छोड़कर शिवसेना ज्वाइन कर लिया था। संजय निरुपम ने एक्स पर लिखा, " मुंबई कांग्रेस के दफ़्तर पर बस ताला लगना बाक़ी है। दफ़्तर का भाड़ा वर्षों से नहीं भरा गया है। बकाया 18 लाख हो गया है। बिजली बिल का बकाया 5 लाख हो गया है। बिजली कट गई थी।डिस्ट्रीब्यूटर मीटर उठाकर ले गया था। (एफवाईआई दक्षिण मुंबई में बिजली सप्लायर अदानी नहीं बेस्ट है)।" चूंकि कांग्रेस अडानी पर हमलावर रहती है इसलिए उन्होंने यहां खासकर यह उल्लेख किया है कि अडानी सप्लायर नहीं है।

मेरे समय में नहीं हुई ऐसी स्थिति - संजय निरुपम

उन्होंने आगे लिखा, "मैं चार वर्षों तक मुंबई कांग्रेस का अध्यक्ष था। कभी ऐसी शर्मनाक स्थिति पैदा नहीं हुई थी। मुंबई कांग्रेस चलाने का महीने का खर्चा 14 लाख रुपये था। इसमें ऑफ़िस का भाड़ा,बिजली बिल,सभी कर्मचारियों का वेतन शामिल था। सुना है पिछले 10 महीने से मुंबई कांग्रेस के कर्मचारियों को वेतन भी नहीं मिला है।"

शिवसेना-यूबीटी के पैरों की जूती बनी कांग्रेस - संजय निरुपम

संजय निरुपम ने आगे कहा कि मेरे जमाने में एक ही असहज स्थिति पैदा हुई थी जब चायवाले का भारी बिल सामने आया था। मगर वह उसकी ओवरबिलिंग थी।वह भी सेटल कर दिया गया था। मेरे जमाने में भी पार्टी विपक्ष में थी और मैं सांसद भी नहीं था। फिर आज ऐसी दुर्गति क्यों हो गई पार्टी की ? एक, नेता यूट्यूब वीडियो बनाने में व्यस्त हैं। दो, कांग्रेस पार्टी पूर्णतया उबाठा के पैरों की जूती बन गई है। उन्होंने आगे कहा, " मैंने वर्षों पहले कहा था, कांग्रेस पार्टी का कामकाज उद्धव ठाकरे की पार्टी के नाम आउटसोर्स मत करिए। खड़गे, वेणुगोपाल जैसे परम ज्ञानी मुझे इगनोर करते रहे। आज नतीजा सामने है।"

आईएफएस अफसर ने बिल्डिंग से कूदकर दी जान, चल रहा था कई दिनों से परेशान

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में एक बड़ी घटना घटी है। यहां एक आईएफएस अधिकारी ने खुदकुशी कर ली है। बताया जा रहा कि आईएफएस कई दिनों से किसी बात को लेकर परेशान चल रहा था, जिसका वह इलाज भी करवा रहा था। अफसर ने आज बिल्डिंग से कूदकर अपनी जान दी है। आईएफएस अधिकारी का नाम जितेंद्र रावत बताया जा रहा है और वे उत्तराखंड के रहने वाले थे। वहीं उम्र 40 साल के आसपास बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, आज सुबह 6 बजे यह घटना घटी है। आईएफएस जितेंद्र रावत ने चाणक्यपुरी में एमईए की रेसिडेंशियल सोसायटी की बिल्डिंग की छत से कूदकर अपनी जान दी है। अफसर एमईए की रेसिडेंशियल सोसायटी के में फर्स्ट फ्लोर पर रहता था। घटना के समय घर में सिर्फ उसकी मां थीं। अफसर शादीशुदा है, उनकी बीवी और 2 बच्चे देहरादून में रहते हैं। कई दिनों से अफसर डिप्रेशन में थे जिसका इलाज चल रहा था। इधर घटना की जानकारी मिलते हैं कि पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जांच में जुट गई है। अफसर ने सुसाइड क्यों की, पुलिस को अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने कहा कि जांच के बाद ही अधिकारी के असल मौत की वजह पता चल सकेगी। सूत्रों के मुताबिक, आईएफएस अधिकारी के आत्महत्या मामले में पुलिस को जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सुबह ही से इस घटना के बाद इलाके में लोगों की बीच चर्चा का बाजार गर्म है। कोई इस घटना में पारिवारिक कलह तो कोई ऑफिस के टेंशन की बात कर रहा है। हालांकि घटना के पीछे की सच्चाई पुलिस की जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।

25 लाख की सरिया यूपी से जब्त, पुलिस ने दलाल को गिरफ्तार किया आरोपी चालक फरार

सागर, 7 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर से ट्रक क्रमांक यूपी 93 बीटी 5786 में लोड 43 टन लोहे की सरिया कीमत करीब 25 लाख रुपये ट्रक चालक रामसिंह राजपूत द्वारा खुर्द-दुर्द कर दी गई। आरोपी चालक ट्रक को शाहगढ़ थाना क्षेत्र के हीरापुर में छोड़कर वह लापता हो गया। जिसकी शिकायत दिनारा जिला शिवपुरी निवासी ट्रांसपोर्टर सौरभ गुप्ता ने 1 मार्च को शाहगढ़ थाना में दर्ज कराई थी। मामला 25 लाख रुपये की सरिया खुर्द-दुर्द करने का था, इसलिए थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप खरे ने इसे गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। हमने भी इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिससे वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लेकर आरोपी व माल की तलाश के लिए एसडीओपी शिखा सोनी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की।

दिल्ली पुलिस ने हेरोइन बनाने की फैक्ट्री का किया भंडाफोड़, एक शख्स की हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने हेरोइन बनाने की एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। दरअसल बरेली के मीरगंज इलाके में एक घर में हेरोइन बनाने का काम चल रहा था। इससे पूर्व दिल्ली पुलिस ने मवाना इलाके से अप्रैल 2024 में राजेंद्र उर्फ यूसुफ को 520 ग्राम हेरोइन और 5 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने राजेंद्र से पूछताछ की। पूछताछ के बाद इस गैंग के एक-एक सदस्य का नाम पुलिस के सामने आया है। सारी कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस ने बरेली के रहने वाले नदीम को गिरफ्तार किया। दरअसल नदीम का रिश्तेदार बरेली के मीरगंज इलाके में हेरोइन बनाने की फैक्ट्री चलाता था और सप्लाई के लिए नदीम को देता था।

हेरोइन बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

पुलिस ने फैक्ट्री से हेरोइन बनाने का केमिकल बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक, ये गैंग असम से केमिकल मंगवाता था। बता दें कि इससे पहले दक्षिणी दिल्ली के केएम पुर क्षेत्र में बिना दवा पर्चे या लाइसेंस के अवैध रूप से मेफेन्टरमाइन नामक नशीला इंजेक्शन बेचने के आरोप में 35 वर्षीय एक महिला को पकड़ा गया था। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि महिला के घर से 60 ऐसे इंजेक्शन जब्त किये गये। एक बयान के अनुसार 26 दिसंबर को एक गुप्त सूचना के आधार पर अपराध शाखा के 'एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स' (एएनटीएफ) और दिल्ली मादक पदार्थ विभाग की एक संयुक्त टीम ने कोटला मुबारकपुर में एक समन्वित अभियान चलाया।

नशीला इंजेक्शन बेचने के आरोप में महिला गिरफ्तार

बयान में कहा गया कि इस दौरान निधि नामक महिला को बिना उचित लाइसेंस के अवैध रूप से जिम जाने वालों को मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन बेचने के आरोप में पकड़ा गया। बयान के अनुसार अधिकारियों का मानना है कि महिला निधि इन इंजेक्शन के अवैध वितरण में शामिल थी जोकि बिना दवा के पर्चे के बेचे जा रहे थे। पुलिस उपायुक्त (अपराध) भीष्म सिंह ने बताया कि जब निधि के आवास पर छापा मारा गया तो वहां से मेफेन्टरमाइन के करीब 60 इंजेक्शन बरामद हुए।

धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने माइनिंग इंस्पेक्टर को हटाया, केंद्रीय राज्यमंत्री की शिकायत के बाद एक्शन

धार, 7 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में माइनिंग इंस्पेक्टर संदेश पिपलोदिया को कलेक्टर ने हटा दिया है। माइनिंग इंस्पेक्टर के खिलाफ केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने अधिकारियों के बीच बैठक में रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। धार के कलेक्ट्रेट में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें खनिज विभाग के निरीक्षक संदेश पिपलोदिया पर राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह तक कह दिया था कि माइनिंग इंस्पेक्टर लोगों से बोलते हैं कि 'यदि नेतागिरी के जरिए आओगे, तो ज्यादा पैसे लगेंगे और सीधे मिलोगे तो कम राशि में काम हो जाएगा।' केंद्रीय राज्य मंत्री के बयान के बाद धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने खनिज निरीक्षक पिलोदिया को हटा दिया है। पिलोदिया धरमपुरी क्षेत्र में कार्य कर रहे थे, उन्हें जिला कार्यालय में अटैच कर दिया गया है। इसके अलावा कार्य में लापरवाही को लेकर कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

बीवी को पढ़ाई करने से रोका तो खैर नहीं

एमपी हाईकोर्ट ने 10 साल पुराने तलाक के मामले पर सुनाया फैसला

इंदौर, 7 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में पति-पत्नी के संबंधों में क्रूरता किसे माना जाएगा, इसके मापदंडों को हाईकोर्ट ने तय करने की कोशिश की है। जस्टिस विवेक रुसिया और जस्टिस गजेंद्र सिंह की कोर्ट ने तलाक के मामले में फैसला सुनाते हुए पत्नी को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर करने को मानसिक क्रूरता की श्रेणी में रखा है। साथ ही इसे तलाक का आधार मानते हुए तलाक को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने कहा- पत्नी को पढ़ाऊ छोड़ने को मजबूर करना या ऐसा माहौल बनाना कि वो पढ़ाई जारी न रख सके, वैवाहिक जीवन की शुरुआत में ही उसके सपनों को नष्ट करने के बराबर है। उसे ऐसे व्यक्ति के साथ रहने को मजबूर करना, जो न तो शिक्षित हैं और न ही खुद को बेहतर बनाने के लिए उत्सुक है, निश्चित रूप से मानसिक क्रूरता है और तलाक का आधार है। वहीं, एक दिन पहले भी तलाक के एक मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया था। शाजापुर जिले में रहने वाली भूरी का 1 मई 2015 को भीम नामक शख्स से विवाह हुआ था। तब वह 12वीं पास थी और आगे की पढ़ाई करना चाहती थी। ससुराल वालों ने उस समय सहमति दे दी थी। 1 साल बाद 16 जुलाई को गौना हुआ, तब कहा गया कि दो दिन में उसे वापस मायके भेज दिया जाएगा। ससुराल पहुंचने के बाद ससुरालियों ने उसे पढ़ने से रोक दिया। उसे वापस भेजने के बजाय दहेज में एक लाख रुपये कम देने और मोटरसाइकिल न देने को लेकर वो लोग उसे प्रताड़ित करने लगे। पुलिस हस्तक्षेप से भूरी के पिता उसे 27 जुलाई को घर ले आए। उसने शाजापुर कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की। पति ने विवाह बहाली के लिए याचिका लगाई। कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया ये कहकर कि ये साबित नहीं हुआ है कि पति ने पत्नी के साथ क्रूरता की।

तलाक को ऐसे मिली मंजूरी

ये भी साबित नहीं हुआ कि पति ने पत्नी के साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए। पत्नी खुद उसके साथ नहीं रहना चाहती और झूठे आधार पर केस लगाया है। इसके खिलाफ भूरी ने हाईकोर्ट में अपील की, जिसमें ये बात निकलकर सामने आई कि मायके आने के बाद भूरी ने स्नातक की पढ़ाई की। हाईकोर्ट ने सभी तथ्यों को देखने और पत्नी को शिक्षा से रोकने के लिए पति के निचली अदालत में दिए बयान को ही आधार बनाकर तलाक को मंजूरी दे दी।

मानसिक क्रूरता साबित करना मुश्किल

कोर्ट ने मानसिक क्रूरता साबित करने को लेकर उठने वाले सवालों पर कहा- शारीरिक क्रूरता को आसानी से सिद्ध किया जा सकता है। लेकिन मानसिक क्रूरता को सबूतों के आधार पर सिद्ध करना मुश्किल है।

दर्द से कराह रही थी प्रेग्नेंट महिला, डिलीवरी से पहले नर्स ने रख दी ऐसी शर्त वीडियो वायरल होते ही एक्शन

झारसुगड़ा, 7 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के झारसुगड़ा जिले से एक सरकारी अस्पताल का एक वीडियो सामने आया है जो कि सोशल मीडिया पर वायरल है। वायरल वीडियो झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल का है। यहां प्रसूति विभाग की एक नर्स ऑपरेशन से पहले एक महिला के परिजनों से पैसे लेते हुए पकड़ी गई। फुटेज में ऑपरेशन थियेटर की इंचार्ज नर्स नीलिमा पटेल को दूसरी महिला से पैसे लेते हुए साफ तौर पर दिखाया गया है। घटना के वीडियो ने हेल्थ केयर सिस्टम के कामकाज को लेकर गंभीर चिंता जताई है। मामले पर बात करते हुए झारसुगुड़ा के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी (सीडीएमओ) ने कहा, 'शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर जिला मुख्यालय अस्पताल द्वारा गठित समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट मुझे सौंप दी है। हम कार्रवाई करेंगे। शिकायतकर्ता ने हमें व्हाट्सएप के जरिए लिखित शिकायत में बताया कि उन्होंने 2,000 रुपये की रिश्वत दी है।'

14 साल की बच्ची से शादी, ससुराल जाने से इनकार किया तो जबरन कंधे पर उठा ले गया पति

होसूर, 7 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के होसूर जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ जबरन शादी की गई है। जब नाबालिग ने ससुराल जाने से इनकार किया तो उसे पति ने कंधे पर उठा लिया और लेकर चला गया। इस घटना का हैरान कर देने वाला विडियो भी सामने आया है। वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले पर एक्शन लिया है। तमिलनाडु के होसूर के पास अंचेट्टी तालुक में स्थित तोट्टामंजू पहाड़ी गाँव के थिम्मत्तूर नामक एक छोटे से गाँव की रहने वाली 14 वर्षीय नाबालिग लड़की ने सातवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद घर पर रहना शुरू कर दिया था। इस नाबालिग लड़की की जबरन शादी 3 मार्च को कर्नाटका के बेंगलुरु में 29 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर माधेश से करवा दी गई। इस शादी में लड़की की मां नागम्मा (29) ने भी सहयोग किया था। शादी के बाद जब यह लड़की अपने पैतृक गाँव थिम्मत्तूर लौटी, तो उसने अपने माता-पिता और रिश्तेदारों से कहा कि उसे यह शादी पसंद नहीं है और वह अपने पति के घर नहीं जाना चाहती।

इसके बाद, माधेश और उसके बड़े भाई मल्लेश (38) ने लड़की को उसके रिश्तेदार के घर से जबरन उठाकर अपने गाँव कालीकुट्टई ले जाने का फैसला किया। इस दौरान, लड़की जोर-जोर से रो रही थी, लेकिन दोनों भाइ उसे जबरन कंधे पर उठाकर गाँव ले गए। यह पूरी घटना वहाँ मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी, जो अब वायरल हो रही है।

नहर में नहाने गए दो दोस्तों की डूबने से मौत:धार में हादसे की खबर सुनकर पिता को हार्ट अटैक; उनकी भी गई जान

मनावर, 7 मार्च (एजेंसियां)। धार में दो नाबालिग दोस्तों की नहर में डूबने से मौत हो गई। ये दोनों अपने दो अन्य दोस्तों के साथ नहाने आए थे। तभी गहरे पानी में उतरने से डूब गए। इधर, इनकी मौत की खबर सुनकर एक बच्चे के पिता को हार्ट अटैक आ गया, जिससे उनकी भी जान चली गई। ये घटना गुरुवार शाम करीब 4.30 बजे मनावर से करीब 15 किलोमीटर दूर ओंकारेश्वर नहर की है। मृतक बच्चों के नाम मोहम्मद हनीफ (12) पिता इस्लामुद्दीन खान और आतिफ (15) पिता अहमद खान है। दोनों ही सिंघाना गांव के रहने वाले थे। जहां हादसा हुआ वो जगह इनके गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर ही है।

बीजेपी सांसदों ने तुगलक लेन का नाम बदला नेम प्लेट पर पता लिखा विवेकानंद मार्ग

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारत की राजधानी दिल्ली में कई ऐसी सड़कें हैं जिनके नामों को बदलने की मांग होती रही है। इनमें औरंगजेब रोड समेत कई सड़कों के नाम मुस्लिम शासकों के ऊपर रखे गए हैं। सड़कों के नाम बदलने की डिमांड के बीच भारतीय जनता पार्टी ने अपने घरों की नेम प्लेट चेंज कर ली है और उस पर नया नाम लिखा हुआ है। दरअसल, बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने अपने सरकारी आवास पर एड्रेस 'तुगलक लेन' की जगह 'स्वामी विवेकानंद मार्ग' लिख लिया है। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के सरकारी आवास के बाहर भी अब 'विवेकानंद मार्ग' लिखा हुआ दिख रहा है।

नाम बदलने को लेकर कोई आधिकारिक आदेश नहीं

बता दें कि एक तरफ जहां दोनों के आवास की नेम प्लेट में 'स्वामी विवेकानंद मार्ग' लिखा हुआ है वहीं ब्रैकेट में 'तुगलक लेन' भी लिखा है।

अभी तक 'तुगलक लेन' के नाम में बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक आदेश नहीं आया है लेकिन बीजेपी के सांसदों ने अभी से आवास का पता बदल दिया है और और सड़क का नाम 'विवेकानंद मार्ग' कर दिया है। यूपी के राज्यसभा सांसद डॉक्टर दिनेश शर्मा का आवास '6, तुगलक लेन' है, लेकिन उन्होंने गृह प्रवेश के बाद एड्रेस में '6, विवेकानंद मार्ग' लिखवा दिया है। इसी तरह सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने भी अपने आवास का पता '8, तुगलक लेन' से बदलकर '8, स्वामी विवेकानंद मार्ग' लिखवा लिया है। बता दें कि राजधानी दिल्ली में मुगलकालीन नाम वाले रास्तों के नाम बदलने की मांग लंबे समय से चल रही है। नामों में बदलाव हुए भी हैं और अब धीरे-धीरे सरकारी आवासों की नेम प्लेट पर भी नजर आने लगे हैं। तुगलक लेन पर बीजेपी सांसदों के अलावा कई ऐसे नेता व अधिकारी हैं जिन्होंने अपने घर के पते में स्वामी विवेकानंद मार्ग लिखा हुआ है। तुगलक लेन में ही राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा और वाइस एडमिरल किरण देशमुख का भी आवास है और उन्होंने भी अपने घर पर 'स्वामी विवेकानंद मार्ग' लिखा है। खास बात यह है कि भले ही इसे लेकर आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है, पर गूगल मैप में भी 'स्वामी विवेकानंद मार्ग' सर्च करने पर आ रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 345 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.9 2081 शनिवार, 8 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर क्रैश, पायलट ने कूदकर बचाई जान

पंचकूला, 7 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला स्थित मोरनी के बालदवाला गांव के पास शुक्रवार को भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी। पायलट पैराशूट से उतरकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हालांकि माना जा रहा है कि विमान तकनीकी खराबी के कारण हादसे का शिकार हुआ है।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होंगे। साप्ताहिक ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय ने कहा कि पीएम मोदी मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का हिस्सा बनेंगे। वे 11-12 मार्च को मॉरीशस के दौरे पर रहेंगे। इसके अलावा भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 11 और 12 मार्च को मॉरीशस में होंगे। यहां वह मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह में भारतीय नौसेना के एक जहाज के साथ भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी भाग लेगी। प्रधानमंत्री ने आखिरी बार 2015 में मॉरीशस का दौरा किया था।

दादरा नगर हवेली में पीएम ने किया नमो अस्पताल का लोकार्पण

सिलवासा में अवसरों की भरमार : मोदी

सिलवासा, 7 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दादरा एवं नगर हवेली के सिलवासा में 2,587 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने नमो अस्पताल के पहले चरण का उद्घाटन किया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज सिलवासा और केंद्र शासित प्रदेश को आधुनिक पहचान मिल रही है। यह ऐसा शहर है जहां हर जगह के लोग रहते हैं। यहां का महानगरीय मिजाज दिखाता है कि कैसे यहां बहुत तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव हमारे लिए सिर्फ केंद्र शासित प्रदेश नहीं हैं, बल्कि हमारा गौरव और विरासत हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव एक शिक्षा केंद्र के रूप में उभरे हैं। पहले मुझे यह देखकर

खुशी होती थी कि यहां हिंदी, मराठी, अंग्रेजी और गुजराती सहित चार भाषाएं पढ़ाई का माध्यम हैं।

अब मुझे इस बात पर गर्व है कि प्राथमिक और जूनियर स्कूलों में भी बच्चों को स्मार्ट कक्षाओं में शिक्षा मिल रही है। कई साल पहले मुझे यहां बहुत बार आने का अवसर मिलता था। सिलवासा और पूरा दादरा एवं नगर हवेली, दमन-दीव उस समय कितना अलग था। लोगों को भी लगता था कि समुद्र के किनारे इस छोटी सी जगह में क्या हो सकता है! लेकिन मुझे यहां के लोगों के सामर्थ्य पर भरोसा था, आप पर भरोसा था। उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र में सरकार बनने के बाद हमारी सरकार ने इस भरोसे को शक्ति में परिवर्तित कर दिया, उसे आगे बढ़ाया। आज हमारा सिलवासा और यह प्रदेश एक आधुनिक पहचान के साथ उभर रहा है। सिलवासा एक ऐसा शहर बन चुका है जहां हर जगह के लोग रह रहे हैं। यहां का मिजाज बताता है कि दादरा एवं नगर हवेली में कितनी तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। आज यहां 2.5 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, हेल्थकेयर, शिक्षा और टूरिज्म, यानी हर क्षेत्र से जुड़े ढेर सारे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के विकास को और गति देंगे। यहां नए अवसर पैदा होंगे। हम इस प्रदेश को एक ऐसा आदर्श प्रदेश बना रहे हैं, जो आपके समग्र विकास के लिए जाना जाए।

शाह ने स्टालिन को दिया करारा जवाब : राज्य में मेडिकल-इंजीनियरिंग भी तमिल में पढ़ा लें

रानीपेट (तमिलनाडु), 7 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नीत केंद्र सरकार में भाषा के मुद्दे पर छिड़े विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा प्रदान करने को कहा और तमिल भाषा की भी सराहना की। भाषा के मुद्दे विशेष रूप से स्टालिन की ओर से हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाते हुए इसका विरोध करने को लेकर शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बदलाव किए हैं और अब यह सुनिश्चित किया है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के अभ्यर्थी अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा दे सकें।

चेन्नै से करीब 70 किलोमीटर दूर रानीपेट में आरटीसी थक्कोलम में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा में उत्तर पुस्तिका तमिल में भी लिखी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से छात्रों के लाभ के लिए राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा शुरू करने की अपील करता हूं। राज्य में भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच शाह की मुख्यमंत्री को निशाना साधते हुए ये टिप्पणी सामने आई। सत्तारूढ़ द्रमुक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के माध्यम से हिंदी लागू करने का दावा कर रही है, हालांकि केंद्र ने इसका खंडन किया है। राज्य सरकार ने कहा है कि वह केवल द्वि-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी का पालन करेगी। उन्होंने तमिलनाडु की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की संस्कृति ने भारत की सांस्कृतिक धारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चाहे वह प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त करना हो, शिक्षा हो या राष्ट्र की एकता और अखंडता हो, तमिलनाडु ने हर क्षेत्र में भारतीय संस्कृति को मजबूत किया है।

पाक सीमा के रेलवे ट्रैक पर मिला हैंड ग्रेनेड

अमृतसर पुलिस-बम निरोधक दस्ता कर रहा जांच

अमृतसर, 7 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल बॉर्डर के पास भारत से पाकिस्तान जाने वाली रेलवे ट्रैक के करीब हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया है। ये ग्रेनेड अटारी रेलवे स्टेशन के पास मिला। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। वहीं, पुलिस ने फिलहाल बम को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 2019 के बाद से पाकिस्तान जाने वाली समझौता ट्रेन का आना-जाना बंद है। यह ग्रेनेड सीमा से लगे गांव रोडावाली के पास मिला है। इस जगह से पाकिस्तान सीमा कुछ ही दूरी पर है। शुरूआती जांच में बात सामने आई है कि जब्त किया गया हैंड ग्रेनेड काफी पुराना है, लेकिन इसकी सही स्थिति और खतरे के स्तर की जांच की जा रही है। ग्रेनेड मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। देखा जा रहा है कि ये बम कितना पुराना है और यहां पहुंचा कैसे है।

रेलवे ट्रैक बंद, सुरक्षा एजेंसियों की चिंताएं बढ़ी : गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापार बंद होने के बाद यह रेलवे ट्रैक लंबे समय से बंद पड़ा है। ऐसे में इस इलाके में ग्रेनेड की मौजूदगी चिंता का विषय बन गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां यह जांच कर रही हैं कि यह ग्रेनेड यहां कैसे आया और किस उद्देश्य से छोड़ा गया। ये तभी स्पष्ट हो पाएगा, जब इस हैंड ग्रेनेड की मेकिंग और साल का पता चलेगा। इस घटना के बाद रेलवे ट्रैक और आसपास के क्षेत्र की पूरी जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां और कोई संदिग्ध वस्तु तो नहीं है।

जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस ने पकड़े बीकेआई के 3 आतंकी

जालंधर, 7 मार्च (एजेंसियां)। जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी संगठन से जुड़े तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बब्बर खालसा इंटरनेशनल के इशारे पर पंजाब में किसी बड़ी हत्या को अंजाम देने वाले थे। जिसे जालंधर काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट की टीम ने नाकाम कर दिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार अवैध हथियार और 15 से ज्यादा जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

मणिपुर में निर्धारित समय तक हजारों अवैध हथियार जमा

इंफाल, 7 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में आत्मसमर्पण समयसीमा के दौरान एक हजार से ज्यादा अवैध हथियार जमा किए गए हैं। मणिपुर पुलिस ने यह जानकारी दी है। जो अवैध हथियार जमा किए गए हैं, उनमें सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों के साथ ही अवैध रूप से खरीदे गए हथियार भी शामिल हैं। जिनमें हथगोले, मशीनगन, ग्रेनेड, मोर्टार, इंसास राइफल और एके-56 जैसी आधुनिक राइफल्स शामिल हैं। हथियार समर्पण करने की समय सीमा गुरुवार शाम चार बजे समाप्त हो गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है।

पुलिस ने बताया कि अभी जमा किए गए हथियारों का आंकड़ा अस्थायी है और सभी जिलों में जमा हुए हथियारों की पूरी गिनती करने के बाद यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य के हिंसा प्रभावित पांच जिलों में कुल 1023 हथियार सरेंडर किए गए हैं। राज्य के अन्य पांच जिले नगा समुदाय बहुल हैं और वहां 3 मई 2023 के बाद से अब तक कोई हिंसा नहीं हुई है। मणिपुर हिंसा में कुकी बनाम मैतई समुदायों के बीच छिड़ी लड़ाई में अब तक 250 लोगों के मारे जाने की खबर है और हजारों लोग अभी भी विस्थापित चल रहे हैं।

राज्यपाल ने की थी अपील : मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य के लोगों से अवैध हथियार जमा करने की अपील की थी। पहले इसके लिए एक हफ्ते का समय दिया था, लेकिन बाद में इस समयसीमा को 6 मार्च शाम चार बजे तक बढ़ा दिया गया था।

कर्नाटक में बजट पर बवाल

बेंगलूरू, 7 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को साल 2025 के लिए बजट पेश किया, जिसे लेकर राजनीतिक तकरार हो गई। कर्नाटक भाजपा ने बजट में अल्पसंख्यक कल्याण के लिए भारी आवंटन पर नाराजगी जताते हुए इसे हलाला बजट करार दिया। कर्नाटक सरकार ने बजट में चार प्रतिशत सरकारी कामों के ठेके मुस्लिम ठेकेदारों के लिए आरक्षित करने का एलान किया है, जिस पर भाजपा ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। कर्नाटक सरकार के बजट में एक हजार करोड़ रुपये अल्पसंख्यक कल्याण के लिए आवंटित किए गए हैं। साथ ही 150 करोड़ रुपये वक्फ संपत्ति सुरक्षा के लिए, 100 करोड़ रुपये ऊर्दू स्कूलों के लिए और साथ ही इमामों को 6 हजार रुपये महीना देने का भी एलान किया गया है। भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया कि कांग्रेस संसाधनों के आवंटन में मुस्लिमों को प्राथमिकता दे रही है।

स्टालिन की मौजूदा और पूर्व मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी

चेन्नई, 7 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिने ने परिसीमन मामले में अन्य राज्यों के मौजूदा और पूर्व मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने 22 मार्च को होने वाली जेएसी की पहली बैठक में अपने प्रतिनिधि भेजने का अनुरोध किया है, ताकि परिसीमन मुद्दे पर साझा रणनीति बनाई जा सके।

परिसीमन और ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी के विरोध में स्टालिन ने 5 मार्च तमिलनाडु में सर्वदलीय की थी। बैठक में इस मुद्दे पर जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) बनाने का फैसला हुआ था। जेएसी परिसीमन में राज्यों का प्रतिनिधित्व बचाने और प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी हो, इसके लिए काम करेगी। चिट्ठी में स्टालिन ने चेतावनी दी है कि परिसीमन से तमिलनाडु जैसे कम जनसंख्या वाले राज्यों पर असर पड़ेगा। उन्होंने लिखा कि देश में 1952, 1963 और 1973 में परिसीमन हुआ था। 1976 में परिसीमन को साल 2000 के बाद होने वाली पहली जनगणना तक रोक दिया गया। वहीं, 2002 में परिसीमन पर 2026 तक रोक बढ़ा दी गई थी। 2021 की जनगणना में देरी के वजह से परिसीमन तय समय से पहले हो सकता है।

इससे अपनी जनसंख्या नियंत्रित रखने वाले राज्य प्रभावित हो सकते हैं। स्टालिन ने दक्षिण में केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक, पूर्वी राज्यों में पश्चिम बंगाल और ओडिशा और उत्तर में पंजाब से जेएसी में शामिल होने के लिए उनकी औपचारिक सहमति मांगी है।

एलोपैथी दवा भ्रामक विज्ञापन मामला

राज्यों ने सुप्रीम कोर्ट में बताया एक्शन ले रहे हैं, 25 मार्च को अगली सुनवाई होगी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। एलोपैथी दवा भ्रामक विज्ञापन मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा- हमें बताया गया है कि राज्य भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कदम उठा रहे हैं। अगली सुनवाई 25 मार्च का होगी।

इससे पहले 10 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्वेदिक, सिद्धा और यूनानी दवाओं के अवैध विज्ञापनों पर एक्शन नहीं लेने वाले राज्यों को फटकार लगाई थी। इसमें दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और आंध्र प्रदेश का नाम शामिल था। तब कोर्ट ने तीनों राज्यों के मुख्य सचिवों को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव टल सकता है

✻ प्रदेश अध्यक्ष चुनाव और आरएसएस की बैठक के चलते देरी, अप्रैल में ऐलान संभव

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की धीमी गति और 21-23 मार्च तक बेंगलुरू में होने वाली आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के चलते यह प्रक्रिया अप्रैल तक टल सकती है। इससे पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि 14 मार्च (होली) के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान हो सकता है।

राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में देरी : आधे से ज्यादा राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव में देरी। जरूरी है, लेकिन अब तक सिर्फ 12 राज्यों में ही यह प्रक्रिया पूरी हो सकी है। चुनाव संपन्न कराने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक भेजने और तारीख तय करने में ही 10-12 दिन लग सकते हैं। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया चलेगी, जिसमें करीब 12-15 दिन का समय लगेगा।

आरएसएस की बैठक में देरी से 24 मार्च तक अंतिम फैसला संभव बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव में देरी का एक कारण आरएसएस की बैठक भी है। बेंगलुरू में होने वाली इस बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष समेत 1500 से ज्यादा प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

आरएसएस के वरिष्ठ अधिकारी 17 से 24 मार्च तक बेंगलुरू में रहेंगे, जिसके चलते बीजेपी नेतृत्व को नए अध्यक्ष पर अंतिम निर्णय लेने के लिए 24 मार्च तक इंतजार करना पड़ सकता है।

हिंदू नववर्ष के पहले महीने यानि अप्रैल में ऐलान पर विचार बीजेपी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को हिंदू अस्मिता से जोड़ना चाहती है। इसलिए माना जा रहा है कि 30 मार्च से शुरू हो रहे हिंदू नववर्ष के बाद घोषणा हो सकती है। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को जनवरी के बजाय हिंदू नववर्ष के पहले महीने यानि अप्रैल में कराने पर विचार कर रही है।

राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनेगा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का स्मारक, परिवार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्मारक राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर ही बनेगा। इसे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्मारक के पास बनाया जाएगा। बताया जाता है कि पूर्व पीएम के परिवार ने स्मारक को लेकर सहमति जता दी है। बताया जाता है कि मनमोहन सिंह के परिजनों ने आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर प्रस्तावित स्थल को मंजूरी दे दी है। परिवार ने विभाग को स्वीकृति पत्र भेज दिया है।

सीएम सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को बड़ी राहत कर्नाटक हाईकोर्ट ने रद्द किया ईडी का समन

बेंगलुरू, 7 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती और राज्य सरकार में मंत्री भैरती सुरेश को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी समन को रद्द कर दिया है। इस फैसले को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। ईडी ने दोनों को कुछ वित्तीय मामलों में पूछताछ के लिए समन भेजा था, जिसे अब हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है।

250 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए जाएंगे : स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के समय से चल रहे राष्ट्रीय राजधानी के लगभग 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए जाएंगे। उनके इस बयान पर आप नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने प्रतिक्रिया दी है। जैन का कहना है कि ये क्लीनिक सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए खोले थे, इन्हें बंद करना गलत है।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि भाजपा के स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए जाएंगे। ये क्लीनिक दिल्ली की जनता के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने खोले थे, जहां बुनियादी सुविधाएं, डॉक्टर की सेवाएं, मुफ्त दवाइयां और 365 टेस्ट फ्री किए जाते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में करीब 500 मोहल्ला क्लीनिक खोले थे। बीजेपी सरकार अब 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद करने जा रही है, जो गलत है।

आरएसएस के पिटारे से निकलेगा एनआरसी?

लागू करने के तरीकों को लेकर बड़ी सभा में होगा मंथन

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। साल 2019 में संसद के दोनों सदनों से जब मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून का बिल पारित करवाया था, तब उस दौरान एनआरसी के अनुमान को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इसके बाद विवादों को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की एक रैली में कहा था कि उनकी सरकार ने फिलहाल ऐसा कुछ नहीं प्लान कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि तब से लेकर अब तक बीजेपी ने एनआरसी का कोई जिक्र नहीं किया है लेकिन अब यह मुद्दा आरएसएस के पिटारे से निकलने वाला है।

दरअसल, 21 से 23 मार्च के बीच आरएसएस की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक होगी। इस अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा यानी एबीपीएस कहते हैं। आरएसएस की इस बड़ी सभा में संभावना हैं कि एनआरसी एक प्रमुख चर्चा का मुद्दा हो सकता है। इसमें चर्चा इस बात पर हो सकती है कि एनआरसी को पूरे देश में कैसे लागू किया जाए।

एनआरसी लागू करने के तरीके पर हो सकती है चर्चा आरएसएस के पदादिकारी ने कहा कि संघ की इस बैठक में इस बात पर चर्चा जरूर की जाएगी, कि एनआरएसी को कैसे लागू किया जाए, जिससे किसी भी भारतीय नागरिक को न तो कोई डर लगे, न खतरा महसूस हो। इतना ही नहीं, संघ की इस बैठक को लेकर सूत्रों के हवाले से यह भी रिपोर्ट दी है कि संघ कुछ खास राज्यों में एनआरसी लागू करने पर भी चर्चा कर सकता है। हालांकि, अभी यह पूरी तरह से तय नहीं है कि एनआरसी पर संघ की बैठक में चर्चा होगी, या नहीं। आरएसएस के एक अन्य नेता ने कहा कि किसी मुद्दे पर प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए या नहीं, यह बैठक के दौरान तय किया जाता है, पहले नहीं। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वरिष्ठ नेता इस मुद्दे को कैसे उठाते हैं और क्या फैसला लेते हैं।

क्यो अहम है आरएसएस की बैठक : एबीपीएस सभा आरएसएस की सबसे महत्वपूर्ण बैठक होती है जिसमें सरसंघचालक मोहन भागवत से लेकर, संगठन के दूसरे सबसे बड़े नेता दत्तात्रेय होसबोले शामिल होंगे, जिनके अलावा आरएसएस की सभी स्वयंसेवक भी इस बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में बीजेपी अध्यक्ष और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हो सकते हैं। यह देखना होगा कि इस बैठक के पहले क्या बीजेपी अपने नए अध्यक्ष का नाम तय कर पाती है, या नहीं।

सरसों के खेत में 16 साल की लड़की का गैंगरेप

अयोध्या, 7 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक नाबालिग लड़की के साथ चार युवकों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया है। इतना ही नहीं कुकर्मियों ने गैंगरेप का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक पुलिस ने इस मामले को कोई सफलता नहीं है। पुलिस का कहना है कि वह जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे। अयोध्या के पूरा कलंदर थाने क्षेत्र के सनेथू गांव की एक 16 साल की लड़की को गांव के ही चार युवकों ने अपनी हवस का शिकार बनाया है। बीते दिनों आरोपी चार लड़के नाबालिक लड़की को खींचकर गांव के बाहर सरसों के खेत में ले गए, जहां उन्होंने एक-एक कर लड़की के साथ रेप किया और इसी दौरान उसका वीडियो बना लिया।

हाई कोर्ट के आदेश के अधीन होगा शराब की दुकानों का आवंटन, सात अप्रैल को होगी सुनवाई

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने लाटरी के जरिये शराब की दुकानों के आवंटन के मामले में आदेश पारित करते हुए कहा है कि आवंटन प्रक्रिया न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। इसके साथ ही न्यायालय ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई सात अप्रैल को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन राय व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने सीतापुर के रामचन्द्र व अन्य की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। याचियों ने लाटरी के जरिये शराब के दुकानों का नए सिरे से आवंटन करने संबंधी छह फरवरी, 2025 के शासनादेश को चुनौती दी है। याचिकाओं का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता एलपी मिश्रा ने दलील दी थी कि इसी विषय पर याचिकाएं इलाहाबाद हाई कोर्ट में एकल पीठ के समक्ष विचाराधीन हैं, लिहाजा वर्तमान याचिका भी एकल पीठ द्वारा ही सुनी जानी चाहिए। हालांकि इस आपत्ति के संबंध में न्यायालय ने संबंधित अनुभाग से रिपोर्ट मंगाई, जिसके आधार पर याचिका को खंडपीठ द्वारा ही सुने जाने योग्य करार दिया। वहीं याचियों की ओर से दलील दी गई है कि लाटरी प्रक्रिया से आवंटन का शासनादेश संबंधित नियमावली के नियम पांच के विरुद्ध है।

कहा गया है कि राज्य सरकार ने तीन मार्च को नियमावली में संशोधन कर दिया है, लेकिन इस संशोधन से छह फरवरी का शासनादेश औचित्यपूर्ण नहीं माना जा सकता। उल्लेखनीय है कि बुधवार को न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने इसी विषय पर दाखिल दर्जनों याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए उन्हें खारिज कर दिया था। एकल पीठ ने कहा कि शराब का व्यवसाय सांविधानिक अधिकार नहीं है।

निबंधन कार्यालयों का समय एक घंटे बढ़ाया

प्रदेश के सभी उप-निबंधन कार्यालय इस माह शाम छह बजे तक रजिस्ट्री का कार्य करेंगे। अब शाम चार बजे के बजाय पांच बजे तक का स्लाट बुक किया जा सकेगा। कार्यालयों को शाम छह बजे तक रजिस्ट्री का कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। महानिरीक्षक निबंधन अमित गुप्ता ने गुरुवार को इसके आदेश जारी कर दिए। स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2024-25 के वित्तीय समापन और मार्च में होली व नवरात्र के कारण इस माह अधिक संख्या में अचल संपत्तियों का पंजीकरण कराया जाना संभावित है। इस माह त्योहारों के सार्वजनिक अवकाश होने से उपलब्ध कार्य दिवस कम होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। मार्च में अवकाश के दिन व रविवार को भी उप-निबंधक कार्यालय खुले रहेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान व्यवस्था के अनुसार आम जनता को शाम चार बजे तक रजिस्ट्री के लिए स्लाट उपलब्ध कराए जाते थे और शाम पांच बजे तक रजिस्ट्री का कार्य संपादित किया जाता था।

गोरखपुर में मर चुके 13 लोगों के नाम लोन पास

एसबीआई की जंगल कौड़िया शाखा में हुआ खेल, 71 लाख का गबन आया सामने

गोरखपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर के जंगल कौड़िया स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा में लगभग 71 लाख रुपये के गबन का मामला प्रकाश में आया था। कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने फर्जी तरीके से 3 लाख रुपये दूसरे के खाते में ट्रांसफर करने का मामला उठाया था। जिसके बाद कुछ और ऐसी ही शिकायतें आयीं। एसबीआई के सहायक महाप्रबंधक ने इस मामले में जांच कर 78 पेज की रिपोर्ट विवेचक जंगल कौड़िया के चौकी इंचार्ज को सौंपी तो चौंकाने वाला मामला सामने आया। बैंक की इस शाखा से 18 लोगों के नाम से लगभग 71 लाख 20 हजार रुपये के गबन का मामला सामने आया है। भ्रष्टाचार के लिए मिलीभगत ऐसी रही कि 13 ऐसे लोगों के नाम भी शामिल थे, जो अब इस दुनिया में ही नहीं हैं। ये लोग सरकारी कर्मचारी थे और इसी बैंक में उनका पेंशन खाता था। अब पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। बैंक के कुछ कर्मियों को जल्दी पैसे कमाने की लत लग गई। इसके लिए उन्होंने गलत रास्ता अपनाने से भी गुरेज नहीं किया। वे अलग-अलग खातों पर लोन करा लेते थे। ऐसे लोगों की पहचान की जाती थी जो मृत हो चुके हों या बैंक से अधिक मतलब नहीं रखते हों। इन खातों में लोन का पैसा आने के बाद जालसाज निकाल लेते थे।

सीबीआई की टीम ने फिर मारा रेल मंडल कार्यालय पर छापा, एक सप्ताह तक चलेगी जांच-पड़ताल

चंदौली, 7 मार्च (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेल मंडल में शुक्रवार की तड़के सीबीआई की टीम फिर धमक गई है। इस बार टीम जांच पड़ताल के लिए कार्यालय में एक सप्ताह तक अपना डेरा-डंडा डालेगी। ट्रांसफर, पोस्टिंग व नियुक्ति के खेल का मामला बढ़ता जा रहा है। दो विभागीय शाखा अध्यक्ष समेत 28 कर्मचारियों की गिरफ्तारी के बाद मंडल में भूचाल की स्थिति है। फिलहाल लखनऊ बैठी सीबीआइ की टीम को जांच पड़ताल के लिए सब कुछ नहीं मिल पा रहा था। सीबीआई की आठ सदस्यीय टीम इस बार आई है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से ठीक सामने कंट्रक्शन गेस्ट हाउस में अपना ठिकाना टीम ने बनाया है। इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के ठीक बगल में एक कमरा खाली कराया गया है। उसकी साफ सफाई की जा रही है। उसी कमरे में सभी आरोपी अधिकारी व कर्मचारियों से बुलाकर पूछताछ की जाएगी इसके साथ ही एक फोटो स्टेट मशीन भी लगाई गई है। इससे कर्मचारियों के ट्रांसफर, पोस्टिंग व नियुक्ति की फाइलों का जांच पड़ताल होगी। आवश्यकता पड़ने पर फोटो स्टेट करा कर अपनी फाइल सीबीआई मजबूत करेगी। इतना ही नहीं कुछ संदिग्ध लोगों को नोटिस भी की जाएगी। सीबीआई को यह सब इसलिए करना पड़ रहा है कि लखनऊ बैठकर उसे मंडल से सही जानकारी नहीं मिल पा रही थी। मेल में सही कागजात भी नहीं दिए जा रहे थे। तब जाकर सीबीआइ को यह निर्णय लेना पड़ा। सीबीआई इस तरह पकड़ा आरोपितों को पुलिस सूत्रों की मानें तो लोको पायलट प्रमोशन के लिए एग्जाम देने आए थे। रेलवे के कार्मिक विभाग के एक बाबू ने सभी को लान में ठहराया था। आरोप है कि परीक्षा में नकल कराकर प्रमोशन दिलाने के एवज में रिश्वत ली गई थी। इसकी सूचना सीबीआई को हो गई। सीबीआई के अधिकारियों ने फौरी कार्रवाई करते हुए सभी लोको पायलटों को हिरासत में ले लिया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के काली महाल स्थित राज मैरेज लान है। लान का संचालन चुन्ना नामक व्यक्ति करता है। चुन्ना के मोबाइल फोन पर पीडीडीयू रेल मंडल मुख्यालय के कार्मिक विभाग के बाबू संजय मिश्रा का फोन आया। संजय ने कहा कि कुछ लोको पायलट प्रमोशन का एग्जाम देने के लिए आए हैं। उन्हें लान में रुकने की व्यवस्था कर दो। इसकी जानकारी सीबीआइ को हो गई। रिश्वत लेकर सभी का एग्जाम पास करा कर प्रमोशन कराया जा रहा था। पूरे मामले की जानकारी सीबीआई को हो गई थी। सीबीआइ की सूचना पर इंस्पेक्टर विजय बहादुर तत्काल फोर्स के साथ लान पहुंचे और नौ लोको पायलट को हिरासत में ले लिया था।

यूपीएससी की तैयारी कर रही छात्रा से रेप:शादी का झांसा देकर की थी दोस्ती मुंबई से आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ में यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती को शादी का झांसा देकर रेप करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई निवासी आरोपी हुसैनगंज इलाके में एक होटल में युवती के साथ रेप किया था। युवती की शिकायत पर पुलिस एफआईआर दर्ज कर उसकी तलाश कर रही थी। हुसैनगंज इंस्पेक्टर राम कुमार गुप्ता ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी मो। आसिफ को मुंबई से गिरफ्तार किया है। वह मूल रूप से सुलतानपुर का रहने वाला है। आसिफ मुंबई कुर्ला ईस्ट में रहकर ऑन लाइन एजुकेशन कंपनी में जॉब कर रहा था। जबकि युवती लखनऊ में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही है। पीड़िता का आरोप है कि आसिफ शादी का झांसा देकर उसके पास आया।

सुबह-सुबह डीटीओ के घर विजिलेंस टीम की छापेमारी, आय से अधिक संपत्ति का मामला

नालंदा, 7 मार्च (एजेंसियां)। स्पेशल विजिलेंस यूनिट की टीम ने आज (शुक्रवार) सुबह नालंदा जिला के परिवहन अधिकारी अनिल कुमार दास के किराए के मकान पर छापामारी की। जानकारी के अनुसार, विजिलेंस टीम की यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति मामले से जुड़ी बताई जा रही है। सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच विजिलेंस की दो गाड़ियां बिहारशरीफ स्थित डीटीओ के किराए के फ्लैट पर अचानक पहुंचीं। डीएसपी चंद्र भूषण सिंह के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने फ्लैट को अंदर से बंद कर जांच अभियान शुरू किया।

मीडिया को अंदर जाने की अनुमति नहीं

फिलहाल डीटीओ अनिल कुमार दास के घर पर छापामारी जारी है। इस वजह से मीडिया को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई है। विजिलेंस टीम के अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। बता दें, अनिल कुमार दास मूल रूप से जमुई जिले के रहने वाले हैं। नालंदा डीटीओ पद संभालने से पहले अनिल कुमार दास मुजफ्फरपुर में अनुमंडल पदाधिकारी (डीटीओ) के रूप में कार्यरत रहे हैं। विजिलेंस टीम की कार्रवाई से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है, और मामले की जांच जारी है।

बीते महीने बेतिया डीईओ के ठिकानों पर में हुई थी छापेमारी

जनवरी महीने में निगरानी विभाग की टीम ने बेतिया के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) रजनीशकांत प्रवीण के आवास पर छापेमारी की। विजिलेंस की टीम सुबह डीईओ के बेतिया सरिसवा रोड स्थित किराए के मकान पर छापेमारी की। पश्चिम चम्पारण के जिला शिक्षा अधिकारी रजनीकांत प्रवीण के विरुद्ध उनके तीन ठिकानों पर विजिलेंस की स्पेशल टीम के छापामारी की। जिला शिक्षा कार्यालय, डीईओ के सरिसवा रोड स्थित आवास और एनएच 727 में यामाहा शो रूम के पास एक निजी ट्रस्ट कार्यालय पर छापेमारी हुई। आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिक्षक संगठनों में ने भी इनपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये थे।

जिनका धर्म भ्रष्ट होता है वे होली पर घर से बाहर न निकलें: सीओ

संभल, 7 मार्च (एजेंसियां)। आगामी होली के त्यौहार और रमजान माह में शांति सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से संभल कोतवाली पुलिस थाना में हुई शांति समिति की बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अनुज चौधरी ने कहा कि यदि किसी को लगता है कि होली के रंग से उसका धर्म भ्रष्ट होता है तो वह उस दिन घर से ना निकले। शांति समिति की बैठक में सीओ ने दोनों समुदायों के लोगों से एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करने का आग्रह किया। शांति समिति की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सीओ चौधरी ने कहा, जिस प्रकार से मुस्लिम बेसब्री से ईद का इंतजार करते हैं, उसी तरह हिंदू होली की प्रतीक्षा करते हैं। मालूम हो कि होली का त्यौहार 14 मार्च को है और इसी दिन जुमा की नमाज भी होगी। सीओ ने कहा, "होली का दिन वर्ष में एक बार आता है, जबकि जुमा साल में 52 बार आता है। यदि किसी को लगता है होली के रंग से उसका धर्म भ्रष्ट होता है तो वह उस दिन घर से ना निकले। चौधरी ने लोगों से अपील की कि वे उन लोगों को जबरदस्ती रंग ना लगाएं जो होली नहीं मनाना चाहते। सीओ ने कहा कि शांति समिति की बैठक सभी स्तर पर चल रही है। चूंकि संभल में तीन महीने पहले शांति भंग हुई थी इसलिए यहां बेहद सतर्कता बरती जा रही है। चौधरी ने शरारती तत्वों को चेतावनी भी दी और कहा कि शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तेजस्वी और मुकेश सहनी के सामने नई मुश्किल, इस मामले में कोर्ट करेगा सुनवाई

मुजफ्फरपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव चिह्न को लेकर विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) के संरक्षक मुकेश सहनी, इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के विरुद्ध दाखिल परिवाद खारिज किए जाने को लेकर दायर क्रिमनल रिवीजन वाद की सुनवाई होगी। इसके लिए 22 मार्च की तारीख निर्धारित की गई है। यह परिवाद भारतीय सार्थक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सदर थाना के लहलादपुर पताही निवासी सुधीर कुमार ओझा ने पिछले वर्ष 18 अप्रैल को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट में दाखिल किया था। इसमें फर्जीवाड़ा व धोखाधड़ी कर भारतीय सार्थक पार्टी के चुनाव चिह्न के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। इस परिवाद को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके विरुद्ध प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कोर्ट में उन्होंने क्रिमिनल रिवीजन वाद दायर किया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने रिवीजन वाद को सुनवाई के लिए ग्रहण कर लिया है। 22 मार्च को अगली सुनवाई होगी।

परिवाद में यह लगाया था आरोप

अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने अपने परिवाद में कहा था कि वह भारतीय सार्थक पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से उनकी पार्टी को नाव चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। यह पहले विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) को आवंटित था वीआइपी के संरक्षक मुकेश सहनी उनके व भारतीय सार्थक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर कुमार उर्फ पप्पू महतो के साथ लगातार संपर्क कर नाव चुनाव चिह्न वापस करने का दबाव व प्रलोभन दे रहे थे। इससे इनकार पर मुकेश सहनी व संतोष सहनी आइएनडीआइए (महागठबंधन) से तालमेल कर राज्य में लोकसभा की तीन सीटों से चुनाव लड़ रहे है। ये दोनों अन्य सभी सीटों पर चुनाव प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि वीआइपी के संरक्षक मुकेश सहनी, वीआइपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जानबूझकर साजिश के तहत फर्जीवाड़ा कर उनकी भारतीय सार्थक पार्टी को आवंटित नाव चुनाव चिन्ह का दुरुपयोग किया। इसके साथ ही उनके पार्टी के चुनाव चिन्ह को खुलेआम प्रचारित व प्रसारित कर रहे हैं। महागठबंधन के बैनर-झंडा पर नाव चुनाव चिह्न लगाकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस पूरे मामले में अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा के परिवाद को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट ने खारिज कर दिया था। अब इस पर क्रिमिनल रिवीजन वाद दायर किया गया है, जिस पर 22 मार्च को सुनवाई होगी।

पूर्व सांसद के पोते विवेक ने नशे की हालत में की जमकर फायरिंग

6 लोगों को 'मुर्गा' भी बनाया

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गोमतीनगर में स्थित एक आईटी कंपनी के कार्यालय में नशे की हालत में एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। आरोपी का नाम विवेक भदौरिया है, जो पूर्व सांसद अर्जुन सिंह का पोता है और पेशे से प्रॉपर्टी डीलर है। घटना के दौरान विवेक ने कंपनी के संचालक अनुज कुमार वैश्य और कर्मचारी अमितेश श्रीवास्तव पर पिस्टल की बट से हमला किया। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें पीड़ित पुलिस को अपनी आपबीती बता रहे हैं। विवेक की दबंगई इतनी थी कि उसने कार्यालय में मौजूद करीब छह लोगों को मुर्गा बनाया और गालियां देते हुए चार राउंड फायरिंग की। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना में इस्तेमाल हुए दो हथियार, खोखे और कारतूस बरामद किए गए हैं। अभी तक फायरिंग का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद को वजह बताया जा रहा है। पूछताछ जारी है। विवेक भदौरिया मूल रूप से सैफई का रहने वाला है और कंपनी के ऑफिस के पास ही रहता था। बीती रात वह अचानक कार्यालय पहुंचा और फायरिंग शुरू कर दी, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। उसके पास से पिस्टल के साथ-साथ एक रिवॉल्वर भी मिली है। कंपनी संचालक अनुज की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है

पाकिस्तान समेत पांच देश के हैंडलरों से संपर्क में था खालिस्तानी आतंकी लजर मसीह, इनपुट जुटा रही खुफिया एजेंसी

प्रयागराज/कौशांबी, 7 मार्च (एजेंसियां)। आतंकी लजर मसीह विदेशों में बैठे अपने हैंडलरों के लगातार संपर्क में था। वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल ग्रुप से जुड़े आतंकियों को भारत से जुड़ी जानकारी देता था और विदेश में हलचल के बारे में पूछता था। पाकिस्तान, कतर, मैक्सिको, पुर्तगाल और यूएसए में मौजूद हैंडलरों से ज्यादा संपर्क करता था। आतंकी से पूछताछ में यह तथ्य सामने आया है कि यूपी में आने के बाद वह दूसरे लोगों के वाईफाई से अपने मोबाइल को कनेक्ट करता था। इसके बाद करीबियों से इंटरनेट कॉल के जरिए बात करता था। फिलहाल गिरफ्तारी के बाद आतंकी के स्लीपिंग माड्यूल से जुड़े इनपुट संबंधी जानकारी खुफिया एजेंसी जुटा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि प्रयागराज और कौशांबी में उसके मददगार तो नहीं हैं। अगर कोई सहयोगी है तो उसके बारे में भी पता लगाकर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा। सूत्रों का कहना है कि पंजाब से फरार होने के बाद बब्बर खालसा इंटरनेशनल ग्रुप का आतंकी लजर मसीह चर्चा में आया था। उसका कनेक्शन खालिस्तानी आतंकी पन्नू से सामने आने के बाद सुरक्षा एजेसियां विशेष रूप से सतर्क हो गई थीं। पन्नू की ओर से महाकुंभ में बदला लिए जाने की धमकी दी गई थी, जिसे देखते हुए यूपी एसटीएफ और एटीएस की टीम लगातार केंद्रीय एजेंसियों के संपर्क में रही यह भी बताया गया है कि आतंकी लजर विदेश में बैठे अपने आका और करीबियों से मोबाइल एप के अलावा वाईफाई के जरिए भी संपर्क करता था। गिरफ्तारी के दौरान एसटीएफ ने लजर के कब्जे से जो मोबाइल बरामद किया है, उसमें सिमकार्ड नहीं था। इस आधार पर कहा गया है कि वह दिल्ली से कौशांबी आते वक्त श्रद्धालुओं की मदद से ही इंटरनेट कॉल किया था। खालिस्तानी आतंकी लजर मसीह के खिलाफ कोखराज थाने में मुकदमा लिखा गया है। एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने आतंकी लजर के विरुद्ध सात धाराओं में एफआईआर लिखी। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। सलाखों के पीछे पहुंचने के बाद आतंकी ने दाल-चावल के साथ रोटी खाई। अब उसे पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) पर लेकर पूछताछ किए जाने की तैयारी है। जल्द ही इसके लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की जाएगी।

'बिहार विधानसभा चुनाव के बाद भी सीएम नीतीश का समर्थन करेगी बीजेपी', सम्राट चौधरी का बड़ा बयान

पटना, 7 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार का एक और कार्यकाल के लिए समर्थन करेगी। सम्राट चौधरी ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) किसी नए चेहरे को आगे बढ़ा सकता है। चौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत के दौरान यह भी कहा कि कुमार के बेटे निशांत का पार्टी में आना उनका (नीतीश कुमार का) व्यक्तिगत और जद(यू) का आंतरिक मामला है। उपमुख्यमंत्री ने राज्य में राजग के मुख्य प्रतिद्वंद्वी तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा मात्र प्रतिनिधि करार दिया। वहीं जब उपमुख्यमंत्री से पूछा गया कि अगले बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होंगे, इस पर चौधरी ने कहा, बिहार की राजनीति में यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि एनडीए के नेता नीतीश कुमार हैं। वह 1996 से गठबंधन के नेता हैं। भारतीय जनता पार्टी इनके नेतृत्व में सहज रही है। कल भी नीतीश थे, आज भी नीतीश हैं और कल भी नीतीश कुमार ही रहेंगे। यह पूछे जाने पर कि इन दिनों नीतीश कुमार के 47 वर्षीय पुत्र निशांत के राजनीति में शामिल होने की चर्चा जोरों पर है ऐसे में उनकी क्या भूमिका रहेगी? इस पर कहा, वह नीतीश कुमार का व्यक्तिगत मामला है और जनता दल यूनाइटेड के अंदर की बात है। हम नीतीश कुमार के साथ समझौते में है और जनता दल यूनाइटेड का जो निर्णय होगा उसके साथ हम लोग खड़े रहेंगे।

अपर्णा यादव बोलीं- 'सीएम योगी के नाम से डरते हैं आतंकी, राम मंदिर को छू भी नहीं पाएंगे '

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और सपा नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रशासन व्यवस्था की तारीफ की है। अपर्णा यादव अयोध्या पहुंची थी जहां उन्होंने कहा कि राम मंदिर को कोई भी आतंकी या गुंडा छू भी नहीं सकता है। सीएम योगी के नाम से ही आतंकी डरते हैं। वहीं उन्होंने सपा विधायक अबू आजमी के औरंगजेब पर दिए बयान को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि इस तरह के बयान देने से वो मुस्लिमों के नेता नहीं बन जाएंगे। अपर्णा यादव ने राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर कहा कि कोई कुछ भी नहीं कर पाएगा, कोई गुंडा।। कोई आतंकी कोई बदमाश किसी मंदिर को छू भी नहीं पायेगा। माननीय योगी जी के नाम से आतंकी डरते हैं, अयोध्या में किसी भी तरह का हमला नहो हो सकता है। आतंकवादी अयोध्या को हाथ भी नहीं लगा सकते हैं। आज अयोध्या में तेजी से विकास हो रहा है। आज यूपी माननीय योगी जी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अबू आजमी के बयान पर किया पलटवार

भाजपा नेता ने इस दौरान महाराष्ट्र में सपा सांसद अबू आजमी को औरंगज़ेब पर दिए बयान पर भी तीखा हमला किया और कहा कि औरंगजेब जैसा क्रूर शासक उनका खुदा हो सकता है लेकिन मुसलमानों के लिए खुदा तो उनका अल्लाह ही है। उनके आदरणीय औरंगजेब होंगे लेकिन, बाकि मुसलमानों के लिए औरंगजेब सही नहीं है। इस प्रकार के अल-बल्ल बयान देने से वह मुसलमानों के नेता नहीं बन जाएंगे। बता दें कि गुजरात एटीएस ने हरियाणा के फरीदाबाद से संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया है। अब्दुल रहमान अयोध्या के ही मिल्कीपुर का रहने वाला हैं और पिछले काफी समय से आईएसआई के संपर्क में था और राम मंदिर पर हमले की साजिश रच रहा था। पुलिस को उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद हुए। अब्दुल रहमान की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां राम मंदिर की सुरक्षा के लिए और सतर्क हो गई हैं।

तेलंगाना टनल हादसा, हर मिनट गिर रहा 5000 लीटर पानी

> 13 दिन बीते, अंदर फंसे 8 वर्कर्स का पता नहीं > बचने की सिर्फ 1 फीसद उम्मीद

हैदराबाद, % मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 13 दिन हो गए, मेरे भाई संदीप की कोई खबर नहीं है। बस इतना पता है कि जिस टनल में संदीप काम कर रहा था, वो धंस गई है। वो घर में इकलौता कमाने वाला है। डेढ़ साल पहले टनल प्रोजेक्ट में काम करने गया था। 1% हजार रुपए महीने तनख्वाह मिलती थी। पिछले साल अगस्त में रक्षाबंधन पर घर आया था। तभी से उसे नहीं देखा। झारखंड के रहने वाले संदीप साहू की बहन संदीपा बीते 13 दिन से परेशान हैं। सिर्फ संदीप ही नहीं, उन % वर्कर्स के परिवार भी चिंता में है, जो तेलंगाना के नागरकुर्नूल में बन रही श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल में फंसे हैं।

ये हादसा 22 फरवरी की सुबह हुआ। सुरंग की छत का एक हिस्सा अचानक ढह गया। तब टनल में करीब 50 मजदूर काम कर रहे थे। इनमें से 42 बाहर निकल आए, एक इंजीनियर समेत 8 लोग टनल में ही फंस गए। उन्हें बचाने के लिए एनडीआरएफ और रैटमाइनर्स की टीमें जुटी हुई हैं।

ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार टेक्नीक से फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। टनल से तेज बदबू आ रही है, इससे अनहोनी की आशंका भी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में सबसे बड़ी चुनौती टनल में लगातार बढ़ता सिल्ट (गाद) और पानी का लेवल है। तेलंगाना सरकार के मुताबिक, टनल में फंसे मजदूरों के बचने की उम्मीद सिर्फ 1फीसद है। टनल प्रोजेक्ट आखिर क्या है, 44 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की जरूरत क्यों पड़ी, प्रोजेक्ट में कितना फायदा-कितना जोखिम है, रेस्क्यू ऑपरेशन अभी और कितने दिन चल सकता है? इन सभी सवालों की पडताल करती रिपोर्ट।

देश की सबसे लंबी अंडर वॉटर टनल बनने की कहानी

19%8 की बात है। देश में जनता पार्टी की सरकार थी। मोरारजी देसाई पीएम थे। उस वक्त आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चेन्ना रेड्डी ने भारत के सबसे बड़े वॉटर टनल प्रोजेक्ट का प्रस्ताव रखा। प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिलने के बाद रेड्डी सरकार ने सर्वे कमेटी बनाई।

कमेटी ने दो साल कृष्णा नदी और नल्लामाला फॉरेस्ट रिजर्व के पास सुरंग बनाने के लिए जमीन की स्टडी की। प्रोजेक्ट का फोकस कृष्णा नदी के पानी को पहाड़ी जिलों की तरफ मोड़ना है, ताकि वहां पीने के पानी की दिक्कत खत्म हो और खेती में मदद मिले। 1980 में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री तंगुतुरी अंजैया बने। उन्होंने टनल प्रोजेक्ट के लिए 3 करोड़ रुपए जारी किए, लेकिन कंस्ट्रक्शन शुरू नहीं हो सका। 1983 में एनटीआर मुख्यमंत्री बने। उन्होंने प्रोजेक्ट जल्द शुरू करने के लिए इसे दो हिस्सों लेफ्ट बैंक और राइट बैंक कैनाल में बांट दिया। फिर भी सुरंग का काम अटकता रहा।

काम शुरू न हो पाने की बड़ी वजह सुरंग बनने की जगह थी। सुरंग के जरिए जिन इलाकों में पानी मोड़ा जाना था, वो जगह नल्लामाला फॉरेस्ट रिजर्व में आती है। वन्यजीवों के लिए संरक्षित जमीन पर खुदाई करना पर्यावरण कानूनों के खिलाफ था। 2004 में आंध्रप्रदेश में वाईएस राजशेखर रेड्डी की सरकार बनी। उन्होंने फिर से इस रुके प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए केंद्र को चिट्ठी लिखी।

तेलंगाना सिंचाई विभाग के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर टी. सुंदर रेड्डी कहते हैं, "वाएएस सरकार में पहली बार केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भरी। केंद्र ने राज्य सरकार को इस शर्त पर टनल बनाने की मंजूरी दी कि इससे नल्लामाला फॉरेस्ट रिजर्व को नुकसान न हो। अगस्त 2005 में राज्य सरकार ने 2,813 करोड़ रुपए की लागत से एसएलबीसी सुरंग प्रोजेक्ट के निर्माण को मंजूरी दे दी।'

तेलंगाना के सोशल एक्टिविस्ट नैनाला गोवर्धन सरकार की कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना में गड़बड़ी और एसएलबीसी प्रोजेक्ट में बरती गई लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं।

गोवर्धन कहते हैं, "तेलंगाना राज्य बनने के बाद भी एसएलबीसी टनल प्रोजेक्ट को के. चंद्रशेखर राव की सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। उनकी पार्टी बीआरएस 10 साल सत्ता में रही, लेकिन सिर्फ 11 किलोमीटर सुरंग की खुदाई हो सकी। दिसंबर 2023 में रेवंत रेड्डी सीएम बने। उन्होंने टनल बनाने के लिए तय बजट 3,152 करोड़ रुपए को बढ़ाकर 4,600 करोड़ रुपए कर दिया।' टनल के ऊपरी स्लैब से हर मिनट 5 से 8 हजार लीटर पानी गिर रहा है। इस खतरे का सही अनुमान लगाने में रॉबिन्सन और जेपी जैसी कंपनियां ही नहीं, तेलंगाना सिंचाई विभाग भी फेल रहा है। यही एसएलबीसी प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी नाकामी है।

नैनाला गोवर्धन के मुताबिक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की कालेश्वरम डैम प्रोजेक्ट और पोलावरम सिंचाई योजना में नियमों की अनदेखी हुई। यहां 460 करोड़ की लागत से बनी डायफ्रॉम वॉल ध्वस्त हो गई। मेडिगड्डा और अन्नारम में करोड़ों की विदेशी मोटर टूट चुकी हैं। अब यही चीजें एसएलबीसी टनल प्रोजेक्ट में सामने आ रही हैं।' "अगर इसका काम समय से पूरा हो जाता, तो इससे देवरकोंडा, नकीरेकल, नलगोंडा, नार्केटपल्ली मंडलों के लाखों एकड़ खेतों तक पानी पहुंच जाता। साथ ही 500 से ज्यादा फ्लोरोसिस प्रभावित गांवों को पीने का पानी मिलता।"

खतरनाक सुरंग कैसे बन गई

एसएलबीसी सुरंग देश में बनने वाली रेलवे या रोड टनल से बिल्कुल अलग है। इसका रास्ता फॉरेस्ट रिजर्व से होकर जाना था। इसलिए सरकारों ने इसे अंडरग्राउंड वाटर टनल की तरह बनाने का फैसला लिया। ये सुरंग ग्रेविटी बेस्ड प्रोजेक्ट की तरह बन रही है। ग्रेविटी बेस्ड टनल में सुरंग के रास्ते पानी ऊपरी इलाकों से निचले इलाकों की तरफ लाया जाता है। सुरंग में बीते 4 साल से बड़े पैमाने पर पानी, कीचड़ और मिट्टी नीचे की ओर गिर रही है। ऐसी समस्या किसी भी सुरंग में नहीं देखी जाती। एसएलबीसी में टनल बोरिंग मशीन से खुदाई शुरू हुई, तो वहां पहले से मौजूद शियर जोन (प्राकृतिक जलाशय) अस्थिर हो गया। ये अब भयंकर आपदा में बदल गया है। यही वजह है कि जहां सुरंग की खुदाई हो रही है, उस इलाके की मिट्टी में पानी मिल रहा है। इससे जमीन "ढीली' पड़ चुकी है। ऐसे में जरा सी हलचल से भी सुरंग ढह सकती थी। बोरिंग मशीनों ने काम शुरू किया, तो सुरंग के ऊपरी स्लैब की मिट्टी और ज्यादा अस्थिर हो गई।

माइनिंग-टनल साइंस के एक्सपर्ट राजेश सिंह कहते हैं, "एसएलबीसी एक इंक्लाइंड टनल है। इसका ज्यादातर हिस्सा झुका हुआ है। ऐसे में इसकी सतह पर ऊपरी छोर से गिरने वाला पानी ज्यादा तेज रफ्तार से नीचे की ओर आता है।' पानी का ग्रेविटेशनल फोर्स बहुत ज्यादा है। इसकी वजह से सुरंग की सतह पर हमेशा खतरा बना रहता है। टनल में पत्थरों के टूटकर गिरने और तेज वाटर प्रेशर रोकने के लिए खुदाई के साथ-साथ छत की सतह पर अलग से सीमेंट की परत लगाकर काम हो रहा है। हालांकि, ये पानी की रफ्तार को रोकने के लिए काफी नहीं होता।

हादसे के बाद टनल में 23-25 फीट तक मलबा भर गया है। टनल की छत से सिर्फ 4-5 फीट खाली जगह ही बची है। जिस तरह के हालात हैं, उससे अंदेशा है कि टनल के ढहने के कुछ मिनटों में वहां काम कर रहे 8 वर्कर्स की मौत हो गई होगी।

पानी की तेज रफ्तार से 400 टन वजनी टनल बोरिंग मशीन कई मीटर तक बह गई। सुरंग के अंदर मलबे और कीचड़ के साथ-साथ टूटी मशीनों के टुकड़े हैं। इन्हें काटकर 13 किलोमीटर संकरी सुरंग से बाहर निकालना मुश्किल हो रहा है। यही वजह है कि हादसे के 13 दिन बीत जाने के बावजूद रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी नहीं आ पा रही है। तेलंगाना के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव कह चुके हैं कि अंदर फंसे लोगों बाहर सुरक्षित निकलने की संभावना बहुत कम है। हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि उस 1फीसद उम्मीद को भी क्यों छोड़ दिया जाए।

प्रोफेसर राजेश आगे कहते हैं, "मजदूरों की जान बच सकती है, ये इस बात पर डिपेंड करेगा कि जहां वो फंसे हैं, उस जगह पर कितना पानी है। अमूमन खुदाई के वक्त मजदूर अपने साथ जरूरी खाने का सामान और पानी रखते हैं। इस कंडीशन में वो सर्वाइव कर सकते हैं।'

भारी बारिश वाला एरिया, पूरी टनल डूबने का खतरा

नैनाला गोवर्धन कहते हैं, 'अभी बारिश नहीं हो रही है, तब ऐसी घटना हो गई। मानसून के वक्त टनल निर्माण में हालात बदतर हो सकते हैं। फरवरी और मार्च तक सुरंग के अंदर 9 से 14 किलोमीटर तक 1.5 से 2.5 फीट पानी जमा हो चुका है।' 'जुलाई से अक्टूबर के बीच नल्लामाला फॉरेस्ट एरिया में भारी बारिश होती है। ऐसी स्थिति में सुरंग के ऊपरी स्लैब से हर मिनट 20 हजार लीटर से 1.5 लाख लीटर तक पानी का फ्लो बढ़ सकता है। अगर ऐसा होता है, तो पूरी की पूरी टनल डूब जाएगी।' "ये कोई साधारण वाटर फ्लो नहीं है, बल्कि सैकड़ों मीटर ऊंचाई से जमीन पर जबरदस्त दबाव के साथ गिरने वाला झरना है। ये टनल की छत और इसकी पूरी संरचना को मिनटों में तबाह कर सकता है।

टनल के मौजूदा हालात

टनल ढहने के 11 दिन बाद (4 मार्च) रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया। माइनिंग एक्सपर्ट्स के सुझाव पर अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए नई जगह खुदाई की जा रही है। हैदराबाद के नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजीआरआई) ने टनल में फंसे लोगों पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार सर्वे किया, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। 2 मार्च को सीएम रेवंत रेड्डी मौके पर पहुंचे थे। रेस्क्यू टीम से मिलने के बाद उन्होंने बताया कि अंदर फंसे लोगों की लोकेशन पता नहीं चली है। जरूरत पड़ी तो रेस्क्यू में रोबोट की मदद ली जाएगी। रेवंत रेड्डी ने कहा, "तेलंगाना राज्य बनने के बाद पिछली सरकार ने इस प्रोजेक्ट पर ध्यान नहीं दिया। महीनों काम रुका रहा, क्योंकि टनल बना रही कंपनी को फंड जारी नहीं किए गए। टनल में बिजली स ई तक काट दी गई।" "2023 में हमारी सरकार आने के बाद सुरंग के लिए बजट बढ़ाया गया। अमेरिका से हाईटेक मशीनरी और स्पेयर पार्ट्स मंगवाए। अब हम पूरी ताकत से रेस्क्यू ऑपरेशन कर रहे हैं, ताकि मजदूरों को निकाला जा सके।"

खुद को खतरे में डालकर काम कर रहे थे वर्कर्स

सोशल एक्टिविस्ट नैनाला गोवर्धन तेलंगाना सरकार पर सवाल उठाते हुए कहते हैं, "प्रोजेक्ट में झारखंड और उत्तर भारत से आए मजदूरों को बहुत कम सैलरी देकर जोखिम भरा काम कराया जा रहा था। उन्हें सिर्फ 800 रुपए रोज दिए जा रहे थे। कई वर्कर्स को तो 3 महीने से सैलरी नहीं मिली। गोवर्धन जोर देते हुए कहते हैं कि तेलंगाना सरकार को टनल में खुदाई करवा रहे गैर-जिम्मेदार ठेकेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी चाहिए।

2007 में टनल बननी शुरु हुई, 28 साल बाद भी अधूरी

SLBC देश का सबसे बड़ा अंडरग्राउंड वॉटर टनल प्रोजेक्ट

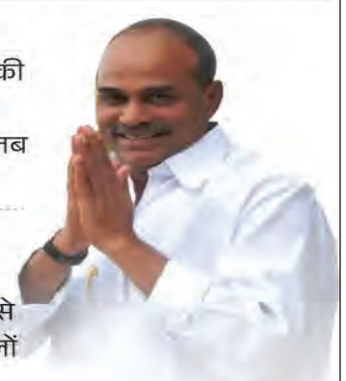

2005: आंध्र प्रदेश की YSR सरकार ने 2,813 करोड़ रुपए की लागत से श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी, तब तेलंगाना राज्य नहीं बना था

2007: टनल बननी शुरू हुई, प्रोजेक्ट का मकसद तेलंगाना की लाइफ लाइन कृष्णा नदी से तेलंगाना के अलग-अलग जिलों में 4 लाख एकड़ जमीन को सिंचाई का पानी देना था

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 28 साल में 44 किमी लंबे टनल प्रोजेक्ट का 34% काम पूरा हो चुका है। अभी 10 किमी का निर्माण बाकी है, जो सबसे ज्यादा क्रिटिकल है

SLBC प्रोजेक्ट की डेडलाइन 2010 में रखी गई थी, लेकिन कम बजट मिलने और प्राकृतिक चुनौतियों के कारण **टनल का निर्माण 2025 तक अधूरा है**

एसआरएसपी पानी के लिए 2 गांवों में लड़ाई, 3 घायल

महबूबाबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद जिले में बढ़ते जल संकट के कारण दो गांवों के बीच हिंसक झड़प हो गई। एसआरएसपी परियोजना चरण II के अंतर्गत माइलाराम स्थित डीपीएम-57 नहर से अपनी खड़ी फसलों को बचाने के लिए पानी पर निर्भर दो गांवों, अम्मापुरम जीके टांडा और बालाजी टांडा के किसानों ने पानी छोड़ने को लेकर हुई गरमागरम बहस के बाद एक-दूसरे पर हमला कर दिया। तीन किसानों बनोथ मंग्या, अजमेरा रमेश और गुगुलोथ बिक्षम पर बालाजी टांडा के निवासियों ने क्रूरतापूर्वक हमला किया, क्योंकि उन्होंने अपनी जमीन पर पानी छोड़ने से इनकार करने पर सवाल उठाया था। हमले की चपेट में आए किसानों में से एक अजमेरा रमेश को नहर में फेंक दिया गया, लेकिन सौभाग्य से उसे वहां मौजूद लोगों ने बचा लिया।

महिलाओं ने सोनिया गांधी और कांग्रेस नेताओं को लिखा पत्र

वादों को पूरा करने की मांग

आदिलाबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुखरा (के) गांव की महिलाओं ने सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और तेलंगाना के लिए एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन सहित कांग्रेस नेताओं को पोस्टकार्ड भेजकर मांग की है कि पार्टी अपने छह प्रमुख चुनावी वादों को लागू करे।

उन्होंने नटराजन को यह भी बताया कि यदि पार्टी अपने वादे पूरे करने में विफल रही तो वे सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के आवास के सामने धरना देंगे। महिलाओं ने भारतीय डाक विभाग के माध्यम से पत्र भेजे। पत्र में महिलाओं ने कांग्रेस से 2023 में होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय किए गए अपने वादों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने 18 वर्ष से अधिक आयु की

महिलाओं को 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता, दुल्हनों को एक तोला सोना, महिला स्नातकों को स्कूटर आदि जैसे वादों का उल्लेख किया। महिलाओं ने इस बात पर अफसोस जताया कि योजना का वादा करके जनता का जनादेश हासिल करने वाली कांग्रेस सत्ता में आने के 15 महीने बाद भी अपने वादों को पूरा नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भगवान को वचन देकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मद्देनजर अपने वादे तुरंत पूरे करने की मांग की। गांव की सरपंच मीनाक्षी गाडगे और अन्य लोग उपस्थित थे।

वैन पलटने से एक व्यक्ति की मौत, 19 घायल

वारंगल, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चेन्नारावपेटा में सुबह एक वैन के पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान 45 वर्षीय सुकन्या के रूप में हुई है। वैन जीदीगुट्टा थांडा से खेत मजदूरों को लेकर इटुकलापल्ली की ओर जा रही थी। कोनापुरम में वाहन ने नियंत्रण खो दिया और पलट गया, जिसके परिणामस्वरूप सुकन्या की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, घायलों में से दो मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वैन चालक फरार है।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। सुकन्या के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है।

हरीश राव ने विदेशी शिक्षा छात्रवृत्ति के लिए तत्काल धनराशि जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार द्वारा विदेशी शिक्षा योजना के तहत छात्रवृत्ति राशि जारी करने में की गई निष्क्रियता पर चिंता जताई है, जिससे छात्र संकट में हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार लंबित बकाया राशि का तुरंत भुगतान करे और नए लाभार्थियों के लिए चयन प्रक्रिया पूरी करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्र विदेश में अध्ययन करने का अवसर न खोएं।

गुरुवार को एक्स से बात करते हुए हरीश राव ने उन लाभार्थियों की अनदेखी करने के लिए सरकार की आलोचना की जो पहले ही विदेश जा चुके हैं और अब वित्तीय सहायता के बिना संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की निरंतर लापरवाही से हजारों छात्र विदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है कि योजना के तहत चयनित छात्र अपनी छात्रवृत्ति राशि न मिलने की शिकायत कर रहे हैं और फिर भी सरकार उदासीन बनी हुई है।

तेलंगाना आबकारी अधिकारी ने राष्ट्रीय स्तर की पत्र लेखन प्रतियोगिता जीती

संगारेड्डी, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उप आबकारी आयुक्त (निजामाबाद) उस्तेला सोमी रेड्डी ने डाक विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के पत्र लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता है। प्रतियोगिता का आयोजन 'लेखन का आनंद: डिजिटल युग में पत्रों का महत्व' (लिफाफा श्रेणी) विषय पर किया गया था। सोमी रेड्डी, जो एक शौकीन पाठक और लेखक हैं, को नकद पुरस्कार के रूप में 25,000 रुपये मिलेंगे। वह सूर्यपेट जिले के मटमपल्ली मंडल के बक्कमंथुला गुडेम के मूल निवासी हैं। सोमी रेड्डी ने बताया कि उन्हें हमेशा अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों से पत्रों के ज़रिए संवाद करना पसंद था। उन्होंने अपनी शादी से पहले अपने दोस्तों को कई पत्र लिखे थे। जब वह ग्रुप-2 पास करने के बाद एक्साइज सब-इंस्पेक्टर के तौर पर ट्रेनिंग ले रहे थे।

हैदराबाद सहित पूरे तेलंगाना में सुबह के तापमान में गिरावट

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के कई जिलों में सुबह के समय तापमान में तेजी से गिरावट आई और ठंडी हवाओं के कारण कई स्थानों पर पारा कम से कम 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। हैदराबाद के प्रसिद्ध मौसम पूर्वानुमानकर्ता टी. बालाजी द्वारा उपलब्ध कराए गए तापमान आंकड़ों के आधार पर, हैदराबाद विश्वविद्यालय में सुबह का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस, राजेंद्रनगर में 12.2 डिग्री सेल्सियस, मौला-अली में 14.6 डिग्री, गाच्चीबोवली में 14.9 डिग्री सेल्सियस, शिवरामपल्ले में 16.1 डिग्री सेल्सियस और बेगमपेट में 16.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। एक दिन पहले तक इन स्थानों पर सुबह का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच था। तेलंगाना के जिलों में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। प्रसिद्ध मौसम पूर्वानुमानकर्ता (तेलंगाना वेदरमैन) ने गुरुवार सुबह एक्स पर पोस्ट किया कि तेलंगाना में असामान्य शीतलहर चल रही है। कभी सोचा था, 3 घंटे पहले ही, हमारे यहां 39 डिग्री सेल्सियस और 40 डिग्री सेल्सियस के बीच भीषण गर्मी थी और अब, तेलंगाना में तापमान एक अंक में पहुंच गया है, जो पूरी तरह से पागलपन है।

फ्लैट दिलाने के नाम पर ठगने के आरोप में 4 गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया, जिन पर गरीब परिवारों को डबल बेडरूम फ्लैट दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एम ज्योति (49), पी सुनील सिंह (43), जी रमेश (43) और एल नितिन कुमार (23) शामिल हैं, जो सभी चत्रिनाका निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार गिरोह ने किराए के मकानों में रहने वाले लोगों से संपर्क किया और उन्हें सरकार द्वारा बीपीएल परिवारों को दिए जाने वाले डबल बेडरूम वाले मकान दिलाने का वादा किया। गिरोह ने लोगों से आधार कार्ड, परिवार की सामूहिक तस्वीर ली और जल्द से जल्द फ्लैट स्वीकृत करवाने का वादा करके उनसे 10,000 से 20,000 रुपये तक की रकम ली। टास्क फोर्स के अतिरिक्त डीसीपी ए श्रीनिवास राव ने बताया कि जब लोगों ने फ्लैट के लिए उन पर दबाव डालना शुरू किया तो ज्योति और सुनील ने फ्लैट आवंटन के फर्जी पत्र बनाए और डबल बेडरूम फ्लैट चाहने वालों को कागजात सौंप दिए।

औद्योगिक पार्क के लिए भूमि अधिग्रहण पर रोक

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस सरकार की कृषि भूमि अधिग्रहण अधिसूचना को चुनौती देने वाली ग्रामीणों की याचिकाओं के बाद लागाचेरला और हाकिमपेटा गांवों में भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने राजस्व विभाग के प्रधान सचिव और विकाराबाद जिला कलेक्टर सहित प्रमुख अधिकारियों को नोटिस जारी कर सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा है और सुनवाई 7 अप्रैल तक स्थगित कर दी है।

न्यायमूर्ति जे श्रीनिवास राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरुवार को हकीमपेट के शिव कुमार और लागाचेरला के गोपाल नाइक तथा 14 अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किए। याचिका में हकीमपेट में 351 एकड़ और लागाचेरला में 110 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की अधिसूचना को रद्द करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता बीएस प्रसाद ने दलील दी कि सरकार उचित मुआवजा न देकर भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 का उल्लंघन कर रही है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि अधिसूचना भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 का उल्लंघन करती है और इसे रद्द करने की मांग की। उनके वकील ने तर्क दिया कि अधिग्रहण बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के किया जा रहा है। उनकी याचिका पर विचार करते हुए उच्च न्यायालय ने अंतरिम रोक लगा दी और सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावित फार्मा विलेज के लिए विकाराबाद जिले के हाकिमपेट, लागाचेरला, पोलेपल्ली, रोटीबंदा थांडा और पुलीचेरला थांडा गांवों में 1,358 एकड़ जमीन अधिग्रहण करने की योजना बनाई थी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दामाद की कंपनी के लिए भूमि अधिग्रहण के आरोपों और लागाचेरला किसानों के विरोध तथा फार्मा विलेज के खिलाफ उच्च न्यायालय में मामला दायर किए जाने के बाद सरकार ने अपनी प्रारंभिक अधिसूचना वापस ले ली। बाद में, नवंबर 2023 में औद्योगिक गलियारे के लिए 1,177 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने के लिए एक नई अधिसूचना जारी की गई, जिसके खिलाफ ग्रामीणों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

ईडी ने प्रिशा पर्ल्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पीएमएलए कोर्ट में पीसी दायर की

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय, हैदराबाद जोनल ऑफिस ने मेसर्स प्रिशा पर्ल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, इसके निदेशकों नीलेश कुमार अग्रवाल और शैलेश कुमार अग्रवाल, मेसर्स घनश्यामदास ज्वैलर्स, मेसर्स अग्रवंशी एग्रो फार्म्स एलएलपी और गजानंद अग्रवाल के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत विशेष न्यायालय (पीएमएलए), हैदराबाद के समक्ष अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की। कोर्ट ने 1 मार्च, 2025 को पीसी का संज्ञान लिया है। ईडी ने प्रिशा पर्ल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ आपराधिक साजिश को आगे बढ़ाने के लिए हुमायूं नगर उप-डाकघर के अधिकारियों और अज्ञात अन्य के खिलाफ सीबीआई, एसीबी, हैदराबाद द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की।

इसके बाद, सीबीआई ने हैदराबाद में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष मेसर्स प्रिशा पर्ल्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। एफआईआर और आरोप पत्र के अनुसार, आरोपियों ने धोखाधड़ी से अतिरिक्त वस्तुओं को मूल्य देय पत्र/मूल्य देय पोस्ट (वीपीएल/वीपीपी) के तहत बुक किया और डाक विभाग को 7.66 करोड़ रुपये का गलत नुकसान पहुंचाया। डाक विभाग ने 'दूरस्थ रूप से प्रबंधित फ्रैंकिंग प्रणाली' की शुरूआत की और डाक टिकटों के उपयोग से बचने के लिए दूरस्थ रूप से प्रबंधित फ्रैंकिंग मशीनों का उपयोग करने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं भी स्थापित कीं। इन फ्रैंकिंग मशीनों ने ऐसी मशीनों से लिए गए फ्रैंक की संख्या की पहचान करने के लिए कालानुक्रमिक क्रम में चलने वाले अद्वितीय आइटम नंबरों के साथ 'फ्रैंकिंग इंप्रेशन स्लिप्स' मुद्रित कीं। इस बार कोड का उपयोग बुक किए गए वीपीएल/वीपीपी लेखों की आवाजाही को ट्रैक करने के लिए किया गया था।

डाक विभाग ने मेसर्स प्रिशा पर्ल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इस्तेमाल किए गए उपकरणों द्वारा भेजे गए लेखों और फ्रैंक किए गए डाक छापों के बीच अंतर देखा, यानी कंपनी ने बिना किसी डाक राशि का वास्तविक भुगतान किए उनके द्वारा बनाए गए नकली फ्रैंकिंग इंप्रेशन स्लिप्स को चिपकाकर खेप बुक की थी। ईडी जांच में पता चला है कि मेसर्स प्रिशा पर्ल्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों ने मूल फ्रैंक किए गए छापों की रंगीन फोटोकॉपी लगाकर डाक विभाग के माध्यम से उनके द्वारा भेजे गए वास्तविक पार्सल को छिपाने के लिए उस अवधि के दौरान कंपनी की बिक्री/टर्नओवर को काफी कम रिपोर्ट किया। उक्त अपराध को अंजाम देकर मेसर्स प्रिशा पर्ल्स ने डाक विभाग को 7.66 करोड़ रुपये का गलत नुकसान पहुंचाया। अपराध की आय (पीओसी) को पैसे के निशान को छिपाने के इरादे से नकद में निकाला गया और बाद में, निकाली गई नकदी को मेसर्स प्रिशा पर्ल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों और उनके परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत बैंक खातों में जमा कर दिया गया।

कृषि संकट ने एक और किसान की ले ली जान

आदिलाबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि क्षेत्र में व्याप्त संकट किसानों की जान ले रहा है। नेराडिगोंडा मंडल के वदुर गांव में एक किसान ने आत्महत्या कर ली, जबकि उसकी पत्नी जीवन के लिए संघर्ष कर रही थी, जब दोनों ने बढ़ते कर्ज को चुकाने में असमर्थता के कारण कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने बताया कि परेशान दंपत्ति पोशेट्टी (60) और उनकी पत्नी इंद्रा (55) ने आत्महत्या करने की कोशिश की, क्योंकि वे कपास और अन्य फसल उगाने के लिए लिए गए कर्ज को चुकाने में असमर्थ थे। पोशेट्टी ने रिम्स-आदिलाबाद में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली, जबकि इंद्रा की हालत गंभीर बताई जा रही है।प्रतिकूल जलवायु और कीटनाशकों की कीमतों में उछाल के कारण कपास की फसल की पैदावार में गिरावट के कारण दंपत्ति को खेती में भारी नुकसान उठाना पड़ा। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि रैतु भरोसा फसल निवेश सहायता को मंजूरी मिलने में देरी के कारण दंपत्ति के सामने वित्तीय संकट बढ़ गया है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 8 मार्च - 2025

नारी शक्ति से ही बढ़ेगी भारत की शक्ति

सुरेश गांधी

यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता, अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। इसी प्रकार कहा गया- 'न गृहं गृह मित्याहु गृहिणी गृह मुच्यते'। सच ही है परिवार संस्था की संकल्पना नारी के बिना व्यर्थ है। महल हो या टूटी झोंपड़ी, गृहलक्ष्मी के प्रवेश से ही घर बनता है। परिवार के विस्तार, पोषण, विकास का प्रश्न हो या हास-उल्लास, सृजन, संयम, धर्म, परोपकार का, नारी नायिका की भूमिका में है। पुरुष जीविका अर्जन के नाम पर अपनी जिम्मेवारी से पल्ला झाड़ सकते हैं परंतु परिवार को सुसंस्कृत, परिष्कृत और समुन्नत बनाने के अपने उत्तरदायित्व को नारी कभी नहीं भूलती। एक जमाना था, जब महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम समझा जाता था। यही वजह थी कि भारत में भी महिलाओं को उस तरह का सम्मान नहीं मिल पाया, लेकिन आज दुनिया बदल चुकी है और महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। राजनीति हो या फिर हवाई जहाज उड़ाने की बात, महिलाएं हर तरह के काम में आगे हैं। या यूं कहे महिलाएं सिर्फ घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि घर के बाहर भी हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। कला, खेल, व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। लेकिन अफसोस है कि संसद में महिला आरक्षण विधेयक बिल पास होने के बाद भी कानूनी अड़चनों के चलते लागू नहीं हो पा रहा है। जबकि कहीं हो ना हो कम से कम राजनीति में तो उन्हें पचास फीसदी आरक्षण मिल ही जाना चाहिए, लेकिन कुछ दलों को छोड़ दें तो अभी भी यह दिवास्वप्न है। साल 2023 में संसद में लोकसभा की कार्यवाही के पहले ही दिन मोदी सरकार ने उस बिल को पेश कर दिया जो पिछले 27 साल से संसद के दोनों सदनों से पास होकर कानून नहीं बन सका था। ये महिला आरक्षण बिल है, जिसे लोकसभा में पेश करते हुए प्रधानमंत्री ने बिल का नाम नारी शक्ति वंदन अधिनियम बताया था। इस बिल की खासियत यह है कि इसके समर्थन में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल हैं। लेकिन क्षेत्रीय पार्टिया पहले की तरह अब भी विरोध कर रही है। फिरहाल, विधेयक पारित होने के बावजूद इसका लाभ लेने के लिए महिलाओं को अभी भी इंतजार करना पड़ रहा है। जनगणना और लोकसभा व विधानसभा सीटों के परिसीमन के नाम पर लागू नहीं हो पा रहा है। जबकि इसे स्वेच्छा से भी लागू किया जा सकता है। बिना आरक्षण के राजनीतिक दल महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मींदवार बना सकते है। खासतौर उस देश में जहां आधी आबादी के मुकाबले 15 फीसदी ही महिलाएं संसद पहुंची। विधानसभाओं के हाल भी कमोबेश लोकसभा जैसे ही हैं। जबकि कड़वा सच तो यही है सृष्टि की रचना में नारी है, यौद्धाओं की तलवार की धार नारी है, हर सभ्यता के उत्थान में नारी है, प्रकृति, जैविकता, काव्यात्मक, प्रतीकात्मक चाहे जिस नजरिए से देख लो, हर हाल में सृजन, शक्ति और सहनशीलता की प्रतीक नारी है। बता दें, 1910 में अमरीका की क्लारा जेटकिन ने ही इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की नींव रखी थी। मकसउद है महिलाओं को मिले समान अधिकार। लेकिन कितना शर्मनाक है ये कहना कि वो समझती है मैं सुरक्षित हूं, कितनी टीस देते हैं ये शब्द कि जमीनी हकीकत आज भी नहीं बदली। ये वक्त का तकाजा है कि उसे आज भी सुरक्षा की सबसे ज्यादा जरूरत है। ये मामले दिखाते हैं, सबला, स्वतंत्र नारी को पुख्ता सुरक्षा व्यवस्थाओं की जरूरत है, कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है, सामुदायिक भागीदारी और महिलाओं के लिए एकजुट होने की जरूरत है, नारी सुरक्षा समितियों जैसी एक पहल अब गली मोहल्लों में करनी होगी, टेक्नोलॉजी का बेहतर इस्तेमाल, इमरजेंसी अलर्ट, ट्रैकिंग एप, सीसीटीवी कैमरों और उनकी मॉनिटरिंग को मजबूत किए जाने की जरूरत है। आर्थिक स्वतंत्रता महिला उद्यमों को और ज्यादा बढ़ाए जाने की जरूरत है। सरकारी स्तर की सुरक्षा भी चाहिए सड़कों पर अंधेरा न हो, पब्लिक ट्रांसपोर्ट में उसकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों, सड़कों, चौराहों पर, बस स्टैंड्स, रेलवे स्टेशन हर जगह उसकी सुरक्षा के लिहाज से चाक चौबंद हों। देखा जाएं तो मोदी सरकार द्वारा आज हर स्तर पर महिलाओं को सहयोग व समर्थन दिया जा रहा है। उनकी मुश्किलों को दूर किया जा रहा है। आज महिलाओं में एक विश्वास जगा है और भारत की नारी शक्ति अपनी मेधा एवं मेहनत से स्वर्णिम गाथा लिख रही है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी उन्हें वैसा प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है जैसा अपेक्षित और आवश्यक है। यह ठीक है कि सरकार प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित रहने वाली बेटियां जल, थल, नभ और अंतरिक्ष में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही हैं। सेनाओं, अर्द्ध सैनिक बलों और पुलिस में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। जीवन के हर क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ रही है। शासन-प्रशासन के साथ उद्योग-व्यापार जगत और तकनीक एवं विज्ञान के क्षेत्र में भारत की महिलाएं अपने कदम आगे बढ़ा रही हैं। वे खेल जगत में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। अपनी उत्कृष्टता भी साबित कर रही हैं। इसरो के चंद्र और सूर्य अभियानों में महिला विज्ञानियों की महती भूमिका किसी से छिपी नहीं। लेकिन इसी के साथ समाज को भी यह देखना होगा कि बेटियों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। हाल के एक आंकड़े के अनुसार वर्तमान में देश में महिला श्रम बल की भागीदारी 37 प्रतिशत है। इसे और बढ़ाने की आवश्यकता है, क्योंकि जब महिलाएं पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करेंगी, तो इससे केवल वही सशक्त नहीं होंगी, बल्कि घर-परिवार और समाज भी सक्षम बनेगा। जब ऐसा होगा, तब देश की भी सामर्थ्य बढ़ेगी। स्पष्ट है कि नीति-नियंताओं के साथ समाज को यह समझना होगा कि कार्य बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर ही विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति आसान होगी।

विभिन्न क्षेत्रों में उनके कौशल को महत्व दिया जाना चाहिए, न कि महिला-पुरुष सुरक्षा घेरा करना होगा मजबूत भारतीय महिलाएं अपने घरों, पड़ोस, कॉलेजों, कार्यस्थलों और अपने सामाजिक परिवेश में कितनी सुरक्षित महसूस करती हैं? मौजूदा कानूनी ढांचों और प्रौद्योगिकी के बावजूद, सुरक्षा संबंधी चिंताएं महिलाओं की शिक्षा, गतिशीलता, आर्थिक भागीदारी और समग्र नागरिक अधिकारों को प्रभावित करती रहती हैं, जिससे उन्हें अपने व्यवहार को संशोधित करने और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी को सीमित करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। मतलब साफ है महिलाओं के सम्मान मे एक दिन का दिवस मनाने के बजाय उनके अधिकार, उनके श्रम के मूल्य और उनके सम्मान खातिर तत्काल आमू-चूल परिवर्तन करने की जरुरत है। घरेलू काम, महंगाई का चक्रव्यूह, सिसायत का मैदान, रोजगार और कृषि में सरकारों और समाज ने क्या महिलाओं के हक की आवाज सुनी है? क्या महिलाओं को अपनी जिंदगी, घर संभालने में गुजार देने वाले श्रम का वेतन देने का मुद्दा कभी उठेगा? क्या चुनाव में टिकट देने से लेकर असेंबली-संसद तक महिलाओं की भागीदारी पूर्ण हक के साथ सुनिश्चित की जाएगी? या फिर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बस एक दिन के सम्मान वाला वन डे मातरम रह जाएगा। जबकि घर का आंगन महिला के बिना अधूरा है।

मां बहन बेटियां हम सभी के जीवन में अहम भूमिका निभाती है। स्त्री है तो सांर है। यह दिन हर महिलाओं को उनके काम, अधिकार और समान्न के लिए बढ़ावा देता है। साथ ही यह उनके अधिकारों को लेकर सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक में उनके सफलता को लेकर उनके हिम्मत को दिखाता हैं। यह थीम हमें बताती है कि हमें अपने ऊपर बहुत मेहनत और तेजी से काम करने की जरूरत हैं। साथ ही महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने, लोगों को जागरूक करने और पीड़ितों को मदद देने वाली सुविधाओं को मजबूत करने की जरूरत पर बड़ा कदम उठाना। साथ ही आज भी दुनियाभर में महिलाएं वेतन असमानता, लैंगिक भेदभाव, घरेलू हिंसा और कार्यस्थल पर असमान अवसरों का सामना कर रही हैं। इस थीम का मकसद है कि इन सभी समस्याओं पर जल्द से जल्द कोई तेजी से कदम उठाए जाए।

कानून को ठेंगा दिखाती दवा कंपनियां

शिशु आहार, दवाओं और जंक फूड उद्योग के लिए कंपनियों की गलत मार्केटिंग बड़ी समस्या बनती जा रही है। सरकार और नियामक संस्थाओं को इन पर लगाम लगाने में कोई रुचि नहीं है। इसलिए शिशु आहार निर्माता, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य कंपनियां नियमों का उल्लंघन करने में बिलकुल भी नहीं हिचकतीं। सबसे बडी बात तो यह है की लापरवाह अधिकारियों पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। शिशु आहार बनाने वाली एक कंपनी एबॉट न्यूट्रिशन ने हाल ही में देहरादून के एक पांच सितारा होटल में 'नेशनल पीडियाट्रिक समिट' का आयोजन कैसे कर लिया, यह जांच का विषय है। शिशु दुग्ध प्रतिस्थापन अधिनियम साफ तौर पर बेबी फूड की किसी भी कंपनी को 'स्वास्थ्य विभाग से जुडे कर्मचारी, अधिकारियों के संगोष्ठी, सम्मेलन, शैक्षिक पाठ्यक्रम, प्रतियोगिता, फ़ेलोशिप, अनुसंधान कार्य देने से रोकता है। लेकिन एबॉट न्यूट्रिशन ने कानून को धता बताते हुए उक्त सम्मेलन किया। जबकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2020 में ही एबॉट इंडिया की तरफ से देश में बाल रोग विशेषज्ञों के सबसे बड़े संघ इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के कार्यक्रमों को स्पॉन्सर करने को आईएमएस एक्ट का उल्लंघन बताया था। आईएपी ने तब यह तर्क देने की कोशिश की थी कि एबॉट न्यूट्रिशन एक अलग कंपनी है और इसलिए आईएमएस एक्ट के तहत प्रतिबंध फार्मास्युटिकल डिवीजन पर लागू नहीं होता है। यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल्स मार्केटिंग प्रैक्टिसेज फार्मा कंपनियों को डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य सेवा के पेशेवरों को 'यात्रा और आतिथ्य' प्रदान करने से रोकता है। फार्मा कंपनियों की तरफ से यूसीपीएमपी का उल्लंघन करने का एक ताजा उदाहरण यह है कि फार्मास्युटिकल्स विभाग को ऐसे दस्तावेज मिले हैं जो दर्शाते हैं कि एब्वी हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने फरवरी और मार्च 2024 में सम्मेलनों की आड़ में 24 डॉक्टरों की पेरिस और छह डॉक्टरों को मोनाको भेजने पर 1.9 करोड़ से ज्यादा खर्च किए। यूसीपीएमपी का उल्लंघन पाए जाने के बावजूद, शिकायत की जांच करने वाली फार्मास्युटिकल्स विभाग की शीर्ष समिति ने कंपनी को केवल 'अनैतिक मार्केटिंग प्रथाओं के लिए फटकार लगाई और टैक्स अफसरों से एब्वी और डॉक्टरों के खर्चों की जांच करने को कहा। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करनी थी क्योंकि इसके नियम डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों से इस तरह का आतिथ्य स्वीकार करने से रोकता है। लेकिन पता चलने के बावजूद जंक फूड का प्रचार-प्रसार बेरोकटोक जारी है। आर्थिक सर्वेक्षण ने बढ़ते मोटापे की महामारी और इसमें अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की भूमिका को चिन्हित किया है, और पीएम ने भी हाल ही में वसा, चीनी और नमक में उच्च खाद्य पदार्थों के सेवन के कारण होने वाले एनसीडीएस पर चिंता व्यक्त की है। फ़ूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट की धारा 24 खाद्य उत्पादों के किसी भी भ्रामक प्रचार को प्रतिबंधित करती है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम कहता है कि किसी भी उत्पाद या सेवा का भ्रामक विज्ञापन नहीं होना चाहिए। इसके बजाय, नियामक निकाय उन कंपनियों के साथ साझेदारी करते हैं जो इन उत्पादों को 'हितधारक' कहते हैं। जनहित की रक्षा के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनों को तोड़ने पर कोई नतीजा नहीं निकलने से ऐसे लोग बेखौफ हो कर अपना धंधा चला रहे हैं।

आखिर कैसे रुकेगा निजी अस्पतालों में मरीजों का 'शोषण'

कमलेश पांडेय

चिकित्सा पेशा या स्वास्थ्य व्यवसाय कोई सामान्य पेशा नहीं है बल्कि यह व्यक्तिगत जीवन और जनस्वास्थ्य से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है जिसमें थोड़ी-सी भी लापरवाही किसी के जीवन पर भारी पड़ सकती है। वहीं, अपना या अपने परिवार का इलाज करवाने के चक्कर में यदि कोई व्यक्ति या परिवार लुट - पिट जाए तो यह भी प्रशासनिक नजरिए से अनुचित है और ऐसे ही जरूरतमंद लोगों के पक्ष में सरकार और समाजसेवी संस्थाओं दोनों को अवश्य खड़ा होना चाहिए। यही वजह है कि जनस्वास्थ्य से जुड़े चिकित्सा पेशा या स्वास्थ्य व्यवसाय को सिर्फ कारोबारी लाभ के नजरिए से नहीं देखा जा सकता बल्कि यह एक सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्व से जुड़ा हुआ विषय (पेशा) है जिसे जनसेवा की भावना से किया जाए तो सरकार और संस्था दोनों को यश मिलेगा। भारतीय सभ्यता व संस्कृति तो शुरू से ही 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया' की पक्षधर रही है लेकिन देश में लागू नई आर्थिक नीतियों से उपजी नैतिक व कानूनी महामारी के दौर में जीवन का हर क्षेत्र प्रभावित हो रहा है।

दुर्भाग्य है कि चिकित्सा पेशा भी इससे वंचित नहीं है। चर्चा है कि महज आर्थिक लाभ के उद्देश्य से चिकित्सक महंगी जांच और अनावश्यक दवाइयां लिख रहे हैं। जानलेवा ऑपरेशन करने और अंगों के कारोबार तक से बाज नहीं आ रहे हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार और न्यायिक जटिलताओं से ऐसे बहुत कम मामले हैं जो कोर्ट की दहलीज तक पहुंच पाते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य सरकारों से यह कहना कि वे प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के 'शोषण' को रोकने के लिए उचित नीतिगत फैसला लें, देर आयद दुरुस्त आयद जैसा है। जनहित के इस सवाल पर राज्य सरकारों को तुरंत एक्शन में आना चाहिए।

दरअसल, एक जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि प्राइवेट अस्पतालों और उनकी फार्मेसी में एमआरपी से ज्यादा कीमत वसूली जा रही है। लिहाजा, कोर्ट ने इन अस्पतालों पर खुद से प्रतिबंध लगाने से इनकार किया और कहा कि ये संविधान में राज्य सूची का विषय है, इसलिए राज्य सरकारें ही इस पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार कर सकती है। वही उचित गाइडलाइंस बना सकती हैं। इसमें संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा जिससे न तो मरीजों और उनके परिजनों का शोषण हो और न ही प्राइवेट अस्पतालों के कामकाज पर बेवजह प्रतिबंध लगे।

बता दें कि यह जनहित याचिका सिद्धार्थ डालमिया (कानून के छात्र) ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि 'उनकी मां को पिछले साल कैंसर हुआ था और वह अब ठीक हो चुकी है लेकिन उनके इलाज के दौरान प्राइवेट अस्पतालों में जबरन महंगी दवाएं खरीदनी पड़ीं। लिहाजा, इनकी गुहार है कि मरीजों और परिजनों को यह आजादी मिले कि वे अपनी पसंद की फार्मेसी से दवाएं, मेडिकल इक्विपमेंट आदि खरीद सकें। हालांकि, केंद्र ने कोर्ट में कहा है कि मरीजों पर विशेष फार्मेसी से दवाएं, मेडिकल इक्विपमेंट लेने की बाध्यता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। भले ही बढ़ती आबादी के कारण सरकार को प्राइवेट अस्पतालों की मदद लेनी पड़ी लेकिन इसमें मरीजों का शोषण नहीं होना चाहिए। हालांकि, निजी हॉस्पिटल्स में जिस तरह से कैशलेस इलाज का प्रचलन बढ़ा है, इस धंधे में बड़ी-बड़ी निजी कैशलेस चिकित्सा बीमा कम्पनियां सामने आयी हैं, उन्होंने अस्पतालों के पैनल जारी किए हैं, उससे एक संगठित लूट और इसी चक्कर में मानव स्वास्थ्य, जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ बढ़ा है। निजी अस्पतालों में तो चुपके चुपके नई नई दवाइयों का परीक्षण तक मानव शरीर पर हो जाता है और किसी को भनक तक नहीं लगती। कुछ निजी अस्पताल व उनके डॉक्टर तो रक्त और मानव अंगों के अवैध कारोबार तक में शामिल हैं।

महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा कब हल होगा?

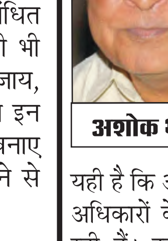

अशोक भाटिया

देश-दुनिया में महिलाओं की समानता को लेकर भले ही कितनी भी बड़ी-बड़ी बाते की जाती हों, लेकिन सच यही है कि आज भी महिलाएं अपने अधिकारों के लिए जद्दोजहद कर रही हैं। इसकी झलक सत्ता के गलियारों से लेकर खेती-किसानी तक में देखी जा सकती है।संयुक्त राष्ट्र ने अपनी नई रिपोर्ट ₹वीमेन राइट्स इन रिव्यु 30 ईयर आफ्टर बीजिंग₹ में इसपर प्रकाश डालते हुए लिखा है 2024 में दुनिया के एक चौथाई देशों में महिला अधिकारों पर संकट बढ़ा है। इसका मतलब है कि इन देशों में लैंगिक समानता में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों पर दबाव बढ़ा है।हैरानी की बात है कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में हुई प्रगति के बावजूद, महज 87 देशों का ही नेतृत्व कभी किसी महिला ने किया है। इससे ज्यादा विडम्बना क्या होगी कि हर 10 मिनट में, एक महिला या बच्ची की उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा हत्या कर दी जाती है।रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में महिलाओं और बच्चियों के अधिकार खतरे में हैं, भेदभाव बढ़ रहा है, कानूनी सुरक्षा कमजोर हो रही है और महिलाओं का समर्थन, सुरक्षा और सहायता करने वाले कार्यक्रमों और संस्थानों के लिए धन की कमी हो रही है।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से ठीक पहले, 5 मार्च 2025 को संयुक्त राष्ट्र के संगठन यूएन वीमेन ने यह रिपोर्ट जारी की। यह संगठन महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के लिए काम करता है। गौरतलब है कि हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। डिजिटल प्रौद्योगिकी और एआई जहां वरदान साबित हुए हैं, वहीं रिपोर्ट के मुताबिक यह रूढ़िवादिता को भी फैला रहे हैं। डिजिटल तकनीकों में मौजूद लैंगिक अंतर, महिलाओं के अवसरों को सीमित कर रहा है।रिपोर्ट का यह भी कहना है कि पिछले दशक में संघर्ष के बीच रहने को मजबूर महिलाओं और बच्चियों की संख्या में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है, जोकि बेहद चिंताजनक हैं। महिला अधिकारों की पैरवी करने वालों को हर दिन धमकियों और हमलों का सामना करना पड़ रहा है, यहां तक की उनकी हत्याएं तक की जा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन, कोरोना महामारी और खाद्य एवं ईंधन की बढ़ती कीमतों जैसे वैश्विक संकटों ने कार्रवाई को पहले से कहीं अधिक जरूरी बना दिया है। महिला सुरक्षा के मुद्दे का समाधान केवल कानून के माध्यम से संभव नहीं है। इसके लिए समाज के प्रत्येक सदस्य को अपनी भूमिका समझनी होगी। सबसे पहले, लड़कियों और लड़कों दोनों को समानता और सम्मान के मूल्य सिखाने की जरूरत है। यह शिक्षा न केवल परिवार में, बल्कि स्कूलों और कॉलेजों में भी दी जानी चाहिए।इसके अलावा, महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्हें यह पता होना चाहिए अगर वे किसी तरह की हिंसा का सामना करती हैं तो क्या कदम उठा सकती हैं। समाज में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है।पितृसत्तात्मक सोच को खत्म करने के लिए सांस्कृतिक और सामाजिक परिवर्तन आवश्यक हैं। इसके लिए फिल्मों, टीवी कार्यक्रमों, और अन्य माध्यमों के जरिए महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना चाहिए। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के प्रति समाज की संवेदनशीलता बढ़ाई जानी चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि महिलाएं अगर किसी अपराध की रिपोर्ट करती हैं तो उन्हें ही दोषी ठहराया जाता है। इस मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है।कानून का सख्ती से पालन और त्वरित न्याय महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया जाना चाहिए ताकि महिलाएं बिना किसी डर के अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें। कानून बनाने और उन्हें लागू करने के बीच के अंतर को खत्म करने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। महिला सुरक्षा एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसे केवल कानून, शिक्षा या समाज के किसी एक हिस्से के प्रयास से हल नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक समग्र और सामूहिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका समझनी होगी और महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता का दृष्टिकोण अपनाना होगा। तभी हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं, जहां महिलाएं वास्तव में सुरक्षित महसूस कर सकें और अपने सपनों को साकार कर सकें। महिला सुरक्षा के इस संघर्ष में समाज, सरकार, और कानून सभी का समान रूप से योगदान आवश्यक है।जब तक हम सभी मिलकर इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तब तक महिला सुरक्षा का सपना अधूरा ही रहेगा। समाज को बदलना एक जटिल और लंबी प्रक्रिया है, जिसमें कई कारकों का योगदान होता है। हालांकि, यह एक आवश्यक कदम है ताकि समाज अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील बन सके।समाज में बदलाव लाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपकरण शिक्षा है। स्कूलों और कालेज में बच्चों और युवाओं को समानता, मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण, और सामाजिक न्याय के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।शिक्षा केवल अकादमिक नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें नैतिक और सामाजिक मूल्यों का समावेश होना चाहिए। बच्चों को शुरू से ही ईमानदारी, समानता, और सहिष्णुता के मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए। हालिया एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 के अंत तक देश भर की अदालतों में यातना से संबंधित 200,000 से अधिक मामले लंबित थे, जिनमें से 2022 में से 18,500 मामले पूरे हो चुके थे। केवल 5,000 मामलों में जहां ट्रायल पूरा हुआ, जबकि आरोपियों को 12,000 से अधिक मामलों में बरी कर दिया गया। यह एक प्रतिशत से अधिक है। इन आंकड़ों और उल्लिखित वास्तविक परिस्थितियों से, देश में अत्याचार के लगातार बढ़ते मामलों के पीछे के तथ्यों को ध्यान में रखना आश्चर्यजनक नहीं है।आंकड़ों के अनुसार, 2012 से पहले एक वर्ष में दुर्व्यवहार की औसतन 25,000 घटनाएं दर्ज की गई थीं; हालांकि, उसके बाद, संख्या 30,000 से अधिक हो गई। 2013 में ही, यह संख्या 39,000 हो गई। 2012 में, महिलाओं के खिलाफ अपराधों के 2.44 लाख मामले दर्ज किए गए और 2022 में 4.45 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। यानी हर दिन 1200 से अधिक मामले सामने आए! यातना के मामलों में भी वृद्धि हुई है।

बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है, जो सही मायनों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है। हालांकि चिंता का विषय यही है कि जिस 'आधी दुनिया' के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है, उसी आधी दुनिया को जीवन के हर मोड़ पर भेदभाव या अपराधों का सामना करना पड़ता है। यदि इसे भारत के ही संदर्भ में देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब 'आधी दुनिया' से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम सिर्फ पुलिस-प्रशासन को कोसने और संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालने या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन करने की रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन होती ही रहती हैं।

देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में 'आधी दुनिया' के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए? जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवदेनशील बनाया जाए ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त संबल प्रदान करे और पीड़िताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए समय की मांग यही है कि सरकारें मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त बनाने के साथ-साथ प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें कि यदि उनके क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के आए दिन जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता के परिजन, निकट संबंधी या परिचित ही आरोपी होते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में तो यहां तक कहा जा चुका है कि करीब 97 फीसदी मामलों में महिलाएं अपनों की ही शिकार होती हैं और यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिला अपराधों के मामले में पूरी दुनिया की यही तस्वीर है। जहां देश में हर 53 मिनट में एक महिला यौन शोषण की शिकार होती है और हर 28 मिनट में अपहरण का मामला सामने आता है, वहीं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में प्रत्येक तीन में से एक महिला का कभी न कभी शारीरिक शोषण होता है। दुनिया में करीब 71 फीसदी महिलाएं शारीरिक मानसिक प्रताड़ना अथवा यौन शोषण व हिंसा की शिकार होती हैं, दक्षिण अफ्रीका में हर छह घंटे में एक महिला को उसके साथी द्वारा ही मौत के घाट उतार दिया जाता है और अमेरिका में भी इसी प्रकार कई महिलाएं हर साल अपने ही परिचितों द्वारा मार दी जाती हैं।जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है।

ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके।

मुफ्तखोरी के मस्ताने

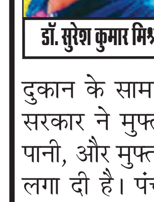

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सरकारी योजनाएँ हमारे देश में वैसे ही आती हैं, जैसे शादी में मुफ्त का खाना खाने वाले रिश्तेदार—बिना बुलाए, बिना लज्जा के और बिना किसी औचित्य के! गाँव के चौराहे पर पान की दुकान के सामने चर्चा गरम थी कि इस बार सरकार ने मुफ्त राशन, मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, और मुफ्त यात्रा जैसी योजनाओं की झड़ी लगा दी है। पंचू हलवाई, जिसने अपनी पूरी ज़िंदगी मिठाइयाँ तौलते गुज़ारी थी, अब सरकारी राशन की चक्की में पिसने को तैयार बैठा था। देखो भैया, मेहनत करने में दिक्कत तो है, लेकिन मुफ्त में खाने से पेट नहीं भरता, आत्मा भर जाती है!—कहते हुए उसने एक मुफ्त के गुड़ के लड्डू को ऐसे चबाया, जैसे सरकार की योजनाओं की मजबूती को परख रहा हो। मुन्ना टेंटवाले ने तर्क दिया—यार, सरकार जब मुफ्त चीजें दे रही है तो लेना हमारा अधिकार है! नहीं तो हमारा वोट किस काम का? बगल में बैठा रामखेलावन मुस्कुराया और बोला, हां, और जब सरकार टैक्स बढ़ाएगी तब रोने का भी हमें ही अधिकार मिलेगा! बस यही हमारे देश की सच्ची विडंबना है—जो मुफ्त की चीज़ें लेना अधिकार समझते हैं, वही टैक्स भरना गुलामी मानते हैं। इस चर्चा के बीच बबलू पानवाले ने घोषणा कर दी कि आज से मेरी दुकान पर जो भी ग्राहक सरकार की किसी योजना का लाभ ले चुका होगा, उसे गुटखा उधार नहीं मिलेगा! और यह सुनकर जितने लोग मुफ्त योजनाओं की तारीफ कर रहे थे, सब अचानक गुटखा छोड़ने की कसम खाने लगे।गाँव में एक नया नारा गूंज उठा—मुफ्त में लो, शान से जियो! और अब हाल यह था कि लोग शादी के कार्ड पर भी लिखवा रहे थे—सरकारी योजना के लाभार्थियों के लिए विशेष भोजन व्यवस्था! ठाकुर साहब के बेटे की शादी में तो यह हाल था कि बारात में से कुछ लोग दहेज की बजाय सरकारी लाभों की सूची मांग रहे थे। कितने सरकारी स्कीम तुम्हारे घर में चल रही हैं? अगर तीन से ज्यादा नहीं हैं तो रिश्ता कैंसिल! एक बुज़ुर्ग ने ठसक से कहा। इस सुनते ही लड़की के पिता ने आनन-फानन में तीन-चार योजनाओं के फॉर्म भर दिए। उधर, सरकारी दफ्तर में बाबूजी बैठे-बैठे कसमसाए जा रहे थे—अब तो शादी भी सरकारी फायदे देखकर हो रही है! रघु काका, जो कभी आत्मनिर्भरता की मिसाल माने जाते थे, अब नई योजना के फार्म भरते हुए मिलते थे। बेटा, मेहनत करने में कोई फायदा नहीं।

जितनी सरकार देती है, उसी में गुजारा कर लो। मेहनत करने से सिर्फ़ पीठ दुखती है, और मुफ्तखोरी से आत्मा तृप्त होती है!—यह उनका नया दर्शन था। जब गाँव के स्कूल के मास्टर जी ने कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता, तब सामने से आवाज़ आई—क्यों नहीं?

सरकारी योजना सबसे बड़ा विकल्प है! यह सुनकर मास्टर जी ने निराशा में अपना सिर पकड़ लिया। सरकारी अस्पताल में भी भीड़ बढ़ गई थी। लेकिन इलाज के लिए नहीं, मुफ्त की दवाइयाँ और फल लेने के लिए! नुमान प्रसाद, जो सालों से कब्ज़ के मरीज थे, केवल इस वजह से डॉक्टर के पास नहीं जाते थे कि कहीं डॉक्टर कह दे खानपान सुधारो, फल खाओ।

होलिका दहन की रात सरसों और काले तिल से करें ये उपाय

घर में होगी दौलत की बारिश

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष फागुन माह की पूर्णिमा तिथि को होलिका दहन किया जाता है। होलिका दहन इस 13 मार्च की रात्रि में होगा और होली 14 मार्च को मनाया जाएगा। होलिका दहन के दिन लोग अपने कुल देवता की भी पूजा आराधना करते हैं ।

परंपरा के अनुसार उदया तिथि चैत्र कृष्ण प्रतिपदा को रंग की होली मनाई जाती है। इस वर्ष होलिका दहन का शुभ मुहूर्त केवल 1 घंटे ही है। इस बार होलिका दहन के दिन भद्रा का साया रहेगा। इस बार भद्रा 10:44 तक रहेगा। इसके बाद होलिका दहन 10:44 के बाद रात्रि में किया जाएगा। वहीं होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि विधि-विधान से होलिका दहन की पूजा करने से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और सुख-संपत्ति का आगमन होता है।

अयोध्या के ज्योतिषी पंडित कल्कि राम बताते हैं कि 13 मार्च की रात्रि में होलिका दहन किया जाएगा। होलिका दहन में सभी नकारात्मक ऊर्जा जलकर राख हो जाती है। इसके अलावा इस दिन माता लक्ष्मी से जुड़े भी कुछ खास उपाय किए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि होलिका दहन के दिन कुछ ज्योतिषीय उपाय करने से आर्थिक समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है।

होलिका दहन के दिन सरसों और काले तिल को अपने ऊपर से घूमा कर होलिका की आग में डालना चाहिए ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है।

होलिका दहन के बाद जब इसकी राख ठंडी हो तो उसे लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखना चाहिए। ऐसा करते से धन संबंधित परेशानियां दूर होती हैं। माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

होलिका दहन के दिन घर के मुख्य द्वार के पास एक दीपक जलाना चाहिए ऐसा करने से माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

अगर आप आर्थिक तंगी से परेशान है तो होलिका दहन में नारियल को अर्पित करना चाहिए।

इसके अलावा होलिका दहन के रात पान के पत्ते का भी एक उपाय करना चाहिए। एक पान का पत्ता लेकर पान में देसी घी डालकर होलिका दहन में डालना चाहिए। ऐसा करने से भी माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

जब तक काम पूरा न हो जाए, सतर्क रहें

अभिमान से अंतिम समय पर काम बिगड़ जाते हैं

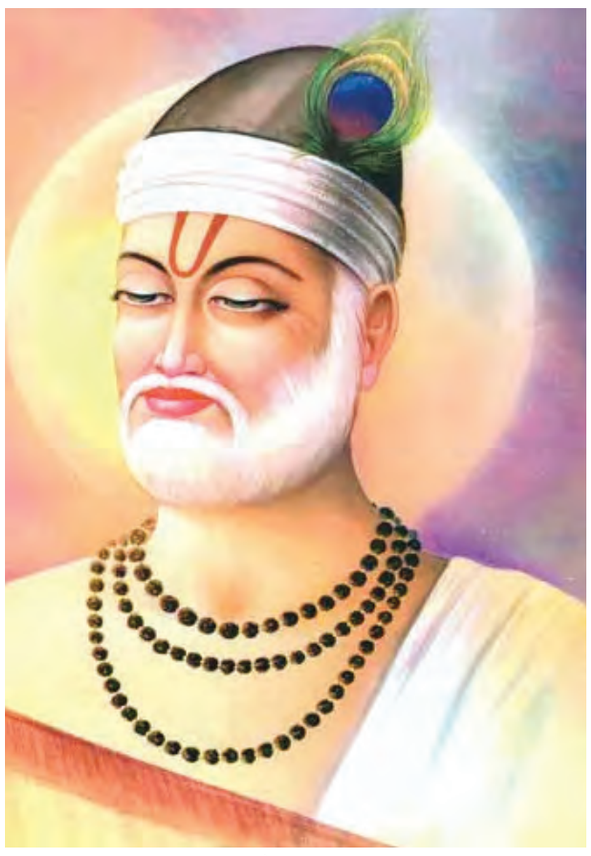

अधिकतर लोग मेहनत करते हैं, लेकिन सफलता कुछ ही लोगों को मिलती है। इसके पीछे एक बड़ा कारण है – लापरवाही और अभिमान। कई बार अंतिम पड़ाव पर की गई छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। इसलिए जब तक लक्ष्य पूर्ण न हो जाए, हर कदम पर सतर्क रहना आवश्यक है।

कबीर का दोहा और इसकी सीख

संत कबीर का एक प्रसिद्ध कहा है-

पकी खेती देखिके, गरब किया किसान।
अजहूं झोला बहुत है, घर आवै तब जान।।

इस दोहे में 'अजहूं झोला' का अर्थ है झमेला या कठिनाइयां। जब किसान अपनी पक चुकी फसल को देखकर प्रसन्न होता है, तब उसमें अभिमान आ जाता है। लेकिन जब तक फसल को बिना किसी बाधा के सुरक्षित रूप से अपने घर तक नहीं ले लाया जाता है, तब तक किसान को अपनी सफलता नहीं माननी चाहिए। यही सिद्धांत जीवन के हर क्षेत्र में लागू होता है।

सफलता के मार्ग में बाधाएं

हमारे कार्यों में कई प्रकार की बाधाएं आ सकती हैं। इनमें से दो मुख्य कारण हैं:

अभिमान – जब हमें लगता है कि हम सफलता के बहुत करीब हैं, तो कई बार हम अभिमानी हो जाते हैं। यह अहंकार हमारी सफलता में सबसे बड़ी बाधा बन सकता है।

लापरवाही – कार्य पूरा होने से पहले ही खुद को विजयी मान लेना, सावधानी छोड़ देना और प्रयासों में कमी करना असफलता का कारण बन सकता है।

अभिमान और लापरवाही से कैसे बचें?

अभिमान से बचने के लिए और सफलता को सुनिश्चित करने के लिए इन बातों को जीवन में उतारें-

निरंतर प्रार्थना करें – भगवान का आभार मानें और विनम्रता बनाए रखें। प्रार्थना करने से हमारा अहंकार दूर होता है।

सतर्कता बनाए रखें – जब तक कार्य पूरी तरह से सफल न हो जाए, तब तक सावधानी न छोड़ें।

समर्पण और विनम्रता अपनाएं – ये गुण हमें सही दिशा में बनाए रखते हैं और आत्मविश्वास को संतुलित रखते हैं।

सफलता की राह में मेहनत के साथ-साथ सतर्कता और विनम्रता भी जरूरी है। जब तक लक्ष्य पूरी तरह प्राप्त न हो जाए, तब तक हमें सावधानी बरतनी चाहिए। संत कबीर का ये दोहा हमें यही सिखाता है कि असली सफलता तब है, जब कार्य पूर्ण हो जाए।

बच्चों को जो माता-पिता नहीं सिखाते ये 3 चीजें

बच्चों को शिक्षा ना देने वाले माता-पिता शत्रु के समान

आचार्य चाणक्य नीति शास्त्र में कहते हैं कि अगर कोई माता-पिता बच्चे को उचित शिक्षा नहीं देते तो वो बच्चे के शत्रु होते हैं। अशिक्षित व्यक्ति हमेशा समाज में तिरस्कृत होता है और विद्वान लोगों के बीच उसकी कोई पूछ नहीं होती। आचार्य चाणक्य ने अनपढ़ व्यक्ति को हंसों के बीच बगुले की तरह बताया है। इसलिए हर माता-पिता को शिक्षा अपने बच्चों को अवश्य देनी चाहिए ताकि वो समाज में सकारात्मक रूप से योगदान दे सके।

सत्य और विनम्रता

माता-पिता को बचपन में ही बच्चों को सत्य और विनम्रता का पाठ पढ़ना चाहिए। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि ये वो चीजें हैं जिनका बीज बचपन में ही पड़ता है। इसलिए हर अभिभावक को सत्य और विनम्रता अपने बच्चे को अवश्य सिखानी चाहिए। अगर सत्य और विनम्रता किसी व्यक्ति में नहीं है तो वो समाज का हित नहीं बल्कि अहित करता है।

सब का सम्मान करना

माता-पिता का यह दायित्व होता है कि वो बच्चों को सब का सम्मान करना सिखाएं। जो माता-पिता अपने बच्चे को यह गुण नहीं देते वो समाज में दूसरों में कमियां निकालने का काम करता है और इससे दूसरे की नहीं बल्कि उसकी मान हानि होती है। दूसरों का सम्मान न करने वाला व्यक्ति न केवल अपना बल्कि अपने परिवार का नाम भी खराब करता है।

आलस्य न करना

आलस्य को व्यक्ति का शत्रु माना जाता है। इसलिए माता पिता को अपने बच्चे को आलस्य से दूर रखना चाहिए। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि बच्चा आलस्य से दूर रहे इसलिए माता-पिता को उसके सामने सक्रिय रहना चाहिए, क्योंकि बच्चा वही सीखता है जो देखता है।

साल में सिर्फ एक बार खुलता है माता का ये अद्भुत मंदिर

हासनांबा मंदिर साल में सिर्फ दिवाली पर खुलता है मंदिर में दीया सालभर जलता रहता है, फूल ताजे रहते हैं।

हासनांबा मंदिर 12वीं शताब्दी में होयसला राजाओं ने बनवाया था।

कर्नाटक में एक ऐसा मंदिर है जो पूरे साल में सिर्फ एक बार दिवाली के मौके पर खुलता है। हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। हासन शहर में स्थित हसनंबा मंदिर रहस्यों और आस्था से भरा एक अनोखा मंदिर है, जहां हर साल हजारों भक्त दर्शन करने आते हैं। यह मंदिर 12वीं शताब्दी में होयसला राजाओं द्वारा देवी दुर्गा की आराधना के लिए बनाया गया था। खास बात यह है कि यह मंदिर सालभर बंद रहता है और सिर्फ दिवाली पर पांच दिनों के लिए खोला जाता है।

रहस्य और श्रद्धा का मंदिर

हसनंबा मंदिर की देवी हसनंबा हैं, जिन्हें हासन के लोग बहुत मानते हैं। जब मंदिर के पट दिवाली के मौके पर खुलते हैं, तब भक्त देवी के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में आते हैं। मंदिर की अनोखी परंपरा और दिवाली के त्योहार से इसका गहरा नाता है, जिससे यह न केवल कर्नाटक बल्कि पूरे देश के लोगों के लिए आस्था का केंद्र बन गया है।

चमत्कारी सबूत: देवी की उपस्थिति का प्रमाण

हर साल जब मंदिर बंद किया जाता है तब अंदर एक खास अनुष्ठान किया जाता है। इस दौरान एक दीया जलाया जाता है, फूल चढ़ाए जाते हैं और देवी को प्रसाद (पका हुआ चावल) अर्पित किया जाता है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि एक साल बाद जब मंदिर फिर से खोला जाता है, तब वह दीया जलता हुआ मिलता है, फूल ताजे होते हैं और प्रसाद ज्यों का त्यों रखा रहता है। यह एक दिव्य चमत्कार माना जाता है, जिससे भक्तों की श्रद्धा और भी बढ़ जाती है।

दिवाली का त्योहार अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हासन के लोग इस दौरान हसनंबा मंदिर में जाकर देवी से सुख-समृद्धि, अच्छा स्वास्थ्य और आध्यात्मिक शांति का आशीर्वाद मांगते हैं। इन पांच दिनों के दौरान मंदिर में विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं।

मंदिर की पौराणिक कथा

मंदिर से जुड़ी एक प्राचीन कथा है, जिसमें सात मातृकाएं (ब्राह्मी, माहेश्वरी, कौमारी, वैष्णवी, वाराही, इंद्राणी और चामुंडी) इस स्थान की सुंदरता से प्रभावित होकर यहीं बस गई थीं। हासन शहर का नाम भी देवी हसनंबा के नाम पर पड़ा। यह मंदिर देवी की शक्ति और कृपा का प्रतीक माना जाता है।

संस्कृति और परंपरा से जुड़ा महत्व

इस मंदिर का दिवाली पर खुलना सिर्फ एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि संस्कृति और कृषि से भी जुड़ा हुआ है। यह समय किसानों के लिए फसल कटाई के बाद का मौसम होता है, जब वे देवी का आभार व्यक्त करते हैं और आने वाले साल के लिए समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। इस तरह, हसनंबा मंदिर सिर्फ पूजा का स्थान ही नहीं, बल्कि लोगों को उनकी मिट्टी, परंपराओं और ईश्वर से जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक धरोहर भी है।

वह मूर्ति जो हर साल खुद आगे बढ़ती है मंदिर से जुड़ा एक और रहस्य यह है कि यहां एक पत्थर की मूर्ति हर साल थोड़ी-थोड़ी आगे बढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि यह मूर्ति धीरे-धीरे मुख्य देवी की ओर बढ़ रही है और जिस दिन यह देवी के साथ पूरी तरह मिल जाएगी उसी दिन कलियुग समाप्त हो जाएगा। दिवाली के समय इसके खुलने की अनोखी परंपरा इसे खास बनाती है। यही कारण है कि हर साल हजारों श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं और दिवाली का त्योहार यहां एक अनोखे अंदाज में मनाया जाता है।

पीपल के पेड़ के साथ न करें ये गलती वरना लग जाएगा पितृ दोष

धन हानि, संतान दोष, विवाह संकट करेगा परेशान!

पीपल के पेड़ से होगा पितृ दोष

ज्योतिषाचार्य पंडित वीरेंद्र शुक्ला के अनुसार, जो भी व्यक्ति अपने पिछले जन्म में पीपल के पेड़ या फिर बरगद या अन्य किसी भी देव वृक्ष, पूज्यनीय पेड़ को कटवा देता है। तो उसके वर्तमान जन्म की कुंडली के 9वें भाव पर उसका दुष्प्रभाव पड़ता है। कुंडली का 9वां भाव दूषित होता है। इसकी वजह से व्यक्ति के जीवन में पितृ दोष के लक्षण दिखने लगते हैं।

पितृ दोष देगा ये समस्याएं

पितृ दोष के लक्षणों के प्रभावी होने से आपकी कुंडली का 5वां भाव यानि संतान का पक्ष भी प्रभावित होता है।

इससे संतान पक्ष को समस्याएं पैदा होने लगती हैं। आपके बच्चे की पढ़ाई ठीक से नहीं चलती है, उसके अध्ययन में समस्याएं आने लगती हैं।

बच्चे जब बड़े होते हैं तो उनके विवाह में कई प्रकार की बाधाएं आने लगती हैं।

उनके संतान या वंश वृद्धि में भी रुकावटें पैदा हो जाती हैं।

इतना ही नहीं, घर के बड़े-बुजुर्ग भी पितृ दोष के कारण परेशान रहते हैं।

पीपल के पेड़ की छाया घर पर पड़ने से आर्थिक समस्याएं आती हैं। धन का संकट रहता है और घर की बरकत रुक जाती है। परिवार की तरक्की में बाधा आती है।

पीपल का वृक्ष कब देता है अशुभ फल

ज्योतिषाचार्य शुक्ला बताते हैं कि पीपल का वृक्ष भी अशुभ फल देता है। उन्होंने बताया कि यदि पीपल का वृक्ष आपके मकान से 100 मीटर के अंदर हो और उसकी छाया आपके मकान पर पड़ती हो तो यह अशुभ फल देने लगता है। यदि पीपल का पेड़ आपके मकान के मुख्य द्वार के बीचोबीच हो, तो भी अशुभ फल का कारण बनता है। यदि पीपल का पेड़ आपकी प्रॉपर्टी के ठीक बीचोबीच हो तो भी कई प्रकार की समस्याएं देता है।

प्रॉपर्टी छोड़ना ही एक मात्र उपाय

इस स्थिति में पीपल के पेड़ के अशुभ प्रभाव से कैसे बच सकते हैं? इस पर ज्योतिषाचार्य शुक्ला का कहना है कि आप पीपल के पेड़ को कटवा देते हैं तो वह आपके लिए पितृ दोष पैदा करेगा। ऐसी स्थिति में आपको उस प्रॉपर्टी को छोड़ देना ही बेहतर होगा।

होली के पहले के 8 दिन क्यों माने जाते हैं अशुभ?

होली से पहले के 8 दिन होलाष्टक अशुभ माने जाते हैं।
शनि और मंगल की स्थिति से नकारात्मक ऊर्जा होती है।
भक्त प्रहलाद को 8 दिनों तक यातनाएं दी गई थीं।

होली के ठीक आठ दिन पहले से होलाष्टक शुरु हो जाता है। यह होलाष्टक हिंदू मान्यताओं के अनुसार बहुत ही अशुभ माना गया है, इसलिए इन आठ दिनों में कोई शुभ कार्य नहीं किये जाते है। क्योंकि इस अवधि में किये गये कार्य सिद्ध नहीं होते हैं कोई कार्य इस दौरान शुरु कर दिये जाएं तो वे पूर्ण नहीं होते और हो भी जाते हैं तो भी उनमें कई तरह की अड़चने उत्पन्न होने लगती है। इसलिए इन दिनों को कष्टकारी व बीमारी वाला समय कहा जाता है। लेकिन सबके मन में ये सवाल उत्पन्न होता है कि आखिर होली के शुभ त्योहार के तुरंत पहले के ये 8 दिन होलाष्टक के अशुभ क्यों माने जाते हैं? तो आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्य व वास्तुशास्त्र सलाहकार डॉ अरविंद पचौरी से इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

होलाष्टक को क्यों माना जाता है अशुभ? ज्योतिषशास्त्र के अनुसार जानें तो होलाष्टक के आठ दिनों को ग्रहों की स्थिति और तिथियों के कारण अशुभ माना जाता है। दरअसल, होलाष्टक के दिनों में मुख्य रुप से शनि व मंगल जैसे उग्र ग्रहों की स्थितियों व उनके परिवर्तन से कुछ नकारात्मक ऊर्जा का संचार होने की संभावनाएं होती हैं। इस कारण से ज्योतिषीय दृष्टिकोण में इन दिनों को अशुभ माना जाता है

लेकिन वहीं दूसरी तरफ होलाष्टक का संबंध राक्षसी शक्तियों से जोड़ कर देखा जाता है। मान्यता है कि होलाष्टक के आठ दिनों को असत्य और अंधकार का प्रतीक कहा जाता है और इन दिनों को राक्षसों के वर्चस्व के दिन कहा जाता है। जो कि नकारात्मकता और अशांति कौ फैलाने का कारण बन सकते हैं। इसलिए होली के आठ दिन पहले होलाष्टक से शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं और इन्हें करने की मनाही होती है। लेकिन इन दिनों को नकारात्मक शक्तियों से जोड़कर क्यों देखा जाता है इसके पीछे की पौराणिक मान्यताओं को जानते हैं।

होलाष्टक की प्रचलित कथा

पौराणिक मान्यता में प्रचलित कथानुसार, भक्त प्रहलाद भगवान श्रीहरि विष्णु की भक्ति में लीन रहता था। लेकिन उसके पिता राक्षस राज हिरण्यकश्यप को अपने पुत्र की भक्ति बिलकुल पसंद नहीं थी। इसलिए अपने बेटे प्रहलाद की भक्ति को भंग करने और उसका ध्यान अपनी ओर करने के लिए राक्षस राज हिरण्यकश्यप ने उसे लगातार 8 दिनों तक कई तरह की यातनाएं और कष्ट दिए थे।

इसलिए होलाष्टक के इन 8 दिनों को अशुभ और कष्टकारी माना जाता है और इन दिनों कोई शुभ कार्य नहीं किये जाते हैं। हालांकि होलिका दहन के दिन भक्त प्रहलाद और सत्य की जीत हुई इसलिए होली का दिन हंसी खुशी के साथ मनाया जाता है।

हिंदू नव वर्ष में इन राशियों को मिलेगा भाग्य का साथ

मिथुन राशि

बुध के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के लोगों को हिंदू नव वर्ष में बेहद सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। खासकर करियर के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को आप छू सकते हैं। बेरोजगार लोगों को इस साल मनाचाही नौकरी मिल सकती है। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों को भी अच्छे अनुभव होंगे। पारिवारिक जीवन में भी संतुलन बना रहेगा और आप घर के लोगों को पर्याप्त समय दे पाएंगे। सेहत में भी अच्छे बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कन्या राशि

आपके अटके हुए कार्य हिंदू नव वर्ष में पूरे हो सकते हैं। एकाग्रता में वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में अपनी अलग पहचान आप बना पाएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों के लिए भी समय बेहद अनुकूल रहेगा। मीडिया, आईटी, रिसर्च आदि क्षेत्रों की विद्यार्थी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। प्रेम और वैवाहिक संबंधों में अच्छे बदलाव आने से यह साल यादगार साबित होगा। आपकी ख्याति सामाजिक स्तर पर बढ़ सकती है।

धनु राशि

इस साल में धनु राशि के जातकों को थोड़ी ज्यादा मेहनत तो करनी पड़ सकती है लेकिन परिणाम आपको मेहनत से कई अधिक बढ़कर मिलेंगे। सामाजिक स्तर पर बने आपके संपर्क इस साल आपके काम आएंगे, जिससे करियर क्षेत्र को नई गति प्राप्त होगी। इस राशि के लोग अपनी योग्यता से कार्यक्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। खेलकूद के क्षेत्र में हैं तो साल उपलब्धियों से भरा हो सकता है। पैसों से जुड़ी परेशानियां दूर होंगी और तिजोरी में धन बढ़ेगा।

मकर राशि

शनि के स्वामित्व वाली मकर राशि के जातकों को इस साल व्यक्तिगत जीवन में काफी अच्छे परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। आप अपने काम को लेकर संजीदा होंगे और हर कार्य को समय पर कर पाएंगे। भाग्य का भी आपको पूरा सहयोग प्राप्त होगा जिससे बिगड़ते काम भी बनेंगे। पेशेवर जीवन में आप नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। धन-धान्य में भी इस वर्ष वृद्धि देखने को मिलेगी।

अक्षय कुमार की देशभक्ति वाली फिल्में करने से नाराज़ पत्नी ट्विंकल खन्ना बोलीं- कितनी बार देश को बचाओगे?

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने करियर में कई बड़ी और ब्लॉकबस्टर फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है। एक्शन, कॉमेडी, रोमांस के साथ-साथ उन्होंने देशभक्ति आधारित फिल्मों

में भी शानदार अभिनय किया है। बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने करियर में कई बड़ी और ब्लॉकबस्टर फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है। एक्शन, कॉमेडी, रोमांस के साथ-साथ उन्होंने देशभक्ति आधारित फिल्मों में भी शानदार अभिनय किया है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई हैं। इस साल उनकी फिल्म स्काई फोर्स भी खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन अक्षय ने अब एक और चौंकाने वाला खुलासा किया है।

अक्षय कुमार की देशभक्ति फिल्में और पत्नी ट्विंकल का रिएक्शन

अक्षय कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी फिल्मों और उनके चयन को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी देशभक्ति वाली फिल्मों ने उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना को भी चिढ़ा दिया है। अक्षय ने कहा, 'जब से मैंने अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स शुरू की है, मैंने बहुत सारी देशभक्ति पर आधारित फिल्में बनाई हैं। लेकिन मेरी पत्नी मुझसे अक्सर चिढ़ती हैं कि 'आप कितनी बार देश को बचाओगे?'

अक्षय कुमार के देशभक्ति फिल्म्स की सूची

अक्षय कुमार ने 2015 से लेकर अब तक कई देशभक्ति फिल्में की हैं, जिनमें हॉलिडे, बेबी, एयरलिफ्ट, गोल्ड, मिशन मंगल और उनकी हालिया रिलीज स्काई फोर्स शामिल हैं। इन फिल्मों में अक्षय का प्रदर्शन हमेशा ही तारीफ के काबिल रहा है, लेकिन अब उनकी पत्नी का मानना है कि वह बार-बार देशभक्ति की फिल्में करते रहते हैं।

अक्षय कुमार का करियर और आने वाली फिल्में

कुछ समय से अक्षय कुमार के करियर में गिरावट आई थी, लेकिन 2025 की शुरुआत ने उन्हें एक नई उम्मीद दी। उनकी फिल्म स्काई फोर्स ने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है और यह साल की पहली 100 करोड़ कमाने वाली फिल्म बनी है, जिससे अक्षय का सुस्त दौर खत्म हुआ है।

अब अक्षय कुमार जल्द ही पैन-इंडिया फिल्म कन्नप्पा में विष्णु मांचू और प्रभास के साथ नज़र आएंगे। इसके अलावा, उनकी आगामी फिल्मों में केसरी 2, जॉली एलएलबी 3 और हाउसफुल 5 भी शामिल हैं।

प्यार बिना शर्त के होना चाहिए.. विजय वर्मा संग ब्रेकअप रूमर्स के बीच बोलीं तमन्ना भाटिया

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इस समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। तमन्ना भाटिया लंबे समय 'लस्ट स्टोरीज़ 2' के को-एक्टर विजय वर्मा को डेट कर रही थी लेकिन अब रूमर्स फैले हुए हैं कि इस जोड़ी का ब्रेकअप हो गया है। दोनों ने अपने इंस्टा अकाउंट के एक दूसरे के साथ वाली तस्वीरें डिलीट कर दी हैं जिसके इनके अलग होने की अफवाहें फैली हुई हैं। हालांकि तमन्ना ने इसकी पुष्टि नहीं की लेकिन हाल ही में एक नए इटरव्यू में प्यार और रिश्ते को लेकर बात की।

तमन्ना ल्यूक कॉटिन्हो के यूट्यूब चैनल पर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने बताया कि 'प्यार' और 'रिलेशनशिप' दो अलग कॉन्सेप्ट हैं।तमन्ना ने कहा-'मुझे हाल ही में एहसास हुआ कि लोग कंफ्यूज हो जाते हैं कि प्यार क्या है और रिश्ता क्या है। मेरा मतलब केवल औरत और मर्द के रिश्ते में ही नहीं बल्कि दोस्तों के बीच भी ऐसा होता है जिस पल प्यार कंडीशनल हो जाता है, मुझे लगता है, उसी पल से, यह प्यार नहीं रह जाता है। प्यार का आइडिया केवल अनकंडीशनल हो सकता है। प्यार हमेशा एक तरफ़ा होता है यह आपका प्यार है। दो लोग अलग-अलग एक-दूसरे से

प्यार कर सकते हैं लेकिन ये एकतरफा काम ही है।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा-'अगर मुझे किसी से प्यार करना है तो मुझे उन्हें फ्री रहने देना होगा। मुझे लगता है कि आप उस व्यक्ति पर अपने विचार थोप कर प्यार नहीं कर सकते। वे जो हैं आप उन्हें उसी वजह से प्यार करते हैं वे क्या बनने जा रहे हैं क्योंकि लोग स्टेबल नहीं रहते हैं।'

ब्रेकअप की असल वजह

एक रिपोर्ट की मानें तो शादी पर उनके अलग-अलग विचारों के कारण यह जोड़ा अलग हो गया। 30 साल की तमन्ना भाटिय विजय के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए 'एक्साइटेड' थीं लेकिन विजय इंतजार करना चाहते थे। इसके कारण लगातार झड़पें हुईं और कुछ हफ्ते पहले वे अलग हो गए।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने लस्ट स्टोरीज़ 2 में एक साथ काम किया था। यहीं से उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया।इसकी रैप-अप पार्टी के दौरान विजय ने तमन्ना से बाहर जाने के लिए पूछा।

इस जोड़े ने जल्द ही डेटिंग शुरू कर दी और उन्हें एक साथ वेकेशन पर स्पॉट किया गया जिसके बाद इनके अफेयर के रूमर्स फैल गए। 2023 में फिल्म कंपेनियन को दिए एक इंटरव्यू के दौरान तमन्ना ने विजय संग रिलेशनशिप की अफवाहों को कंफर्म कर दिया था।

करती वही हूं जो 'अच्छा लगे': सोनम कपूर

सोनम कपूर को पिछली बार शोम मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म 'ब्लाइंड' में देखा गया था। इस क्राइम थ्रिलर में पूरब कोहली, विनय पाठक और लिलेट दुबे भी प्रमुख भूमिकाओं में थे, जो 2023 में रिलीज हुई थी । इस फिल्म से सोनम ने मातृत्व अवकाश के बाद अभिनय में वापसी की थी । ऐसी खबरें हैं कि उसने अब कुछ प्रोजैक्ट साइन किए हैं, लेकिन अभी तक सार्वजनिक रूप से कोई घोषणा नहीं की गई। नए प्रोजैक्ट चुनने के मामले में, सोनम ऐसी भूमिकाएं पसंद करती है जो न केवल उसे एक कलाकार के रूप में चुनौती देती हैं, बल्कि उसके व्यक्तिगत विकास में भी योगदान डालती हैं। कम फिल्में चुनने का कारण बताते हुए उसने कहा, मैं वही काम करना चाहती हूं जो मुझे एक इंसान के रूप में विकसित करता है। और मुझे उन लोगों के साथ काम करना भी अच्छा लगता है जिन्हें मैं पसंद करती हूं। अगर मुझे कोई पसंद नहीं है, तो मेरे लिए उनके साथ काम करना बहुत मुश्किल है। उसने आगे कहा, अपने काम को लेकर 100 प्रतिशत चयनात्मक होने का मतलब है कि मैं जो भी काम चुनती हूं, पहले उसके बारे में अच्छे से सोच-विचार करती हूं।

अपने घर से शुरू करना होगा 'बदलाव': अदा शर्मा

हाल के सालों में 'द केरल स्टोरी' और 'बस्तर : द नक्सल स्टोरी' जैसी फिल्मों और 'सनफ्लावर 2' जैसी वैब सीरीज से लोकप्रियता बटोरने वाली अदा शर्मा फिल्म जगत में महिलाओं को लेकर आ रहे बदलावों पर कहती है, " फिल्म और समाज एक-दूसरे से प्रेरित होते हैं । कई बार समाज से प्रेरित होकर फिल्में बनती हैं, तो कई बार समाज फिल्मों से प्रेरित होता है। जैसे समाज बदल रहा है, फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाएं भी बदल रही हैं । आज महिलाओं को अलग-अलग क्षेत्रों में ज्यादा और बड़ी जिम्मेदारी दी जा रही है और वही फिल्मों में भी प्रतिबिंबित हो रहा है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि नायिका प्रधान फिल्मों के दौर में मुझे काम करने का मौका मिल रहा है।

वहीं आज भी देश में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव पर वह कहती है, हीनता का अहसास मैंने अनगिनत बार महसूस किया है। किसी लड़की जल्दी जज कर लिया जाता है । उनके बारे में धारणाएं बनाई जाती हैं। इस पर

मुझे कड़ी आपत्ति है, मगर यह तभी बदलेगा, जब आप लड़कियों के प्रति इस सोच को अपने घर से बदलेंगी। आपको घर में बेटे को बताना होगा कि दोनों ही जैंडर ईक्वल हैं। इस असमानता को आपको अपने घर से समाप्त करना होगा, तभी समाज बदलेगा । "मैं अपनी मां और नानी को अपने जीवन में पावर हाऊस लेडीज की तरह देखती हूं। मैं इन लोगों को सुपरवूमन मानती हूं। ये अध्यात्म में भी रत रहती हैं, तो घर के कार्यों में भी उतनी ही निपुण हैं। मैंने अपनी मां को देखा है, जिस कुशलता के साथ वे घर संभालती हैं, मेरा मन भी पढ़ सकती हैं।

उन्होंने हमारे लिए कई कुर्बानियां दी हैं और उनका काम निरंतर चलता रहता है । जब मैं स्कूल में थी, तब भी वे मेरी पढ़ाई- लिखाई से लेकर घर के हर काम को अंजाम देतीं, आज जब मैं फिल्मों में को जब कमतर समझा जाता है, तब मुझे बहुत लगता है। लड़कियों को बहुत हूं, तो वे घर के तमाम कामों के साथ - साथ मेरे डायलॉग्ज भी सुनती हैं। मेरे इंटरव्यूज में भी वे मेरी मदद करती हैं।

अब 'समझदार' हो गई परिणीति

कहते हैं किसी भी इंडस्ट्री को समझने में कुछ वक्त लगता है।

अब परिणीति चोपड़ा ने एक ऐसी बात कही है, जिससे लगता है कि बॉलीवुड में इतने साल काम करने के बाद यह बात अब उसे समझ में आ गई है कि यहां काम कैसे काम मिलता है। दरअसल, परिणीति ने कहा है कि अगर उसे पता होता कि बॉलीवुड में किसकी पार्टी में दिखना है और किसे कॉल करनी है, तो शायद उसे असफलताएं नहीं मिलतीं। उसने कहा, मैंने अभी तक यह सब नहीं किया और शायद इसलिए मुझे असफलताएं मिलीं। मुझे बॉलीवुड के दाव पेच के बारे में नहीं पता था ।

परिणीति अब जल्द ही एक वैब सीरीज में नजर आएगी, जो नैटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस बेनाम थ्रिलर - ड्रामा वैब सीरीज की शूटिंग को लेकर परिणीति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक अपडेट शेयर किया है।

परिणीति ने सुबह शूटिंग के लिए सैट पर जाते हुए अपना खास वीडियो शेयर किया । शूटिंग लोकेशन का जिक्र किए बिना परिणीति ने कैप्शन में लिखा, "चलो शूटिंग पर डे 7 । जिससे पता चलता है कि शूटिंग शुरू हुए एक हफ्ता हो चुका है। इस सीरीज में परिणीति के अलावा सोनी राजदान, जैनिफर विंगेट, हरलीन सेठी और ताहिर राज भसीन नजर आएंगे। रेंसिल डिसिल्वा द्वारा निर्देशित और लिखित, यह सीरीज कई ट्विस्ट्स और टर्न्स से भरी होगी। परिणीति को पिछली बार निर्देशक इम्तियाज अली की बायोग्राफिकल फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में देखा गया था। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आया था। फिल्म में परिणीति और दिलजीत के काम की जमकर तारीफ हुई थी। काम की बात करें तो परिणीति ने कथित तौर पर एक और प्रोजैक्ट को साइन किया है, जो ध्रुव त्रिपाठी द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इस प्रोजैक्ट के बारे में अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

मुझे 'चुनौतियां' पसंद हैं : एलनाज नौरोजी

जब मैंने मराठी या तेलुगु गाने किए और उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मुझे बोल नहीं आते तो कोई बात नहीं, मैंने मना कर दिया क्योंकि अगर मैं कुछ कर रही हूं, तो मैं इसे ठीक से करना चाहती हूं। इसलिए, मैंने बोल ठीक से सीखे। मैंने हमेशा चुनौतियों का स्वागत किया है।

इरानी मूल की एक्ट्रैस और मॉडल एलनाज नौरोजी काफी समय से बॉलीवुड में एक्टिव है । तेहरान में पैदा हुई एलनाज परिवार के साथ 8 साल की उम्र में जर्मनी

चली गई थी। 14 साल की उम्र से उसने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। कई टी.वी. शोज में काम किया और 1 साल तक उसने थिएटर में भी काम किया है। एलनाज ने फिल्म 'संगीन' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इसके अलावा वह पंजाबी फिल्म 'खिद्दो खुंडी' और 'हॉकी' में एक्टिंग का हुनर दिखा चुकी है। हालांकि, सैफ अली खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की वैब सीरीज 'सैक्रेड गेम्स' के जरिए एलनाज को प्रसिद्धि और पहचान मिली।

एलनाज अब बॉलीवुड में लोकप्रियता बटोरने के बाद

हॉलीवुड का रुख कर रही है। उसका कहना है कि अब वह हॉलीवुड फिल्म 'होटल तेहरान' में नजर आएगी । इसमें उसे हॉलीवुड सितारों जाचरी लेवी और लियाम नीसन के साथ देखा जाएगा।

एलनाज ने कहा, "फिल्म 'होटल तेहरान ' एक पूर्व सी.आई.ए. एजैंट के बारे में है, जो तेहरान जाता है और सरकार के बारे में कुछ खोजबीन करता है। मेरे लिए जाचरी लेवी के अपोजिट काम करना एक बड़ी बात है और इस फिल्म में बचपन से मेरे फेवरेट रहे लियाम नीसन भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म काफी रोमांचक होने वाली है ।

एलनाज ने आगे कहा, इस फिल्म में काम करना मेरी जिंदगी के सर्वोत्तम हिस्सों में से एक है। डायरैक्टर, प्रोड्यूसर और जाचरी लेवी जैसे बेहतरीन लोग हैं। मुझे इसमें काम करके काफी अच्छा महसूस हो रहा है और इस बात का बहुत आश्चर्य है कि हॉलीवुड में अभी भी इतने अच्छे लोग हैं। मेरा एक्सपीरियंस बहुत बेहतरीन था । हमें शूटिंग के वक्त लग रहा था कि यह फिल्म अच्छी रहेगी, लेकिन फिल्म तो और भी ज्यादा अच्छी निकली ।

विभिन्न भाषाओं में किया है काम

विभिन्न भाषाओं और माध्यमों में काम करने के बारे में वह कहती है, "मुझे विभिन्न भाषाओं में अभिनय करना पसंद है क्योंकि मुझे भाषाओं में रुचि है और मैंने इनका अध्ययन किया है। मुझे चुनौतियां पसंद हैं। जब मैंने मराठी या तेलुगु गाने किए और उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मुझे बोल नहीं आते तो कोई बात नहीं, मैंने मना कर दिया क्योंकि अगर मैं कुछ कर रही हूं, तो मैं इसे ठीक से करना चाहती हूं। इसलिए, मैंने बोल ठीक से सीखे। मैंने हमेशा चुनौतियों का स्वागत किया है। मैंने हमेशा कहा है कि ओ.टी. टी. अगली बड़ी चीज होने जा रही है और अब बड़े सितारे भी ओ.टी. टी. पर काम कर रहे हैं।

मिला पुरस्कार

एलनाज को 2022 के विद्रोह के दौरान ईरानी महिलाओं के संघर्षों को उजागर करने के उसके अथक प्रयासों के लिए हाल ही में 'स्वामी अग्निवेश ग्लोबल चेंजमेकर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सुष्मिता सेन द्वारा प्रदान किया गया।

विद्रोह के दौरान, एलनाज ने चल रहे उत्पीड़न के खिलाफ ईरानी महिलाओं की साहसी लड़ाई पर ध्यान आकर्षित करने के लिए अपनी आवाज उठाई। विरोध प्रदर्शनों में शामिल न हो पाने के कारण उसने सोशल मीडिया और वैश्विक कार्यकर्त्ताओं के साथ सहयोग के माध्यम से विद्रोही महिलाओं की आवाज को बुलंद किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ स्वतंत्रता के लिए उनकी लड़ाई दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचे। एलनाज ने कहा, "सच्ची शक्ति चुप रहने में नहीं, बल्कि उत्पीड़न को चुनौती देने और न्याय की मांग करने लिए अपनी आवाज का उपयोग करने में है।

'अकेले' जिंदगी बिताना चाहती हैं शिल्पा शिंदे

शिल्पा शिंदे ने यूं तो छोटे पर्दे पर कई धारावाहिकों में काम किया है लेकिन 'भाभी जी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी की भूमिका से उसे घर-घर में लोकप्रियता मिली थी। इस धारावाहिक के निर्माता के साथ कई मुद्दों में असहमति के बाद उसने इस धारावाहिक को छोड़ दिया था।

उसने साऊथ की कुछ फिल्मों में भी काम किया है। 'बिग बॉस सीजन 11' की विजेता भी रह चुकी शिल्पा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि वह शादी नहीं करना चाहती और पूरी जिंदगी अकेले बिताना पसंद करेगी।

शिल्पा ने अपने मैरिज प्लान को लेकर बातचीत करते हुए कहा, मैंने अपने आप को कभी ब्लॉक नहीं किया कि मुझे अकेला ही रहना है।

मैंने यह भी नहीं सोचा कि मुझे किसी से शादी करनी ही है। अगर मुझे लगता है कि कोई सही इंसान मिला, तो मैं जरूर शादी कर लूंगी।

शिल्पा ने आगे बताया, "मैं उस तरह की लड़की नहीं हूं जो लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद भी उसे रिलेशनशिप का नाम न दे। अगर ऐसा कोई रिश्ता है तो उसे

एक नाम देना चाहिए, लेकिन मैं यह नहीं मानती कि शादी सब कुछ है । आजकल लोग शादी का मतलब ही नहीं समझते। पति-पत्नी के बीच कम्पीटिशन शुरू हो गया है।

शादी से कुछ दिन पहले ही तोड़ दी थी शादी गौरतलब है कि शिल्पा की टी.वी. एक्टर रोमित राज संग सगाई हुई थी, हालांकि कुछ समय बाद दोनों ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए। शिल्पा और रोमित राज की मुलाकात सीरियल 'मायका' (2007-2009) के दौरान हुई थी।

रोमित उम्र में शिल्पा से तीन साल छोटा था। दोनों में प्यार हुआ और फिर 2009 में दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों ने 29 नवम्बर, 2009 को गोवा में शादी करने का फैसला किया था, लेकिन शादी से दो दिन पहले ही शिल्पा ने शादी न करने का फैसला ले लिया था । राहिल आजम के साथ भी जुड़ा था नाम इससे पहले शिल्पा का नाम राहिल आजम के साथ भी जुड़ा

था। राहिल और शिल्पा ने सबसे पहले सीरियल 'भाभी' (2002-2008) में एक साथ काम किया था। इसके बाद दोनों सीरियल 'हातिम' (2003) में भी नजर आए थे। कुछ दिन साथ रहने के बाद दोनों आपसी सहमति से अलग हो गए थे।

फाइनल के लिए भारतीय टीम में होगा बदलाव? गावस्कर ने रखी राय

भारत ने अब तक अपने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अभियान में अपने सभी मैच जीते हैं। टीम ग्रुप चरण में अजेय रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंची और अंतिम चार के मुकाबले में विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी। भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि लगातार जीत के बावजूद कई स्थान हैं जहां टीम अब भी सुधार कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारत ने बीच के ओवरों में रन तो रोके हैं लेकिन ज्यादा विकेट लेने में कामयाब नहीं हो सकी है। साथ ही उन्होंने शुरुआती विकेट के लिए बड़ी साझेदारी नहीं होने की ओर भी इशारा किया। उन्होंने पहले 10 ओवरों में तेज गेंदबाजों से नई गेंद से अधिक विकेट की भी मांग की।

'इन क्षेत्रों में भारत को करना होगा बेहतर'

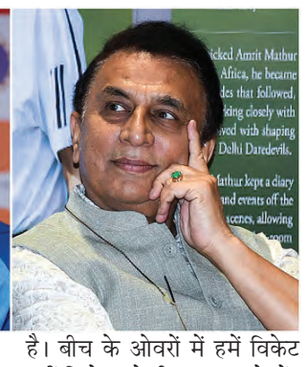

गावस्कर ने कहा, 'जब आप भारतीय सलामी बल्लेबाजों को देखो तो उन्होंने भारतीय टीम को वैसी शुरुआत नहीं दी जैसी उनसे उम्मीद की गई थी। मुझे लगता है कि इसमें एक कमी है। नई गेंद के साथ भी आप पहले 10 ओवरों में ज्यादा से ज्यादा विकेट लेना चाहेंगे। आप निश्चित रूप से दो या तीन विकेट लेना चाहते हैं। यह भी नहीं हो रहा है। बीच के ओवरों में हमें विकेट नहीं मिले, भले ही रन रुक रहे हों। इन क्षेत्रों में बेहतर होने पर फाइनल में जाने और जीतने की संभावना बेहतर होती है।'

'प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए'

गावस्कर का यह भी मानना है कि भारत को फाइनल में अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिए और चार स्पिनरों को खिलाने के फॉर्मूले पर टिके रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव दोनों के शामिल होने से भारत के आक्रमण को मजबूती मिली है और उन्हें विजयी संयोजन के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए।

गावस्कर ने कहा, 'रोहित 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं तो भारत 180-200 के आसपास होगा। कल्पना कीजिए कि अगर उन्होंने तब तक केवल कुछ विकेट गंवाए हों। जरा सोचिए कि वे क्या कर सकते हैं! वह भारत के स्कोर को 350 या उसके पार पहुंचा सकते हैं।' गावस्कर ने कहा कि रोहित को 25-30 रन बनाकर खुश नहीं होना चाहिए और उनकी टीम के लिए उनका प्रभाव कहीं अधिक होना चाहिए।

चैंपियंस ट्रॉफी में बतौर ऑलराउंडर चमके अक्षर पटेल

मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की हालिया सफलता ने बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को सुर्खियां बनने का मौका नहीं दिया। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने के सफर से लेकर उससे पहले तक अक्षर लगातार बल्ले और गेंद से टीम को उपयोगी योगदान देते आ रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण के मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की जीत के बीच में जब केन विलियम्सन खड़े थे तब अक्षर पटेल ने ही उनका विकेट लेकर फिर साबित किया कि वह भारतीय टीम के नए खेवनहार हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्षर के 10 ओवर के कोटे की यह अंतिम गेंद थी जिसने मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया था। इस पर भी लोगों का अधिक ध्यान नहीं गया, क्योंकि इस मैच में वरुण

चक्रवर्ती ने पांच विकेट लेकर सबका ध्यान खींच लिया था।

जडेजा की छाया से निकले बाहर

एक समय रवींद्र जडेजा जैसी समानता रखने के कारण अक्षर को अधिक मौके नहीं मिले। उन्हें जडेजा की छाया से बाहर आने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाने के लिए 2022 से अपनी बल्लेबाजी पर काम किया और टीम प्रबंधन ने जब उन्हें पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा तो वह अपेक्षाओं पर पूरी तरह से खरे उतरे।

बल्लेबाजी में ऊपरी क्रम में भी बैठे फिट

अनुभवी राहुल की जगह अक्षर को पांचवें नंबर पर उतारने का टीम प्रबंधन का फैसला जोखिम भरा था। अक्षर पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले गए दूसरे वनडे मैच से नियमित रूप से पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में ही 44 रन बनाकर जता दिया था कि वह इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अक्षर ने इसके बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 52, नाबाद 41, 8, नाबाद 3, 42 और 27 रन बनाए हैं। उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में यह जिम्मेदारी संभाली। इससे भारत को मध्यक्रम में दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाज का संयोजन तैयार करने में भी मदद मिली। राहुल के पहली पसंद का विकेटकीपर होने के कारण भारत के लिए यह संयोजन महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

'इनके सामने पैसे फेंको, ये कुछ भी कर देंगे...'

पाक के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का वसीम-वकार पर निशाना?

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पाकिस्तान के ग्रुप स्टेज से ही बाहर होने के बाद वहां बवाल मचा हुआ है। पड़ोसी मुल्क में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। कुछ टीम मैनेजमेंट और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सवाल खड़े रहे हैं, तो कुछ खिलाड़ियों के बीच गुट बनने को दोषी ठहरा रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने 90 के दशक के दिग्गजों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने नाम लिए बिना वसीम अकरम और वकार यूनिस जैसे महान खिलाड़ियों पर निशाना साधा है। कुछ दिन पहले लतीफ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से 1992 विश्व कप विजेता टीम को प्रबंधन से दूर रखने का आग्रह किया था। अब उन्होंने फिर से इसको लेकर बयान दिया है।

'90 के दशक के खिलाड़ियों ने नहीं बख्शा'

लतीफ ने जियो न्यूज के शो 'हारना मना है' में कहा था, 'पाकिस्तान को दूसरा विश्व कप (2009 में टी20) जीतने में 17 साल लग गए, क्योंकि 90 के दशक के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान क्रिकेट को नहीं बख्शा। 90 के दशक के खिलाड़ियों को प्रबंधन से और टीम से भी दूर रखें, तभी टीम जीतने की कोशिश करेगी। वे इतने लंबे समय से पाकिस्तान क्रिकेट की सेवा कर रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि उन्हें अब आराम करना चाहिए।' अब, लतीफ ने चैंपियंस ट्रॉफी से पाकिस्तान के जल्दी बाहर होने का दोष उन खिलाड़ियों पर डाल दिया है जिन्होंने 90 के दशक में देश का प्रतिनिधित्व किया था। मेजबान पाकिस्तान क्रमशः न्यूजीलैंड और भारत से हारने के बाद ग्रुप चरण में टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

'अपना पूरा करियर एक-दूसरे से लड़ते हुए बिताया'

लतीफ ने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों को 'दुबई के लौंडे' कहकर बुलाया। उन्होंने यह भी कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपना पूरा करियर एक-दूसरे से लड़ते हुए बिताया। लतीफ ने उन पर पाकिस्तान क्रिकेट को बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने यूट्यूब शो 'कैच बिहाइंड' पर कहा, 'ये दुबई के लड़कों ने तबाही फैला दी है। दोनों एक दूसरे के तारीफें कर के खुश हो रहे हैं। जिंदगी भर लड़ते रहे और हमें आग में फेक दिया। कमाल के लोग हैं ये। इनके आगे पैसा फेंको, ये कुछ भी करेंगे।'

हफीज ने भी 90 के दशक के खिलाड़ियों पर उठाए सवाल

इससे पहले पाकिस्तान के एक और पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने उन खिलाड़ियों की विरासत पर सवाल उठाए जो 90 के दशक और 2000 के दशक की शुरुआत में टीम के लिए खेले थे। हफीज ने अपने समय में आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में नाकाम रहने के लिए भी पूर्व क्रिकेटरों की काफी आलोचना की।

फाइनल से पहले न्यूजीलैंड को लग सकता है झटका मैट हेनरी हुए चोटिल, खेलने पर संशय बरकरार

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी कंधे की चोट के कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल से बाहर हो सकते हैं। हालांकि कोच गैरी स्टीड को उम्मीद है कि वह रविवार को फाइनल तक ठीक हो जाएंगे। हेनरी ने अब तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 10 विकेट लिए हैं। इसमें भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में पांच विकेट शामिल है।

33 साल के हेनरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर में बुधवार को सेमीफाइनल के दौरान घायल हो गए थे। स्टीड ने कहा, 'मैट के कंधे में चोट लगी है और वह असहज महसूस कर रहे हैं। उनका स्कैन कराया गया है और उम्मीद है कि वह मैच तक फिट हो जाएंगे।' स्टीड ने भी यह भी बताया कि फाइनल में कौन सा भारतीय खिलाड़ी खतरा बन सकता है।

'फाइनल में वरुण सबसे बड़ा खतरा'

स्टीड ने स्वीकार किया कि फाइनल में उनकी टीम के लिए

वरुण चक्रवर्ती सबसे बड़ा खतरा होंगे। उन्होंने कहा कि इस मिस्ट्री स्पिनर से निपटने के लिए उनकी टीम को अपनी सोच का दायरा बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा, 'वरुण ने हमारे खिलाफ पिछले मैच में पांच विकेट लिए थे। इसलिए हमें पूरी उम्मीद है कि वह खेलेंगे। वह बहुत अच्छे गेंदबाज हैं और हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें सोचना होगा कि हम कैसे उन्हें कैसे नाकाम कर सकते हैं और किस तरह से उनके खिलाफ रन बना सकते हैं।' स्टीड ने कहा कि इसके लिए उनकी टीम भारत के खिलाफ लीग चरण के मैच से कुछ सीख लेगी। उन्होंने इसके साथ ही इस बात को भी कोई खास तवज्जो नहीं दी कि भारत को दुबई की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने का फायदा मिलेगा।

भारत को फायदे पर स्टीड का बयान

उन्होंने कहा, 'कार्यक्रम तैयार करना हमारे हाथ में नहीं है, इसलिए हमें इसको लेकर बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं है। भारत ने अपने सभी मैच यहां दुबई में खेले, लेकिन हमें भी यहां एक मैच खेलने का मौका मिला और हम उस अनुभव से सीख लेना चाहेंगे। इस मुकाम पर पहुंचना बहुत रोमांचक होता है और हमारा मानना है कि यह भी एक अन्य मैच की तरह है। अगर हम रविवार को अच्छा खेल दिखाकर भारत को हराने में सफल रहते हैं तो मुझे बहुत खुशी होगी।'

न्यूजीलैंड की टीम को ग्रुप ए का अपना अंतिम मैच खेलने के लिए दुबई आना पड़ा और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल खेलने के लिए उसे वापस पाकिस्तान लौटना पड़ा था। स्टीड ने स्वीकार किया के यह कार्यक्रम काफी व्यस्त था लेकिन उनकी टीम इस तरह की परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में सक्षम है। उन्होंने कहा, 'फाइनल में खेलने के लिए अपने शरीर और दिमाग को सही स्थिति में लाने की जरूरत होती है और खिताबी मुकाबले से पहले हम इसी पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे।'

मेरे ऊपर अधिक जिम्मेदारी है : शमी

मोहम्मद शमी ने स्वीकार किया कि भारत के अकेले प्रमुख तेज गेंदबाज होने के नाते उन पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चैंपियंस ट्राफी में टीम की जरूरतों पर खरे उतर सकें। चोट से उबरकर वापसी करने वाले शमी ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चैंपियंस ट्राफी के दौरान हर्षित राणा या हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली।

राणा अभी नए हैं और पांड्या हरफनमौला है, जो आम तौर पर एकदिवसीय मैच में दस ओवर नहीं डालते। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में आठ विकेट लिए हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में चार विकेट से मिली जीत के बाद मिश्रित जोन में कहा कि मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है।

शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ गया है लेकिन वह शत फीसद से ज्यादा देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा हरफनमौला है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट लेकर मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना शत फीसद से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं। शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है। हम सभी आखिर में मजदूर हैं। शमी ने कहा कि मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर ।

उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है। इससे निश्चित तौर पर फायदा मिला है क्योंकि हम हालात और पिच को बखूबी समझते हैं । एक ही जगह सारे मैच खेलने से फायदा की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने मिला।

आस्ट्रेलिया के स्पिनर एश्टन एगर ने कहा कोहली पर दबाव नहीं बना सकते

आस्ट्रेलिया के स्पिनर एश्टन एगर ने चैंपियंस ट्राफी के सेमीफाइनल में भारतीय स्टार विराट कोहली की एक और शानदार पारी के बाद कहा कि जब यह धुरंधर बल्लेबाज लय में होता है तो गेंदबाजों के लिए बुरा सपना बन सकता है और उनके बेहतरीन स्ट्रोक्स के कारण 'उन पर दबाव बनाना लगभग असंभव है'।

कोहली ने ग्रुप चरण में पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के दौरान नाबाद शतक जड़ा था और फिर मंगलवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ 84 रन की पारी खेलकर भारत को आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया। बाएं हाथ के स्पिनर एगर ने आस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारूपों में 79 विकेट झटके हैं, उन्होंने कहा, 'बात सिर्फ इतनी है कि जब वह लय में हैं तो आप उन पर दबाव नहीं बना सकते। इसलिए उन्हें आउट करना सच में काफी मुश्किल है। जब तक गेंद सही में स्पिन नहीं कर रही होती है तब तक आपको कभी ऐसा नहीं लगता कि आप उन पर हावी हैं और आपको एक दिवसीय क्रिकेट में ऐसी बहुत सी पिचें नहीं मिलती हैं। इस आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

कोहली के जगह ढूंढकर शाट लगाने और आसानी से एक और दो रन लेने की काबिलियत की भी प्रशंसा की और कहा कि एक गेंदबाज के लिए यह वास्तव में निराशाजनक है। उन्होंने कहा,

उन्हें गेंदबाजी करने का सबसे हताशाजनक हिस्सा यही है। उसमें आपकी सर्वश्रेष्ठ गेंद को हिट करने की शानदार क्षमता है। उनके पास आपकी गेंद को मिडिल स्टंप के ऊपर भेजने की काबिलियत है, वह अन्य बल्लेबाजों की तुलना में बल्ले को थोड़ा अधिक समय तक ऊपर रखते हैं और कवर प्वाइंट में हिट करते हैं। वह ऐसा करने में शायद दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और उन पर दबाव बनाना बहुत मुश्किल है। एगर ने कहा कि भारतीय टीम ने कोहली की मदद से पारी आगे बढ़ाई और ऑस्ट्रेलिया पर जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि भारत ने विराट की बदौलत शानदार बल्लेबाजी की ।

बल्लेबाज अन्य क्रीज पर उतरे और उन्होंने रन गति को बढ़ाया और विराट को अपना काम करने दिया। अन्य बल्लेबाजों ने एकाध बाउंड्री लगाई और बस टिके रहे। मैंने एक आंकड़ा देखा कि विराट ने 2000 के बाद से सबसे अधिक एक रन बनाए हैं जो बेहतरीन है उनकी यह पारी 'मास्टरक्लास' थी और सभी बल्लेबाजों ने अच्छा योगदान दिया। कोहली की पारी में 56 रन एक एक रन से बने जबकि इसमें चार दफा उन्होंने दो दो रन जोड़े और यही चीज उनके बेहतरीन फिटनेस स्तर को दर्शाती है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षकों के होने के बावजूद शॉट लगाकर रन बनाना उनकी बल्लेबाजी की महारत का सबूत है। मांजरेकर ने कहा, अब सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षक होते हैं इसलिए यह पहले की तरह आसान नहीं है। बहुत कम बार उन्होंने गेंद सीधे क्षेत्ररक्षक के पास पहुंचाई। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि स्पिन के खिलाफ उन्हें जो समस्या थी, अब वह नहीं रही, जिसमें वह स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाते थे। क्योंकि आज यह साबित हो गया कि उनका फुटवर्क बहुत अच्छा था। वह बैकफुट पर देर से खेलते हैं, हर वक्त शाट लगाने के लिए जगह ढूंढते हैं। वह मंगलवार को दोनों टीमों में से जगह ढूंढकर शाट लगाने वाले सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज थे।

शरत कमल ने लिया संन्यास का फैसला

भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल ने बुधवार को घोषणा की कि चेन्नई में इस महीने के आखिर में डब्लूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा । विश्व टेबल टेनिस (डब्लूटीटी) कंटेंडर टूर्नामेंट 25 से 30 मार्च तक खेला जाएगा।

42 वर्ष के शरत कमल ने कहा कि मैंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला था और आखिरी भी चेन्नई में ही खेलूंगा। यह पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में सात स्वर्ण पदक जीते हैं, जबकि एशियाई खेलों में दो कांस्य अपने नाम किए। उन्होंने पिछले साल पेरिस में पांचवां और आखिरी ओलंपिक खेला था, जिसमें वह उद्घाटन समारोह में भारत के संयुक्त ध्वजवाहक थे। अपने दो दशक लंबे करिअर का अंत करने वाले

इस दिग्गज ने कहा कि मैंने राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं ।

जिसमें उन्होंने अपने करिअर के लिए आभार व्यक्त किया और नए चरण में खुद को फिर से तलाशने का वादा किया। चेन्नई के इस टेबल टेनिस खिलाड़ी ने उस समय को याद किया जब उन्होंने दो साल की उम्र में पहली बार रैकेट पकड़ा था, तब वह भी नहीं जानते थे कि यह उनका सबसे लंबे समय तक चलने वाला साथी बन जाएगा।

ओलंपिक पदक मैं नहीं जीत सका। उन्होंने कहा कि अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक लंबा संदेश पोस्ट किया, उम्मीद है कि मैं आने वाली युवा प्रतिभाओं के जरिए अपना सपना पूरा कर सकूंगा। दुनिया के 42वें नंबर के खिलाड़ी शरत अब भी आइटीटीएफ (अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ) तालिका में सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं।

शरत ने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं पूरी तरह से खेल छोड़ रहा हूं। लेकिन निश्चित रूप से यह दर्शकों की भीड़ के सामने बड़ी टेबल पर खेलने का अंत है। अपने 'बंदाना' और 'रैकेट' को थोड़ा आराम देने का समय है।

उन्होंने कहा कि इस खेल ने मुझे जो खुशी, प्यार, दर्द, सबक दिया है उसके लिए आभारी हूं। हर छोटी चीज हमेशा मेरे साथ रहेगी। शरत वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ के एथलीट आयोग के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि यह कल्पना करना कठिन है कि जब मैं टेबल टेनिस नहीं खेल रहा हूंगा तो जीवन कैसा होगा। लेकिन ऐसा होगा ही ।

फ्रांस की शिपिंग कंपनी अमेरिका में करेगी 20 अरब डॉलर का निवेश

ट्रंप का एलान- 10000 लोगों को मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक फ्रांस की सीएमए सीजीएम अमेरिका में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह निवेश शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में होगा। इससे अमेरिका में 10,000 नई नौकरियों का सृजन होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसका एलान किया। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं को बताया, यह भारी निवेश शिपिंग, लॉजिस्टिक्स , बुनियादी ढांचे और टर्मिनल विस्तार के क्षेत्र में खर्च होगा और इससे अमेरिका में अनुमानित 10,000 नए रोजगार

पैदा होंगे। ट्रंप ने कहा, आज हम सीएमए सीजीएम के चेयरमैन और सीईओ रुडोल्फ साडे के साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों में से एक है, और शायद दुनिया में दूसरे नंबर की कंपनी है। आने वाले समय में वह नंबर एक भी बन सकती है। उनके पास 160,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं। दुनिया भर में उनके पास 750 बड़े कंटेनर जहाज हैं और मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वे चुनाव के नतीजों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका पहले एक दिन में एक जहाज बनाता था, लेकिन अब हम अपना रास्ता भूल गए हैं। ट्रंप ने कहा कि दुनिया में बहुत बड़े जहाज बनाने के लिए एक बहुत बड़ा नया कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह शिपिंग क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस दौरान टिकटॉक के साथ सौदे पर भी बात की। उन्होंने कहा, हमें टिकटॉक में बहुत रुचि है। चीन को फैसला लेना है, हमें उम्मीद है कि चीन इस सौदे को मंजूरी देगा। ट्रंप ने मार्च 2025 को महिला इतिहास माह घोषित करने के लिए एक घोषणापत्र पर भी हस्ताक्षर किया है।

कमजोर मांग के चलते सोना 89 हजार रुपये के नीचे आया, चांदी ने 500 रुपये की लगाई छलांग

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे गिर गई। यह गिरावट घरेलू मांग में कमी के कारण आई है, जैसा कि ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन ने बताया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये घटकर 88,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो कि लगातार दूसरे दिन की गिरावट है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 200 रुपये घटकर 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

चांदी में 500 रुपये की तेजी देखने को मिली

व्यापारियों का कहना है कि स्थानीय ज्वैलर्स और खुदरा खरीदारों की मांग कम होने के कारण सोने के भाव में गिरावट आई है। लांकि, चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और यह लगातार चौथे दिन की वृद्धि है। पिछले चार सत्रों में चांदी की कीमत में 3,100 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

वैश्विक स्तर पर स्थिर रही सोने की कीमत

एमसीएक्स पर अप्रैल महीने की डिलीवरी के लिए सोना 50 रुपये गिरकर 85,983 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

वैश्विक स्तर पर, सोने की कीमत स्थिर रही और यह 2,929.30 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड हो रही थी, जबकि स्पॉट गोल्ड 10.14 डॉलर (0.35 प्रतिशत) बढ़कर 2,921.94 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

सपाट पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 7 अंक टूटा; निफ्टी में मामूली बढ़त

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार सपाट बंद हुआ। शुक्रवार को उतार-चढ़ाव के बीच बीएसई सेंसेक्स 7.51 अंकों की गिरावट के साथ 74,332.58 स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 7.80 मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 स्तर पर पहुंच गया।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स दो दिनों की बढ़त के बाद 7.51 अंक फिसलकर 74,332.58 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 246.34 अंक चढ़कर 74,586.43 पर पहुंच गया था। हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचसेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 7.80 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 89 अंक बढ़कर 22,633.80 के स्तर पर पहुंच गया था।

हरे निशान पर बंद हुए शेयर

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो, इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाइटन, पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और आईटीसी के शेयर चढ़कर बंद हुए।

नुकसान में रहे शेयर

दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और कोटक महिंद्रा बैंक में

नुकसान देखने को मिला।बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजार में अमेरिका के शुल्क लगाने और दूसरे देशों की जवाबी चेतावनियों के कारण अनिश्चितता बढ़ गई है। इस अस्पष्टता के कारण जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी है और इक्विटी को लेकर आकर्षण घटा है। इसके उलट भारतीय बाजारों ने व्यापार युद्ध की आशंका के बावजूद हाल में मजबूती को दिखाया है।

दुनियाभर के बाजारों का हाल

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में बृहस्पतिवार को गिरावट रही थी।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.32 प्रतिशत बढ़कर 70.38 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

अब तेजी से दौड़ेगी देश की जीडीपी

आरबीआई गवर्नर का ये प्लान देगा बूस्टर डोज

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 11 दिसंबर 2024 को पदभार संभाला था। नए गवर्नर के सामने देश की सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था का रफ्तार देना बड़ी चुनौती थी, जिसके चलते आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 7 फरवरी को ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की। जानकारों के अनुसार शुरुआती दौर में देश की इकोनॉमी को बूस्ट करने के लिए ये एक अच्छी पहल थी, लेकिन लॉग टर्म में आरबीआई और सरकार को कई बड़े कदम उठाने होंगे।

ये कदम देगा जीडीपी को बूस्ट

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नॉ बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों को लोन देने के लिए एक अलग फंड बनाया है। इसके साथ ही उन्होंने 25 फरवरी, 2025 से माइक्रोफाइनेंस ऋणों पर जोखिम भार घटाकर 100% कर दिया था। इससे पहले, इन ऋणों पर 125% का जोखिम भार लगा था। यह निर्णय, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी), स्थानीय क्षेत्र के बैंकों (एलएबी), और वाणिज्यिक बैंकों के लिए लागू है। इसका सीधा असर देश की इकोनॉमी पर पड़ेगा और इससे जीडीपी में तेजी आएगी।

31 मार्च तक कितनी रहेगी जीडीपी ग्रोथ

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के द्वारा उठाए गए इन कदमों से जीडीपी के आंकड़ों में सुधार होने की उम्मीद है, लेकिन 31 मार्च को समाप्त हो रहे फाइनेंशियल ईयर में देश की जीडीपी 6.5 पर रहने की उम्मीद है, जो पिछले 12 महीने में 9.2 से काफी कम है। साथ ही अगले फाइनेंशियल ईयर में भी जीडीपी में बहुत तेजी आने की उम्मीद नहीं है, इसके पीछे कई बड़े कारण मौजूद हैं।

किस वजह से जीडीपी की रफ्तार हुई सुस्त?

भारत की जीडीपी की रफ्तार कम होने के पीछे कई वजह हैं, जिसमें देश के शहरी उपभोक्ता की मांग कम होना है, इसके साथ ही मजदूरी स्थिर है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से नौकरियों पर खतरा बढ़ा है। इसके साथ ही सितंबर 2024 से लेकर फरवरी 2025 के बीच शेयर बाजार में 900 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है और दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वार शुरू करने जा रहे हैं। इन सभी वजहों से देश की जीडीपी सुस्त पड़ी हुई है।

3000 करोड़ का स्कैम

नोएडा, मनेसर से लेकर चंडीगढ़ तक फैला है कारोबार

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी) समूह और भूटानी समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत कार्रवाई की है. यह कार्रवाई रियल एस्टेट क्षेत्र में कथित वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के आरोपों के संदर्भ में की गई है. ईडी न दिल्ली फरीदाबाद समेत एनसीआर के 12 इलाकों में डब्ल्यूटीसी बिल्डर और प्रमोटर आशीष भल्ला और भूटानी ग्रुप और इसके प्रमोटर आशीष भूटानी पर शिकंजा कास दिया है. ऐसे में आइए जानते हैं कंपनी किस-किस चीज का बिजनेस करती है.हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी) समूह और भूटानी समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत कार्रवाई की है. यह कार्रवाई रियल एस्टेट क्षेत्र में कथित वित्तीय अनियमितताओं और धोखाधड़ी के आरोपों के संदर्भ में की गई है. ईडी न दिल्ली फरीदाबाद समेत एनसीआर के 12 इलाकों में डब्ल्यूटीसी बिल्डर और प्रमोटर आशीष भल्ला और भूटानी ग्रुप और इसके प्रमोटर

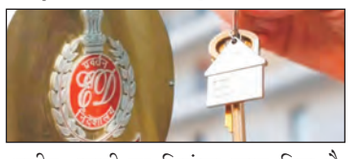

आशीष भूटानी पर शिकंजा कास दिया है. ऐसे में आइए जानते हैं कंपनी किस-किस चीज का बिजनेस करती है.

इन शहरों में फैला है कारोबार

डब्ल्यूटीसी का कारोबार सिर्फ नोएडा ही नहीं बल्कि चंडीगढ़, अहमदाबाद, अमृतसर, भोपाल, फरीदाबाद, गिफ्ट सिटी, लखनऊ, नोएडा, नोएडा सीबीडी, पटना, सूरत, वडोदरा और वाराणसी में भी कंपनी का कारोबार फैला है.

क्या है आरोप?

डब्ल्यूटीसी ग्रुप और भूटानी ग्रुप रियल एस्टेट सेक्टर में एक्टिव हैं. इन पर आरोप है कि इन्होंने निवेशकों से बड़ी रकम जुटाई, लेकिन प्रोजेक्ट्स को समय से पूरा नहीं किया जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है. निवेशकों की शिकायतों के बाद ईडी ने डब्ल्यूटीसी और भूतानि ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई की है.

रेलवे स्टेशन पर अब नहीं मिलेगी भीड़! 60 व्यस्त स्टेशनों पर खास तैयारी, टिकट कन्फर्म होने पर ही एंट्री

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। हाल ही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ ने रेलवे को अलर्ट कर दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में रेलवे स्टेशनों पर भीड़भाड़ कम करने के नए उपायों पर चर्चा हुई। त्योहारों और महाकुंभ के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए ये फैसले लिए गए हैं। देश के 60 बड़े रेलवे स्टेशनों पर हमेशा बहुत भीड़ रहती है। इन स्टेशनों के बाहर अब पक्के वेटिंग एरिया बनाए जाएंगे। यात्रियों को तभी प्लेटफार्म पर जाने दिया जाएगा जब उनकी ट्रेन आने वाली होगी। इससे स्टेशन पर धक्का-मुक्की कम होगी और आने-जाने में आसानी होगी। नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और पटना स्टेशनों पर इस योजना का ट्रायल शुरू हो चुका है। महाकुंभ में दो नए तरह के फुट ओवर ब्रिज बहुत काम आए थे। एक 12 मीटर (40 फीट) चौड़ा और दूसरा 6 मीटर (20 फीट) चौड़ा। ये एफओबी अब सभी बड़े स्टेशनों पर बनाए जाएंगे।

स्पेशल एफडी से लेकर इनकम टैक्स सेविंग तक, 31 मार्च है आखिरी तारीख

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। मार्च का महीना कई मायनों में खास है। कई बैंकों की स्पेशल एफडी की अवधि इस महीने खत्म हो रही है। वहीं इनकम टैक्स सेविंग के लिए अगर आप कुछ स्कीम में निवेश करना चाहते हैं तो इसके लिए भी 31 मार्च तक का ही समय है। अगर आप 31 मार्च की आखिरी तारीख से चूक जाते हैं तो आपको बड़ा नुकसान हो सकता है। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में हाल ही में कटौती की है। इससे एफडी की ब्याज दरों में कमी आ सकती है। ऐसे में जितनी जल्दी हो सके, एफडी की ऊंची ब्याज दरों का फायदा उठा लें। कई बैंकों की स्पेशल एफडी में निवेश करने की आखिरी तारीख 31 मार्च है। स्पेशल एफडी में सामान्य एफडी के मुकाबले थोड़ा ब्याज ज्यादा दिया जाता है। यानी निवेशकों को मुनाफा ज्यादा मिलता है। एसबीआई की अमृत वृष्टि और अमृत कलश, इंडियन बैंक की आईएनडी सुप्रीम 300 दिन और आईएनडी सुपर 400 दिन और आईडीबीआई बैंक की उत्सव कॉलएबल एफडी हैं। इन एफडी में बैंक सामान्य एफडी के मुकाबले ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। इनमें निवेश की आखिरी तारीख 31 मार्च है। अगर पुरानी व्यवस्था के अनुसार इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं और टैक्स में छूट चाहते हैं तो इसके लिए पैसा निवेश कर सकते हैं। ऐसी कई स्कीम हैं जिनमें पैसा निवेश करके इनकम टैक्स में छूट ले सकते हैं। पिछले महीने बजट में वित्त मंत्री ने नई टैक्स व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई को टैक्स फ्री किया है, लेकिन इसका फायदा अगले साल से मिलेगा। अभी आपको वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पिछले साल के नियमों के मुताबिक ही इनकम टैक्स फाइल करना होगा। ऐसी कई स्कीम हैं जिनमें निवेश करके आप इनकम टैक्स में छूट ले सकते हैं। इनकम टैक्स की धारा 80सी, 80सीसीसी, 80डी, 80डीडीबी, 80ई, 80ईईए, 80ईईबी, 80जी, 80जीजी के तहत अलग-अलग स्कीम में निवेश करके आप इनकम टैक्स की पुरानी व्यवस्था के तहत छूट का दावा कर सकते हैं।

'हितों के टकराव पर नई प्रणाली बनेगी, एफपीआई नियम होंगे आसान'

बाजार में गिरावट के बीच सेबी प्रमुख का एलान

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। पूंजी बाजार नियामक सेबी के नये चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शुक्रवार को बताया कि वह एक ऐसी प्रणाली लेकर आएंगे जिसके तहत सेबी बोर्ड के सदस्यों को हितों के टकराव के बारे में जनता को बताना होगा। 1 मार्च को सेबी के चेयरमैन का कार्यभार संभालने वाले पांडे ने अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पारदर्शिता के लिए यह कदम उठाना जरूरी है। इससे बाजार नियामक को पारिस्थितिकी तंत्र का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। सेबी प्रमुख ने इस दौरान विदेशी निवेशकों के लिए नियमों को आसान बनाने की भी बात कही है।

पिछले साल पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच पर लगे थे आरोप

पिछले वर्ष, अमेरिका स्थित शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने पांडे की पूर्ववर्ती माधबी पुरी बुच के खिलाफ व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों के आधार पर संभावित हितों के टकराव से जुड़े आरोप लगाए थे। इन आरोपों में एक ऑफशोर फंड में उनके (बुच के) निजी निवेश की जानकारी दी गई थी, जिसमें अदाणी समूह की एक सहयोगी

कंपनी, जिसकी सेबी जांच कर रही थी, सह-निवेशक थी।

इसके जवाब में सेबी ने कहा था कि बुच ने जरूरी खुलासे किए थे और आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने खुद को इससे अलग कर लिया था और अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों की विधिवत जांच की गई थी। मुझे लगता है कि हमें विभिन्न अन्य उपायों पर अधिक पारदर्शी होने की जरूरत है, उदाहरण के लिए, बोर्ड के हितों के टकराव जैसे मामलों में। नए सेबी चीफ ने कहा, हम अपनी योजना के साथ आगे आएंगे, ताकि हितों के टकराव आदि के मामलों को और अधिक पारदर्शी तरीके से जनता के सामने रखा जा सके।

नए सेबी चीफ बोले- बाजार में भरोसा और पारदर्शिता जरूरी

ग्लोबल वेल्थ समिट 2025 में बोलते हुए पांडे ने कहा, मुझे लगता है कि भरोसा और पारदर्शिता जरूरी है। हमें न केवल सभी हितधारकों का भरोसा अपने ऊपर बनाना है, बल्कि हमें उस भरोसे को बनाए भी रखना है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से जुड़ी चिंता के बीच सेबी प्रमुख ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक उनके परिचालन को नियंत्रित करने वाले नियमों को और अधिक तर्कसंगत बना रहा है।उन्होंने कहा, सेबी में हम विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के प्रति सचेत हैं। हमें एफपीआई और एआईएफ उद्योग प्रतिभागियों के साथ मिलकर उनकी कठिनाइयों का समाधान करने और परिचालन को आसान बनाने के लिए विनियमों को और अधिक युक्तिसंगत बनाने में खुशी होगी। उन्होंने कहा कि विकास की गति को बनाए रखने के लिए हमें घरेलू और विदेशी दोनों तरह की पूंजी की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दीर्घकालिक निवेश के लिए एक उज्ज्वल स्थान है। पांडे ने कहा कि देश ने पिछले कुछ वर्षों में इक्विटी, ऋण और निजी इक्विटी क्षेत्रों में वैश्विक निवेश बढ़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस तरह की दीर्घकालिक विदेशी पूंजी की उपस्थिति से भारत में बुनियादी ढांचे के विकास, नवाचार और उद्यमिता को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

महाराष्ट्र बना विदेशी निवेशकों का फेवरेट मार्केट, हर रोज खर्च किए 516 करोड़

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय शेयर बाजार फेवरेट मार्केट डेस्टिनेशन बनता जा रहा है. यही वजह है कि बाजार की गिरावट में भी विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय बाजार से नहीं टूट रहा है. बाजार में इतनी भारी गिरावट होने के बावजूद भी विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार निवेश किया जा रहा है. इससे भी खास बात तो ये है कि महाराष्ट्र को 2024-25 के सिर्फ नौ महीनों में पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्राप्त हुआ है. यानी विदेशी निवेशकों के लिए महाराष्ट्र फेवरेट डेस्टिनेशन है. फडणवीस ने अपने दावे के समर्थन में दिसंबर, 2024 के लिए केंद्र की डीपीआईआईटी विदेशी निवेश रिपोर्ट का हवाला दिया.रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के सिर्फ नौ महीनों में पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक वार्षिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को पार कर लिया है.

हर रोज खर्च हुए 516 करोड़

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीनों में कुल 1,39,434 करोड़ रुपये का एफडीआई प्राप्त हुआ है. यानी हर दिन के हिसाब ये 516 करोड़ होता है.मुख्यमंत्री ने कहा, यह पिछले 10 वर्षों में किसी एक वर्ष में महाराष्ट्र में प्राप्त सबसे अधिक विदेशी निवेश है. दिसंबर, 2024 के अंत तक डीपीआईआईटी (उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, एफडीआई

प्रवाह में महाराष्ट्र देश में शीर्ष पर है, इसके बाद कर्नाटक और गुजरात का स्थान है.फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ऐसा करके महायुति सरकार ने वित्त वर्ष 2016-17 का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है. बेशक, चालू वित्त वर्ष में अभी एक तिमाही बाकी है. पिछले वर्ष राज्य में विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं.

16 लाख करोड़ का निवेश दावोस से आया

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एफडीआई के मामले में महाराष्ट्र देश में शीर्ष पर है. दूसरे राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र कितना आगे है यह अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि दूसरे नंबर पर रहे राज्य से महाराष्ट्र को तीन गुना ज्यादा एफडीआई मिला है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह तय है कि भारत में महाराष्ट्र पहला राज्य होगा, जिसकी अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होगी.उन्होंने कहा किअभी डावोस गया था. वह छह राज्य थे.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-33 सूर्यास्त - 18-20
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	05-15 बजे
चंद्र-	मिथुन मे	मीन....	06-54 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष---	08-30 बजे
बुध-	मीन मे	वृष---	10-14 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	12-14 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	14-27 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह---	16-40 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	18-46 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	20-52 बजे
		वृश्चिक...	23-01 बजे
		धनु.....	01-15 बजे
		मकर...	03-20 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी . 08-16 तक उपरान्त दशमी
मास - फाल्गुन शुक्ल , शनिवार 08 March
नक्षत्र - आर्द्रा 23-28 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - आयुष्मान 16-24 तक उप सौभाग्य
करण- कौलव 08-16 तक उप तैतिल
विशेष:- व्रत -त्योहार - विश्व महिला दिवस

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:29 से 10:58 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:33 - 07:59	अशुभ	लाभ	18:20 - 19:54	शुभ
शुभ	07:59 - 09:29	शुभ	उत्पात	19:54 - 21:25	अशुभ
रोग	09:29 - 10:58	अशुभ	शुभ	21:25 - 22:56	शुभ
उत्पात	10:58 - 12:27	अशुभ	अमृत.	22:56 - 00:27	शुभ
चंचल.	12:27 - 13:56	शुभ	चंचल.	00:27 - 01:57	शुभ
लाभ	13:56 - 15:25	शुभ	रोग.	01:57 - 03:28	अशुभ
अमृत.	15:25 - 16:54	शुभ	काल.	03:28 - 04:59	अशुभ
काल	16:54 - 18:20	अशुभ	लाभ.	04:59 - 06:33	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है । आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त कार्यक्रम से काम कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि आप व्यवस्थित हो जाएँ ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है । आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा । आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है ।आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है । सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें । सांस से जुडी छोटी -मोटी समस्याएं हो सकती हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एसएचओ ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली, मौके पर हो गई मौत

छतरपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर शहर में बृहस्पतिवार देर शाम एक थाना प्रभारी (एसएचओ) ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। छतरपुर के पुलिस उप महानिरीक्षक ललित शाक्यवार ने संवाददाताओं को बताया कि कोतवाली पुलिस एसएचओ अरविंद कुजूर ने ओरछा रोड पुलिस थाना क्षेत्र में अपनी दाहिनी कनपटी में गोली मार ली और उनकी तुरंत मौत हो गई। वह यहां किराए के मकान में रहते थे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि एसएचओ ने यह कदम क्यों उठाया। कुजूर के परिचितों के अनुसार, वह किराए के मकान में अकेले रह रहे थे, क्योंकि उनकी पत्नी दो बच्चों के साथ छतरपुर से 165 किलोमीटर दूर सागर जिले में रहती हैं और वहां नौकरी करती हैं। बता दें कि इस तरह की यह कोई पहली घटना नहीं है। दरअसल इससे पहले पिछले साल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 36 वर्षीय कांस्टेबल ने बृहस्पतिवार को पश्चिम विहार (पश्चिम) मेट्रो स्टेशन पर अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। अधिकारियों ने बताया कि घटना सुबह करीब छह बजकर 40 मिनट पर हुई। उन्होंने बताया कि जवान सहारे किशोर सामराव का शव 'एक्स-रे बैगेज स्कैनर' के पास से बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कांस्टेबल 2014 में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में भर्ती हुआ था और 2022 में उसे सीआईएसएफ (दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन) में तैनात किया गया था।

मुंबई में धारावी पुनर्विकास परियोजना जारी रहेगा

एससी ने काम रोकने से किया इनकार

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज धारावी पुर्नविकास परियोजना के लिए चल रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। वहीं, कोर्ट ने अदाणी ग्रुप के पक्ष में बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने से भी इनकार कर दिया। सीजेआई संजीव खन्ना की बेंच ने काम पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई की, जिसमें सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया गया था। यूएई स्थित सेकलिंक टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन की अपील पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि परियोजना पर काम पहले ही शुरू हो चुका है, जिसमें कुछ रेलवे क्वार्टरों को ध्वस्त करना भी शामिल है। सेकलिंक ने महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें सेकलिंक की पिछली बोली को रद्द करने के बाद धारावी परियोजना को अडानी प्रॉपर्टीज लिमिटेड को देने का फैसला किया गया था।

बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला सही है: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि परियोजना से संबंधित सभी भुगतान एक ही एस्क्रो खाते से किए जाएं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ का नेतृत्व करते हुए मौखिक रूप से टिप्पणी की कि बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला उचित है क्योंकि रेलवे लाइन को भी विकसित किया जाएगा और परियोजना में शामिल किया जाएगा।

अदाणी की ओर से कोर्ट में क्या कहा गया?

बता दें कि बेंच ने कहा कि अदाणी ग्रुप सारे भुगतान एक ही एस्क्रो अकाउंट से करेगा। सीजेआई खन्ना ने मौखिक तौर पर कहा कि हम हाईकोर्ट के फैसले से सहमत हैं, ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह महसूस किया गया था कि यहां रेलवे लाइन भी विकसित की जाएगी और अनुबंध में शामिल की जाएगी। इस दौरान अदाणी ग्रुप की ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि काम पहले ही शुरू हो चुका है, करोड़ों की मशीनें व सामान पहले ही लगाई जा चुकी है। लगभग 2000 लोग कार्यरत हैं और इस तरह के कदम से अपूर्णीय, अपरिवर्तनीय क्षति हो सकती है। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार और अडानी प्रॉपर्टीज को नोटिस जारी किया और अगली सुनवाई 25 मई के लिए निर्धारित की है।

होली पर जुमे की नमाज का समय एक घंटे आगे बढ़ाया गया

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। रमजान, ईद और होली को देखते हुए हर जगह सख्ती बरती जा रही है। आगामी त्योहारों को देखते हुए प्रशासन भी अपने काम में लगा हुआ है। रमजान मुस्लिमों का पाक महीना है और इस बार रमजान का दूसरा जुमा 14 मार्च को है और इसी दिन होली भी है। होली और जुमा एक साथ होने के कारण रमजान के दूसरे जुमे की नमाज का समय बदल दिया गया है। इस बारे में मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने नमाज के समय में बदलाव की दी एडवाइजरी जारी कर दी है। नई एडवाइजरी में जुमे की नमाज का समय एक घंटे आगे बढ़ाया गया है। मौलाना फिरंगी महली ने कहा कि इस साल होली और जुमा एक ही दिन यानी 14 मार्च को पड़ रहे हैं।इसे ध्यान में रखते हुए और हमारे देश की गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखने के लिए इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया फिरंगी महल, लखनऊ ने एक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने सभी मुसलमानों और मस्जिद कमेटियों से अपील की है कि जुमा की नमाज जो कि दोपहर 12:30 से 1 बजे तक होती है, उसे एक घंटे बाद पढ़ा जाए ताकि होली मनाने वालों को कोई परेशानी न हो। इसके साथ ही नमाज के लिए बाहर निकलने वाले लोग रंगों से दूर रहें। संभल सीओ अनुज कुमार चौधरी के होली और जुमा (शुक्रवार) पर दिए गए बयान पर अयोध्या भूमि विवाद मामले के पूर्व मुद्दई इकबाल अंसारी ने कहा कि होली, दिवाली ऐसी परंपराएं हैं, जिनका हम बचपन से पालन करते आए हैं। हम बचपन से ही खुशी-खुशी होली खेलते आए हैं। आज मैं साधुओं के साथ होली खेलता हूं। यह अलग समय है, अयोध्या के लोग बाहर निकलकर एक साथ होली खेलते हैं।

दिल्ली के एलजी ने मेधा पाटकर की याचिका का किया विरोध

साकेत कोर्ट ने फैसला रख लिया सुरक्षित

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता और नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर द्वारा दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के खिलाफ साल 2000 में दायर मानहानि के मामले में साकेत कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अब इस मसले पर साकेत कोर्ट 18 मार्च को अपना फैसला सुनाएगी। दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना के वकील ने अदालत में याचिका का कड़ा विरोध किया। साथ ही अदालत से कहा कि इसका मकसद मुकदमे में देरी करना है। सामाजिक कार्यकर्ता और नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर और दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के बीच साल साल 2000 से मानहानि के मामले में कानूनी जंग जारी है।

इस मामले में मेधा पाटकर ने अदालत से नया गवाह पेश (नंदिता नारायण) को पेश करने के लिए साकेत कोर्ट में इजाजत मांगी थी। इस मसले पर उनकी ओर से पेश याचिका पर गुरुवार को साकेत कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मसले पर एलजी ने उनकी याचिका का अदालत में विरोध किया। नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर ने 17 फरवरी को साकेत कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी शिकायत के समर्थन में एक अतिरिक्त गवाह नंदिता नारायण से पूछताछ करने की इजाजत मांगी थी। उन्होंने अदालत से कहा कि वह मौजूदा मामले के तथ्यों से संबंधित हैं।

इस मामले में एलजी वीके सेक्सना की तरफ से पेश वकील ने मेधा पाटकर के तरफ से दाखिल याचिका का विरोध करते हुए कहा कि न्यायिक कार्यवाही में देरी करने और न्याय के उद्देश्यों को विफल करने के लिए इसे 24 साल बाद और देरी से दायर किया गया है। कोर्ट में वकील ने कहा कि 15 दिसंबर, 2000 को मेधा पाटकर द्वारा दायर किया गया मामला 2011 से शिकायतकर्ता के साक्ष्य को लेकर अदालत में लंबित था। उन्होंने दलील दी कि मेधा पाटकर ने पहले ही अपने गवाहों से पूछताछ कर ली है। उनके सभी गवाहों से जिरह की जा चुकी है।

क्या है पूरा विवाद?

मेधा पाटकर और दिल्ली एलजी वीके सक्सेना के बीच साल 2000 से कानूनी लड़ाई चल रही है। उस समय मेधा पाटकर ने अपने और नर्मदा बचाओ आंदोलन के खिलाफ विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए वीके सक्सेना के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। एलजी वीके सक्सेना उस समय अहमदाबाद में स्थित एक एनजीओ काउंसिल फॉर सिविल लिबर्टीज के प्रमुख थे। वी के सक्सेना ने साल 2001 में एक टीवी चैनल पर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने और अपमानजनक बयान जारी करने के लिए मेधा पाटकर के खिलाफ दो मामले भी दर्ज कराए थे।

फेसबुक पर दोस्ती कर जाल में फंसाया! फिर रेलवे के इंजीनियर ने शादी का झांसा देकर किया रेप

उज्जैन, 7 मार्च (एजेंसियां)। एक तरफ सोशल मीडिया पर जहां लोगों को जोड़ने का माध्यम है, वहीं दूसरी तरफ ये प्लेटफॉर्म किसी की जिंदगी के लिए काल भी बन सकता है। उज्जैन में कुछ ऐसा ही हुआ। एक युवती सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती के जाल में फंस गई, जहां शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप किया गया। पुलिस ने इस मामले में रेलवे विभाग के इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ संबंध बनाए। मामला उज्जैन के महिला थाना पुलिस ने दर्ज किया है। थाना प्रभारी लीला सोलंकी ने बताया कि आरोपी अभिषेक, जो मछामन कॉलोनी का निवासी है, उसने फेसबुक के जरिए युवती से संपर्क बढ़ाया। पहले दोनों की बातचीत हुई, फिर मोबाइल नंबर लिया गया। इसके बाद आरोपी ने शादी का वादा कर पीड़िता का शोषण किया।

'उनमें हिम्मत है तो अखिलेश यादव से रिश्ते तोड़कर बताएं '

आदित्य ठाकरे के बयान पर बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल का पलटवार

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने अबू आजमी को बीजेपी की बी टीम करार दिया और कहा कि उनके खिलाफ कार्रवाई में दो दिन क्यों लग गए? इस पर बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस बयान के बाद भी उनकी पार्टी समाजवादी के साथ गलबहियां करती है और समाजवादी पार्टी के साथ मित्रता निभाती है। ये वो लोग हैं जो संभाजी महाराज का अपमान कर रहे हैं और उसके बाद भी अभी तक अखिलेश यादव ने कोई टिप्पणी नहीं की। प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अखिलेश यादव की चुप्पी क्या अरविंद सावंत और उनकी पार्टी को समझ नहीं आता है। उनमें हिम्मत है तो अखिलेश यादव से रिश्ते तोड़कर बताएं कि औरंगजेब के साथ हैं या संभाजी माहाराज के साथ हैं। केवल बातें करने से काम नहीं चलने वाला है।

केवल बयानवीर बनने से कुछ नहीं होता- खंडेलवाल

उन्होंने आगे कहा कि आदित्य ठाकरे फिर इतनी बड़ी बातें कर रहे थे, वे सार्वजनिक रूप से घोषणा करें कि आने वाले समय में सपा के साथ या उसके नेताओं के साथ मिलीभगत नहीं करेंगे। केवल बयान देने से और बयानवीर बनने से कुछ नहीं होता। आज अबू आजमी ने संभाजी महाराज का अपमान किया फिर कोई दूसरा और तीसरा करेगा। क्या औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को पूजा जाएगा? क्रिकेटर मोहम्मद शमी के रमजान के दौरान जूस पीने को लेकर सवाल उठाया जा रहा है। इस पर प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, "शरियत जो भी कहता है और जो इस धर्म का पालन करते हैं उन्हें ज्यादा पता है। लोग रोजा किन्हीं कारणों से नहीं रख पाते है। शमी ने रखा था यह नहीं यह व्यक्तिगत मामला है इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

आप के दिखाने के दांत अलग खाने के अलग- खंडेलवाल

अरविंद केजरीवाल के विपश्यना पर जाने को लेकर प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, " विपश्यना पर गए हैं या उपासना पर गए हैं? वह बहुत सादगी से जाया जाता है जिस लावलश्कर के साथ गए हैं। वह वास्तव में वहां क्या करेंगे यह वक्त बताएगा। इनके दिखाने के दांत अलग और खाने के अलग हैं।"

अब नेताओं की काले रंग की लग्जरी गाड़ियों पर नजर नहीं आएगा हूटर

सीहोर, 7 मार्च (एजेंसियां)। सीहोर के जनप्रतिनिधियों की पहली पसंद बनी काले रंग की गाड़ियों पर अब हूटर नजर नहीं आएंगे। शासन के निर्देशों के बाद जनप्रतिनिधियों ने अपनी गाड़ियों से हूटर हटाने की शुरुआत कर दी है। सबसे पहले विधायक सुदेश राय ने अपनी लग्जरी गाड़ी से हूटर हटवाया, इसके बाद पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जसपाल सिंह अरोरा ने गाड़ी से हूटर निकलवा दिया। गौरतलब है कि शहर में करीब आधा दर्जन जनप्रतिनिधियों के पास काले रंग की गाड़ी, जिनमें वे सफर करते हैं।

विधायक सुदेश राय, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जसपाल सिंह अरोरा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, युवा नेता शशांक सक्सेना सहित कुछ अन्य जनप्रतिनिधि भी काले रंग की गाड़ी में ही चलते हैं। अब इन जनप्रतिनिधियों ने शासन के नियमों का पालन करते हुए अपनी गाड़ियों से हूटर हटाने शुरू कर दिए हैं। उप पुलिस महानिरीक्षक तुषारकांत विद्यार्थी ने आदेश जारी किए कि प्रदेश में मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों के विरुद्ध निजी वाहनों में हूटर, फ्लेश लाइट (लाल, पीली, नीली बत्ती), वीआईपी स्टीकर चस्पा करना और गलत नंबर प्लेट के मामले विगत कुछ समय से लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे वाहनों पर कार्रवाई नहीं करने से ऐसा करने वालों को प्रोत्साहन मिल रहा है। इन अनाधिकृत वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। कुछ दिन पूर्व एक जिले में वीआईपी भ्रमण के दौरान ऐसा ही एक अनाधिकृत वाहन पकड़ा गया था, जिस पर बीनएएस एवं मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे को दिया एक और झटका, मित्र संस्था से अजय अशर को हटाया

मुंबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने नीति आयोग की तर्ज पर महाराष्ट्र इंफॉर्मेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन (मित्र) संस्था की स्थापना की थी। इस संस्था के उपाध्यक्ष पद पर बिल्डर अजय अशर की नियुक्ति तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की थी। लेकिन अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा फैसला लेते हुए अजय अशर को मित्र के नियमित बोर्ड से हटा दिया है। अजय अशर ठाणे के एक प्रमुख बिल्डर हैं और किसननगर क्षेत्र में कई निर्माण परियोजनाओं से जुड़े रहे हैं। यह इलाका एकनाथ शिंदे के प्रभावशाली विधानसभा क्षेत्र में आता है। अशर पहले कांग्रेस के पूर्व नगरसेवक मनोज शिंदे के करीबी माने जाते थे। साल 2000 में एकनाथ शिंदे शिवसेना में सक्रिय हुए और दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे के समर्थन से राजनीति में आगे बढ़े। विधायक बनने के बाद एकनाथ शिंदे और अजय अशर की नजदीकी बढ़ती गई, जिससे अशर को ठाणे में पुनर्विकास परियोजनाओं में प्राथमिकता मिलने लगी। मुख्यमंत्री बनने के बाद शिंदे ने अशर को मित्र संस्था में उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया था। महायुती सरकार बनने के बाद से मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री शिंदे के बीच मतभेद की चर्चा चल रही है। फडणवीस सरकार ने अब एक और बड़ा कदम उठाते हुए अजय अशर को मित्र के बोर्ड से हटा दिया है। शिंदे के कार्यकाल में लिए गए कुछ महत्वपूर्ण फैसले भी बदले जा रहे हैं। अशर की जगह अब दिलीप वलसे पाटील, राणा जगजितसिंह पाटील और राजेश क्षीरसागर को मित्र संस्था का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की भी नियुक्ति की गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पुनर्गठन में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शामिल नहीं किया, जबकि एनसीपी नेता अजित पवार को इसमें स्थान दिया गया। जालना में 900 करोड़ रुपये की एक बड़ी परियोजना, जिसे शिंदे सरकार ने मंजूरी दी थी, को फडणवीस ने रोक दिया। इस फैसले से दोनों नेताओं के बीच दूरियां बढ़ी हैं। शिंदे गुट के मंत्रियों ने शिकायत की है कि उनके कार्यालयों में निजी सहायकों (पीए) और विशेष कार्य अधिकारियों (ओएसडी) की नियुक्तियों में जानबूझकर देरी की जा रही है, जिससे प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। रायगडके पालकमंत्री पद पर एकनाथ शिंदे ने अपना हक जताया था लेकिन रायगड की जिम्मेदारी एकनाथ शिंदे के मंत्री भरतशेठ गोगावले की जगह एनसीपी के मंत्री आदिती तटकरे को स्थान दिया गया। बाद इसपर स्टे लाया गया ।फडणवीस की बुलाई बैठकों में शिंदे हमेशा गैरमौजूद रहे और कभी कैबिनेट की बैठक से भी दूरी बनाई।

3 आरोपियों को बचाने 25 लाख की डील

साइबर ठगी से टीकमगढ़ में खड़ा किया साम्राज्य बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ चुका सरगना

भोपाल, 7 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल में ऐशबाग थाने के जिस एएसआई को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया था, उसने साइबर ठगी के 3 आरोपियों को बचाने के लिए 25 लाख की मांग की थी। एएसआई पवन रघुवंशी का कहना था कि इसमें थाना प्रभारी जितेंद्र गढ़वाल, एएसआई मनोज सिंह, हेड कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र सिंह समेत अन्य शामिल हैं। रघुवंशी के मुताबिक, मामले में मुख्य आरोपी अफजल खान के साले मुईन खान, उसके भाई वसीम खान और अफजल की पत्नी जाहिदा को आरोपी न बनाने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। इस बात का खुलासा एफआईआर में किया गया है। इसकी एक्सक्लूसिव कॉपी दैनिक भास्कर के पास है। रघुवंशी फिलहाल फरार है। ठगी के इस रैकेट से कमाए करोड़ों रुपए अफजल खान ने अपने साले मुईन के नाम से टीकमगढ़ में निवेश कर रखे हैं। इस काली कमाई से मुईन खान क्रशर प्लांट से लेकर कई कॉलोनियों का निर्माण कर चुका है। 4 साल पहले तक एक कुरियर कंपनी में काम करने वाला मुईन अब टीकमगढ़ के रसूखदार बिल्डरों में गिना जाता है। वह महंगी कारों में घूमता है। हाल ही में उसने टीकमगढ़ के मऊचुंगी इलाके में एक बड़ा बंगला बनवाया है। उसने बीजेपी के टिकट पर पार्षद का चुनाव लड़ा लेकिन हार गया। दरअसल, भोपाल के प्रभात चौराहे स्थित एक बिल्डिंग में ऑडियोलॉजी एडवांस स्टॉक प्राइवेट लिमिटेड नाम से कॉल सेंटर चल रहा था। यहां काम कर रहे 26 युवक-युवती शेयर बाजार में निवेश से संबंधित विज्ञापन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डालते थे।

पास्टर बजिंदर पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

राष्ट्रीय महिला आयोग की एंट्री, पुलिस को दिया तीन दिन का अल्टीमेटम

कपूरथला, 7 मार्च (एजेंसियां)। पास्टर बजिंदर सिंह पर छेड़छाड़ के मामले में अब राष्ट्रीय महिला आयोग(एनएसडब्ल्यू) दिल्ली की एंट्री हो गई। आयोग ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर स्वत संज्ञान लिया और पुलिस पर सख्त रवैया अपनाते हुए तीन दिन का अल्टीमेटम दिया, वहीं बीएनएस की धाराओं के तहत पास्टर की गिरफ्तारी न होने पर सवाल उठाए हैं। एनएसडब्ल्यू के पास मामला पहुंचने से पास्टर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। इससे अब पास्टर पर शिकंजा कसना पूरी तरह से तय है। एसआईटी प्रमुख एसपी-फगवाड़ा ने पास्टर की अभी तक गिरफ्तारी न होने की बात कही है। उन्होंने दावा किया कि एसआईटी फास्ट ट्रैक आधार पर इनवेस्टीगेशन कर रही है। थाना सिटी कपूरथला में दर्ज एफआईआर में कपूरथला निवासी महिला ने आरोप लगाए हैं कि प्रोफिट बजिंदर सिंह के जालंधर के गांव ताजपुर स्थित द चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विस्डम नाम से मसीही सत्संग में उसके माता-पिता ने अक्तूबर 2017 में इसकी चर्च में जाना शुरू किया था। उस समय में वह 17 साल की थी। जहां पर उसने पीड़िता का मोबाइल नंबर ले लिया और फोन पर उल्टी सीधी बातें करने लगा और मैसेज भी करने लगा। इसके ऐसे मैसेज से वह डरने लगी। वह इन हरकतों को अपने माता-पिता को बताने से भी डरने लगी थी, लेकिन उसका मोबाइल पर गलत बातें करने का सिलसिला जारी रहा।

जान से मारने की धमकी का आरोप

पीड़िता ने आरोप लगाया कि वर्ष 2022 में पास्टर बजिंदर सिंह ने उसे हर रविवार को चर्च में कैबिन में अकेले बिठाना शुरू कर दिया। जब-जब वह कैबिन में अकेली होती थी, तो यह कैबिन में आकर उसे गलत तरीके से छूता था। जिससे वह बुरी तरह से डरी हुई है। महिला ने आरोप लगाया कि पादरी ने किसी से शिकायत करने पर उसे और उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी। पास्टर की इन हरकतों से वह डिप्रेशन में चली गई और उसे पैनिक अटैक पड़ने लगा, जिसका काफी लंबा उसने इलाज करवाया। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी।

12 मार्च को पंजाब बंद की कॉल

वहीं, क्रिश्चियन भाईचारे ने इस मामले में 12 मार्च को पंजाब बंद की कॉल दे रखी है। गौर हो कि पास्टर बजिंदर सिंह के कार्यक्रमों में बॉलीवुड नामचीन एक्टर-एक्ट्रेस आते रहे हैं। एसआईटी प्रमुख एसपी-फगवाड़ा रूपिंदर कौर भट्टी ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग का नोटिस मिला है। इस मामले में पुलिस फास्ट ट्रैक आधार पर इनवेस्टीगेशन कर रही है। पीड़ित महिला से तमाम सुबूत के दस्तावेज लिए जा रहे हैं। पास्टर की गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा कि अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है। वह जल्द जांच रिपोर्ट तैयार करके उच्चाधिकारियों को सौपेंगी।

तांत्रिक के चक्कर में 5 साल के मासूम की दे दी बलि, घर में दफना दिया शव; पति-पत्नी गिरफ्तार

पणजी, 7 मार्च (एजेंसियां)। गोवा में एक मासूम की हत्या का मामला सामने आया है। हत्या के बाद बच्ची को जमीन में दफना दिया गया। बताया जा रहा है कि किसी तांत्रिक के कहने पर दंपति ने ऐसा किया है। मिली जानकारी के मुताबिक एक दंपति को अपने पड़ोस की पांच साल की बच्ची की हत्या करने और शव को अपने घर के पीछे दफनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इस घटना के बारे में जानकारी दी। फिलहाल पुलिस ने दोनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। अधिकारी के अनुसार, आरोपी बाबासाहेब अलार (52) और उसकी पत्नी पूजा (45) से पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की। इसके बाद उन्होंने पुलिस को बताया कि एक तांत्रिक ने उन्हें परेशानियां खत्म करने के लिए एक बच्चे की बलि देने की सलाह दी थी।

उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में पेश किया बजट

कृषि और टूरिज्म के लिए 1105 करोड़ का किया आवंटन?

जम्मू, 7 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुलला ने शुक्रवार को विधानसभा में साल 2025-26 का बजट पेश किया। उन्होंने बजट में कृषि के लिए 815 करोड़ रुपये और पर्यटन विकास के लिए 390 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जीएसटी को लेकर शिकायतों में इजाफा हुआ है। जम्मू-कश्मीर में स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी के प्रावधानों को अनुकूल बनाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बजट में युवा और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया है। साथ ही कहा है कि क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना जरूरी है। उमर अब्दुल्ला ने जेके विधानसभा में साल 2025-26 का बजट में कृषि के लिए 815 करोड़ रुपये और पर्यटन विकास के लिए 390 करोड़ रुपये आवंटित करने का भी ऐलान किया।

जम्मू कश्मीर बजट 2025

दिल्ली की तर्ज पर जम्मू कश्मीर में महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा।

मैरिज अस्सिटेंस स्कीम में महिलाओं को अब 50 हजार के बदले 75 हजार रुपये मिलेंगे।

लखपति दीदी स्कीम के तहत 40 हजार महिलाओं की मदद की जाएगी।

जम्मू कश्मीर सरकार लाएगी न्यू हाइड्रो पावर पॉलिसी।

जम्मू कश्मीर में अब कम आय परिवारों को मुफ्त में 200 यूनिट बिजली देने का ऐलान।

जम्मू और कश्मीर में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बनाने को लेकर बजट में 50 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया।

अब खून के रिश्तेदारों को प्रॉपर्टी गिफ्ट देने पर अब कोई शुल्क नहीं लगेगा।

जम्मू कश्मीर के अलग-अलग जिलों में हेलीपैड बनाने के लिए बजट में 10 करोड़ रुपए का प्रावधान।

पेट्रोल की कीमतों में 1 रुपये का रिबेट देने का ऐलान।

कनाडा-मेक्सिको पर फिर पलटे ट्रम्प, टैरिफ 30 दिन टाला

कनाडा में लोगों ने अमेरिकी टमाटर खाना छोड़ा, इटली से मंगा रहे

वॉशिंगटन, 7 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको पर 25% टैरिफ लगाने के फैसले को एक बार फिर से 30 दिनों के लिए टाल दिया है। ट्रम्प ने 4 मार्च को दोनों देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था।

इससे पहले भी ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको के कई सामानों पर 4 फरवरी से टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, लेकिन इसे लागू होने से एक दिन पहले उन्होंने इसे 30 दिनों के लिए टाल दिया था।

इस बीच ट्रम्प के कनाडा पर टैरिफ लगाने की धमकी और उसे 51वां राज्य बनाने वाले बयान के बाद देश में अमेरिकी सामानों का बायकॉट शुरू हो गया है। कनाडाई मीडिया के मुताबिक वहां पर लोग अमेरिकी सेब छोड़कर दूसरे देशों के सेब खाने लगे हैं। वहीं, दुकानदार पिज्जा में कैलिफोर्निया के टमाटर की जगह इटली से आए टमाटर का इस्तेमाल करने लगे हैं।

कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों में अमेरिकी सामान रखना बंद करने की बात कही है। कई कनाडाई जो कि अपनी छुट्टियां बिताने अमेरिका जाने वाले थे, उन्होंने अपनी छुट्टियां रद्द कर दी हैं। ट्रम्प की धमकी ने कनाडा में देशभक्ति की भावना को बढ़ा दिया है। 2 महीने पहले कनाडा की लिबरल पार्टी में चुनाव हारने के डर से जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ माहौल बन गया था जिसके बाद उन्होंने पद छोड़ने का ऐलान कर दिया था। अब वहीं लिबरल पार्टी चुनाव जीतने की सबसे बड़ी दावेदार बन गई है।

ट्रूडो ने मंगलवार को कहा था कि कनाडाई लोग समझदार हैं। वे स्वभाव से भले विनम्र हैं, लेकिन वे लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। खासकर ऐसे वक्त में जब देश के लोगों की भलाई दांव पर लगी हो।

हालांकि कनाडा और मेक्सिको ने ट्रम्प के टैरिफ टालने के फैसले की तारीफ की। कनाडा के वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लैंक ने कहा कि उनका देश भी अमेरिकी सामानों पर लगाए जाने वाले टैरिफ को फिलहाल टाल देगा।

4 मार्च को ट्रम्प के टैरिफ लगाने के बाद कनाडा ने भी अमेरिका के 20.5 बिलियन डॉलर के सामान पर टैरिफ लगा दिया था। इससे पहले मेक्सिको ने धमकी दी थी कि अगर अमेरिका ने अपना फैसला नहीं बदला तो वे भी रविवार से अमेरिकी सामानों पर टैरिफ लगाएंगे। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने इस फैसले के लिए ट्रम्प को धन्यवाद दिया।

इसके बाद से अमेरिकी बाजार में गिरावट शुरू हो गई थी। अमेरिकी शेयर बाजार एस एण्ड पी में गुरुवार को 1.8% की गिरावट आई। दो दिनों में इसमें 3.6% गिरावट आई। दो साल में यह सबसे खराब स्थिति है।

कार बनाने वाली कंपनियों ने ट्रम्प से गुरुवार को टैरिफ का फैसला टालने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि कार पर लगे टैरिफ से उन्हें काफी नुकसान होगा।

हालांकि ट्रम्प ने यह कहा है कि कोई भी राहत कम समय के लिए है। फैसला टालने का मकसद कार निर्माताओं और कार पार्ट्स के आपूर्तिकर्ताओं की मदद करना है। उन्होंने कहा कि वे 2 अप्रैल से कनाडाई और मेक्सिकन प्रोडक्ट्स पर टैरिफ लगाने वाले हैं।

ट्रम्प ने कहा कि उनका फैसला अमेरिकी कार निर्माताओं और किसानों की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि उनके टैरिफ लगाने के फैसले को टालने का बाजार से कोई लेना-देना नहीं है।

आतंकी तहव्वुर राणा की अर्जी फिर खारिज

अमेरिकी कोर्ट में प्रत्यर्पण रोकने की मांग की थी, कहा- पाकिस्तानी मुस्लिम हूं, भारत गया तो मारा जाऊंगा

वॉशिंगटन, 7 मार्च (एजेंसियां)। 2008 मुंबई हमलों के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को खारिज कर दी। तहव्वुर ने भारत आने से बचने के लिए याचिका दायर की थी। इसमें उसने कहा था कि पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम होने की वजह से उसे भारत में प्रताड़ित किया जाएगा।

राणा ने याचिका में कहा था कि वह कई बीमारियों से पीड़ित है, अगर उसका प्रत्यर्पण नहीं रोका गया तो वह भारत में सर्वाइव नहीं कर पाएगा। इसलिए उसके प्रत्यर्पण पर इमरजेंसी स्टे लगाया जाए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की जज एलेना कगान ने यह दलील नहीं मानी और याचिका खारिज कर दी।

तहव्वुर राणा को 2009 में एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को अमेरिका में लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन करने के लिए दोषी ठहराया गया था। फिलहाल वह लॉस एंजिल्स के एक हिरासत केंद्र में बंद हैं।

13 नवंबर 2024 को राणा ने निचली अदालत के प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसे 21 जनवरी को खारिज कर दिया गया था। इससे पहले उसने सैन फ्रांसिस्को की एक अदालत में अपील की थी, जो खारिज कर दी गई थी। कोर्ट ने फैसले में कहा था कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे भारत भेजा जा सकता है।

मुंबई हमले की 405 पन्नों की चार्जशीट में राणा का नाम भी आरोपी के तौर पर दर्ज है। इसके मुताबिक राणा ISI और लश्कर-ए-तैयबा का मेंबर है। चार्जशीट के मुताबिक राणा हमले के मास्टरमाइंड मुख्य आरोपी डेविड कोलमैन हेडली की मदद कर रहा था।

64 साल का तहव्वुर हुसैन राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। उस पर पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली की मदद करने का आरोप है। हेडली 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है।

तहव्वुर हुसैन पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करता था। इसके बाद वह 1997 में कनाडा चला गया और वहां इमिग्रेशन सर्विसेस देने वाले बिजनेसमैन के तौर पर काम शुरू किया। यहां से वह अमेरिका पहुंचा और शिकागो सहित कई लोकेशंस पर फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से कंसल्टेंसी फर्म खोली। अमेरिकी कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, राणा कई बार कनाडा, पाकिस्तान, जर्मनी और इंग्लैंड भी गया था। वह लगभग 7 भाषाएं बोल सकता है। पिछले साल कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकारी वकीलों ने तर्क दिया था कि तहव्वुर इस हमले के मास्टरमाइंड डेविड हेडली का बचपन का दोस्त है और उसे पता था कि हेडली लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर काम कर रहा है। हेडली की मदद करके और उसे आर्थिक मदद पहुंचाकर तहव्वुर आतंकी संस्था और उसके साथ आतंकियों को भी सपोर्ट कर रहा था। राणा को जानकारी थी कि हेडली किससे मिल रहा है, क्या बात कर रहा है। उसे हमले की प्लानिंग और कुछ टारगेट्स के नाम भी पता थे। अमेरिकी सरकार ने कहा है कि राणा इस पूरी साजिश का हिस्सा था और इस बात की पूरी आशंका है कि उसने आतंकी हमले को फंडिंग करने का अपराध किया है।

पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा 26/11 हमले का प्रमुख मास्टरमाइंड है

राणा ने ही हेडली को मुंबई में फर्स्ट वर्ल्ड नाम से एक ऑफिस खोलने में मदद की। यह ऑफिस उसने अपनी आतंकी गतिविधियों को छुपाने के लिए खोला था। हेडली ने इमिग्रेशन कंसल्टेंसी के जरिए भारत घूमना और उन लोकेशन को ढूंढना शुरू किया, जहां लश्कर-ए-तैयबा आतंकी हमला कर सकता था।

प्लेन में महिला पैसेंजर ने कपड़े उतारे, हंगामा किया

25 मिनट तक प्लेन के अंदर चीखती-चिल्लाती रही, फ्लाइट अटेंडेंट से अभद्रता की

ह्यूस्टन, 7 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में एक फ्लाइट में महिला पैसेंजर ने अपने सारे कपड़े उतार कर हंगामा किया। महिला बिना कपड़ों के 25 मिनट तक पूरे प्लेन में घूमती रही। इस दौरान वह लोगों पर चीखती-चिल्लाती रही। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें दिख रहा है कि महिला पैसेंजर्स के सामने अपने कपड़े उतार रही है और चीख रही है। इसके बाद वह कॉकपिट की तरफ जाती है और उसके दरवाजे को पीटती है।

इस दौरान जो फ्लाइट असिस्टेंट उसे रोकने की कोशिश करते हैं, वो उनके साथ भी अभद्रता करती है। ये वाकया साउथवेस्ट एयरलाइन्स की टेक्सास के ह्यूस्टन से एरिजोना के फीनिक्स जाने वाली फ्लाइट में हुआ। फ्लाइट टेक-ऑफ करने ही वाली थी कि हंगामे के चलते प्लेन को वापस ह्यूस्टन एयरपोर्ट गेट की तरफ ले जाया गया। प्लेन की अन्य महिला पैसेंजर ने कहा कि यह घटना बहुत ही चौंकाने वाली थी। उस महिला ने अचानक ही चीखना शुरू कर दिया।

साफ नजर आ रहा था कि उसे मेंटल ब्रेकडाउन हो रहा है। एक पैसेंजर ने बताया कि एक कर्मचारी ने एयरपोर्ट के गेट पर पहुंचने के बाद महिला के ऊपर कंबल डाल दिया, लेकिन उसने उसे हटा दिया। एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, महिला को कस्टडी में लेकर न्यूरोसाइकिएट्रिक सेंटर ले जाया गया। अथॉरिटी ने बताया कि महिला के ऊपर केस दर्ज नहीं किया गया है।

इजराइल ने वेस्ट बैंक से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ाया

एक महीने से फिलिस्तीनियों ने बंधक बना रखा था, पासपोर्ट भी जब्त कर लिए थे

तेल अवीव, 7 मार्च (एजेंसियां)। इजराइली अधिकारियों ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों की कैद से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ा लिया। सभी को इजराइल लाया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलिस्तीनियों ने इन भारतीयों को मजदूरी के काम का झांसा देकर इजराइल से वेस्ट बैंक के अल-जायम गांव में बुलाया था।

इसके बाद उन्हें बंधक बनाकर सभी के पासपोर्ट जब्त कर लिए थे। फिलिस्तीनी इन पासपोर्ट का इस्तेमाल कर अवैध रूप से इजराइल में घुसने की कोशिश कर कर रहे थे। इजराइली अधिकारियों ने 6 मार्च की रात वेस्ट बैंक में एक ऑपरेशन चलाकर इन सभी बंधकों को छुड़ाया। इजराइल में भारत के दूतावास ने इसकी जानकारी दी है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। भारतीय दूतावास इजराइली अधिकारियों के संपर्क में हैं।

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, पिछले साल से अब तक करीब 16 हजार भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे हैं। मई 2023 में इजराइल और भारत के बीच एक श्रम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते के तहत 42,000 भारतीय मजदूरों को इजराइल में रोजगार दिया जाना था। दिसंबर 2023 में, जंग पर चर्चा के दौरान, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारतीय मजदूरों को इजराइल भेजने की प्रक्रिया को तेज करने पर सहमति जताई। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक इजराइल में श्रमिक लोहे की बाइंडिंग, फ्लोर-टाइल्स सेटिंग, प्लास्टरिंग और कारपेंटर जैसे काम करते हैं। इन्हें भारत के मुकाबले 5 गुना ज्यादा सैलरी मिलती है।

इजराइल सरकार की एजेंसी जनसंख्या और आव्रजन प्राधिकरण ने भारत से जाने वाले वर्कर्स के लिए सैलरी स्ट्रक्चर जारी किया था।

इसके मुताबिक, उन्हें हर महीने 1.37 लाख रुपए सैलरी दी जाएगी। भारत से उन्हीं कामगारों को इजराइल भेजा जाएगा, जिनके पास मैकेनिकल या फिर कंस्ट्रक्शन ट्रेड में डिप्लोमा है।

लगातार दूसरी बार मस्क का स्टारशिप टेस्ट फेल

आठवें टेस्ट में बूस्टर लॉन्चपैड पर वापस आया, लेकिन शिप आसमान में ब्लास्ट

टेक्सास, 7 मार्च (एजेंसियां)। इलॉन मस्क के रॉकेट स्टारशिप का लगातार दूसरा टेस्ट फेल हो गया। आठवें टेस्ट में स्टारशिप को भारतीय समयानुसार 7 मार्च को सुबह 5:00 बजे बोका चिका से लॉन्च किया गया। लॉन्चिंग के 7 मिनट बाद बूस्टर (निचला हिस्सा) अलग होकर वापस लॉन्च पैड पर आ गया। लेकिन 8 मिनट बाद शिप (ऊपरी हिस्सा) के छह इंजनों में से 4 ने काम करना बंद कर दिया जिससे शिप ने कंट्रोल खो दिया।

इसके बाद ऑटोमेटेड अबॉर्ट सिस्टम ने शिप को ब्लास्ट कर दिया। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में फ्लोरिडा तट के पास मौजूद लोगों ने बताया कि स्पेसक्राफ्ट आसमान में फूट गया है। गिरते मलबे की वजह से मियामी, ऑरलैंडो, पाम बीच और फोर्ट लॉडरडेल के हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित हुईं।

चीन-भारत मिलकर आगे बढ़ें, नई दिल्ली संग रिश्ते पर चीनी विदेश मंत्री का बड़ा बयान

जयशंकर के कमेंट से नरम पड़े तेवर

बीजिंग, 7 मार्च (एजेंसियां)। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि बीजिंग और नई दिल्ली के रिश्ते पिछले एक साल में सकारात्मक दिशा में बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को साझा सफलता हासिल करने के लिए मिलकर काम करने पर ध्यान देने की जरूरत है। वांग ने शुक्रवार को नई दिल्ली से रिश्ते के सवाल पर कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए, ना कि एक-दूसरे को कमजोर करने की कोशिश करनी चाहिए। वांग यी की टिप्पणी भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के भारत-चीन संबंधों पर बयान के बाद आई है। भारतीय विदेश मंत्री ने हाल ही में कहा कि भारत चीन के साथ स्थिर संबंध चाहता है। इसके बाद अब चीनी मंत्री ने मिलकर काम करने की बात कही है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, वांग ने इस बात पर भी जोर दिया कि चीन और भारत को ग्लोबल साउथ के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आना चाहिए और दोनों देशों के बीच सीमा विवाद ही उनके द्विपक्षीय संबंधों को निर्धारित करने वाला एकमात्र कारक नहीं होना चाहिए। वांग ने कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ सावधानी बरतने के बजाय मिलकर सहयोग करना चाहिए। ब्रिटेन दौरे पर गए जयशंकर ने लंदन के चैथम हाउस में एक पैनल चर्चा में चीन से रिश्ते पर बोलते हुए कहा कि एक स्थिर संतुलन बनाया जाने की जरूरत है। हम एक स्थिर रिश्ता चाहते हैं।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत चीन के साथ स्थिर संबंध चाहता है, जिसमें नई दिल्ली के हितों का सम्मान किया जाए। यही हमारे रिश्ते में मुख्य चुनौती है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले 40 वर्षों में यह स्थापित हो गया है कि सीमाओं पर शांति और स्थिरता दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करेगी। अगर सीमा अस्थिर है तो यह अनिवार्य रूप से हमारे रिश्ते की वृद्धि और दिशा को प्रभावित करेगी।

जयशंकर ने कहा कि दोनों देश यह देखने के लिए कदमों पर चर्चा कर रहे हैं कि कैसे दोनों देशों के बीच संबंध अधिक अनुमानित, स्थिर और सकारात्मक दिशा में जा सकते हैं।

चीनी और भारतीय दोनों विदेश मंत्री ने ये माना है कि दोनों देशों में बेहतर रिश्ते होना जरूरी है।

जापान पर हमले की फिराक में चीन

बनाए एयर डिफेंस को भेदने वाले मिसाइल बेस, टेंशन में अमेरिका

टोक्यो, 7 मार्च (एजेंसियां)। एक जापानी थिंक टैंक ने चेतावनी दी है कि चीन ने जापान की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भेदने की क्षमता हासिल कर ली है। एक जापानी थिंक टैंक ने सैटेलाइट इमेजरी का हवाला देते हुए चेतावनी दी है कि चीन ने जापान पर हमला करने में सक्षम मिसाइलों की संख्या में काफी वृद्धि की है। जापान उत्तर-पूर्व एशिया में अमेरिका का प्रमुख सहयोगी है। ऐसे में इस सैन्य तैयारी का उद्देश्य हमले के वक्त इलाके में अमेरिका की पलटवार करने की क्षमता को पंगु बनाना है। जापान में अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े का मुख्यालय भी है, जो एशिया में अमेरिकी प्रभुत्व को स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाता है।

जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अमेरिकी सेनाओं की मेदबानी की है। यह देश पश्चिमी प्रशांत महासागर में पहली द्वीप श्रृंखला के रूप में जानी जाने वाली नाकाबंदी का हिस्सा है। वाशिंगटन की रक्षा अवधारणा अमेरिकी विरोधियों द्वारा सैन्य गतिविधियों को बाधित करने के लिए सहयोगी और मैत्रीपूर्ण क्षेत्रों का लाभ उठाने का प्रयास करती है। पेंटागन की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, चीनी सेना के पास अपने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (एमआरबीएम) बल के लिए 300 लांचर और 1,300 मिसाइलें हैं। ये मिसाइलें पहली द्वीप श्रृंखला को कवर करती हैं और इनकी रेंज 1,000 से 3,000 किलोमीटर (621 से 1,864 मील) है। सोमवार को, जापान इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल फंडामेंटल्स ने कहा कि चीन, जापान की मुख्य भूमि पर हमला करने के लिए तीन प्रकार की पारंपरिक सशस्त्र मिसाइलों, डीएफ-17 एमआरबीएम और सीजे-10 और सीजे-100 ग्राउंड-लॉन्च क्रूज मिसाइलों का उपयोग कर सकता है, जो चार द्वीपों पर बनी है। थिंक टैंक के अनुसार, अक्टूबर 2020 से पूर्वोत्तर जिलिन प्रांत में चीनी 655वीं ब्रिगेड में नए गैरीसन का निर्माण किया गया है, जो डीएफ-17 एमआरबीएम का संचालन करते हैं। इस मिसाइल में एक हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन है जो ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक यात्रा करता है।

डीएफ-17 एमआरबीएम की अनुमानित सीमा 1,800 और 2,500 किलोमीटर (1,118 और 1,553 मील) के बीच है। पेंटागन ने आकलन किया कि सीजे-10 और सीजे-100 ग्राउंड-लॉन्च क्रूज मिसाइलें लगभग 1,500 से 2,000 किलोमीटर (932 से 1,242 मील) दूर के लक्ष्यों पर हमला कर सकती हैं।

शराब घोटाला केस, एपी त्रिपाठी समेत 3 को जमानत

कोर्ट ने रखी शर्त, जमा करना होगा पासपोर्ट, ढेबर और टुटेजा अभी जेल में ही रहेंगे

रायपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में जेल में बंद आरोपियों की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में अरुणपति त्रिपाठी, दीपक दुआरी और अनुराग द्विवेदी को जमानत दे दी है। हालांकि, रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर की जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया, जिससे उन्हें जेल में ही रहना होगा। इस मामले में आरोपियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने पैरवी की। अनुराग द्विवेदी और दीपक दुआरी के लिए सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल और शशांक मिश्रा, जबकि अरुणपति त्रिपाठी के लिए सीनियर एडवोकेट मीनाक्षी माथुर ने दलीलें पेश कीं।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एएस ओक की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मामले में दर्ज किए गए निष्कर्षों पर विचार करने के बाद अपीलकर्ताओं को जमानत दी जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इससे जांच किसी भी तरह प्रभावित नहीं होगी।

कोर्ट के आदेश के अनुसार, आरोपियों को 10 अप्रैल 2025 को जमानत पर रिहा किया जाएगा, लेकिन उन्हें कुछ सख्त शर्तों का पालन करना होगा। आरोपियों को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और वे देश से बाहर नहीं जा सकेंगे। साथ ही, उन्हें हर सुबह 10 बजे जांच अधिकारी (आईओ) के सामने हाजिरी देनी होगी। अगर आरोप पत्र दायर किया जाता है, तो आरोपियों को जांच में पूरा सहयोग करना होगा। सत्र न्यायालय अन्य शर्तों के साथ जमानत पर रिहाई की प्रक्रिया पूरी करेगा। अरुणपति त्रिपाठी छत्तीसगढ़ सरकार के आबकारी विभाग के विशेष सचिव रह चुके हैं। इससे पहले वे छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के एमडी भी रहे हैं। त्रिपाठी मूल रूप से इंडियन टेलीकॉम सर्विस के अधिकारी हैं और डेपुटेशन पर छत्तीसगढ़ में कार्यरत थे। शराब घोटाले में उनकी भूमिका को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5 अक्टूबर 2024 को रायपुर की विशेष अदालत में उनके खिलाफ पूरक अभियोजन परिवाद दायर किया।

ट्रंप ने आईएसएस पर फंसी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को बताया वाइल्ड हेयर वाली महिला

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्यों कहा ऐसा?

वॉशिंगटन, 7 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारतीय मूल की नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहकर्मी बुच विल्मोर को लेकर टिप्पणी की। इसी दौरान पत्रकारों की ओर से पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बालों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने सुनीता विलियम्स के बालों की तारीफ की। साथ ही दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को जल्द से जल्द अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से वापस पृथ्वी पर लाने की प्रतिबद्धता दोहराई। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने इस बारे में उनके सहयोगी एलन मस्क से कहा है।

बता दें कि दोनों अंतरिक्ष यात्री पिछले साल जून में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर गए थे, लेकिन बोइंग के स्टारलाइन अंतरिक्ष यान में तकनीकी खराबी आने के कारण उन्हें लंबे समय तक वहीं रुकना पड़ गया। अब इसी महीने उनकी आईएसएस से पृथ्वी पर वापसी की उम्मीद की जा रही है।

अंतरिक्ष में 'फंसे' दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। ओवल ऑफिस से बोलते हुए ट्रंप ने कहा, हमारे दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। मैंने एलन (मस्क) से पूछा, मैंने कहा, 'मेरा एक काम करो। क्या तुम उन्हें बाहर निकाल सकते हो? उन्होंने कहा, 'हां।' वह ऊपर जाने की तैयारी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि दो सप्ताह में। ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा, और मैं उस महिला को देख रहा हूं जिसके बाल बहुत ही घने हैं, उसके बाल बहुत अच्छे और घने हैं। कोई मजाक नहीं है, उसके बालों के साथ कोई खेल नहीं है।

जब उनसे पूछा गया कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए उनका क्या संदेश है तो ट्रंप ने कहा, "हम आपसे प्यार करते हैं और आपको लेने आ रहे हैं और आपको वहां इतने लंबे समय तक नहीं रहना चाहिए था।" बाइडेन को इतिहास में सबसे अक्षम मिसाल बताते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने आपके साथ ऐसा होने दिया, लेकिन यह राष्ट्रपति ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने कहा, "हम उन्हें बाहर निकालने जा रहे हैं। हम तुम्हें लेने आ रहे हैं।"

ट्रंप ने कहा, "उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। मुझे आशा है कि वे एक-दूसरे को पसंद करते होंगे, लेकिन वे एक-दूसरे को पसंद करते रहे हैं। शायद वे एक-दूसरे से प्यार करते होंगे। मुझे नहीं पता, लेकिन उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। इसके बारे में सोचो, वहां भी एक खतरा है। वहां कुछ विफलताएं हो सकती हैं जो बहुत बुरी होंगी। आपको उन्हें बाहर निकालना होगा।"

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "इसलिए मैंने एलन मस्क को अधिकृत किया है। उनके पास एक स्टारशिप है और वे अभी इसे तैयार कर रहे हैं और इसलिए एलन उन्हें लेने के लिए जा रहे हैं।" ओवल ऑफिस में मौजूद पत्रकारों की हंसी के बीच ट्रंप ने कहा, "क्या मुझे सिर्फ जहाज पर रहने के लिए उस यात्रा पर जाना चाहिए?"

सज्जनगढ़ मानसून पैलेस की पहाड़ियों तक पहुंची आग

दूसरे दिन भी टूरिस्ट की एंट्री बंद, 14 फायर ब्रिगेड तैनात, सूखी घास की वजह से भड़की आग

उदयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर के सज्जनगढ़ सेंचुरी में लगातार चौथे दिन आग भड़क रही है। अब तक आग पर काबू नहीं पाया गया है। इससे पहले गुरुवार को आग सेचुरी से सटे भैरू बाग और उसके आस-पास के इलाकों में थी। अब ये आग सज्जनगढ़ मानसून पैलेस की ऊंची पहाड़ियों की तरफ बढ़ रही है। इधर, आग को देखते हुए लगातार दूसरे दिन मानसून पैलेस और बायोलॉजिकल पार्क में टूरिस्ट की एंट्री को बंद किया गया है। 14 फायर ब्रिगेड से लगातार आग को बुझाने के प्रयास किए जा रहे है। विभाग की ओर से दावा किया जा रहा है कि सूखी घास की वजह से ये आग लगातार भड़क रही है। दरअसल, सज्जनगढ़ सेंचुरी में ये आग 4 दिन से भड़क रही है। गुरुवार को अधिकारियों की ओर से दावा किया गया था कि बुधवार रात को आग पर काबू पा लिया गया था। लेकिन, गुरुवार को हवा चलने की वजह से दोबारा ये आग भड़क गई। ऐसे में

दोबारा इसे बुझाने के प्रयास किए गए। इस दौरान इस सेंचुरी से सटे करीब 10 से ज्यादा परिवारों को घर खाली करवाया गया।

वहीं ये आग सेंचुरी की दीवार तक तक पहुंचने के बाद बायोलॉजिकल पार्क को सुरक्षित किया गया है। इन चार दिनों फायर ब्रिगेड करीब 300 से ज्यादा फेर कर चुकी है। आग इतनी बढ़ी हुई है कि फतेहसागर से रानी रोड पर जाने वाले मार्ग से धुंआ आसानी से देखा जा सकता है। फायर आफिसर शिवराम मीणा ने बताया कि हवा की दिशा बदलने से ये आग ऊपर की तरफ बढ़ रही है। एहतियात के तौर पर अभी 4 फायर ब्रिगेड मौके पर है। वहीं एक से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर फायरकर्तियों को तैनात किया गया है ताकि आग बायो पार्क की तरफ नहीं आए। अभी मौके पर करीब 150 से ज्यादा कर्मचारी तैनात है। इसमें वन विभाग, फायर ब्रिगेड और पुलिस विभाग के कर्मचारी शामिल है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को भी आग बुझाने के लिए बायो पार्क के बाहर ही जो एक रिसोर्ट था उससे पानी भराया। मीणा बताते है कि इतनी गाड़ियां हमने वहां भराई कि लास्ट में रिसोर्ट में ही पानी खत्म हो गया।

उदयपुर नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि यहां हमारे पांच फायर स्टेशन की करीब 14 गाड़ियां लगा रखी है और चार दिन में अब तक करीब 250 से 300 फेरे गाड़ियों ने कर लिए है। उनका कहना है सूखी झाड़ियों में आग रह-रहकर उठ रही है। उनका दावा है कि बायोलॉजिकल पार्क के अंदर आग नहीं आए इसके लिए पूरी तरह से हमारे प्रबंध है।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर सम्मेलन

अर्जुनराम मेघवाल बोले- बार-बार चुनाव से रुकती है विकास की गति

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' को लेकर जयपुर में एक महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एमआई रोड स्थित राजस्थान चैंबर भवन में हुआ। इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष सुनील सिंघवी, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव, राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष केएल जैन और जयपुर व्यापार महासंघ अध्यक्ष सुभाष गोयल सहित कई व्यापार मंडलों के पदाधिकारी शामिल हुए। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि अगर सभी चुनाव एक साथ होते हैं तो इसमें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, बार-बार चुनाव होने से आचार संहिता लागू हो जाती है, जिससे विकास कार्य रुक जाते हैं।

धर्मांतरण का प्रयास, 4 लोग हिरासत में

120 से ज्यादा आदिवासियों को दे रहे थे प्रवचन धार्मिक पुस्तकें और प्रचार सामग्री मिली

सिरोही, 7 मार्च (एजेंसियां)। सिरोही जिले के रेवदर क्षेत्र में धर्म परिवर्तन के लिए प्रवचन सभा का मामला सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और चार लोगों को हिरासत में लिया जबकि एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। विश्व हिंदू परिषद के गौ रक्षा प्रांत कार्यकारिणी सदस्य रणछोड़ पुरोहित ने बताया- रेवदर के करोटी में अनवर नागौरी के कृषि कुएं पर गुरुवार रात करीब 10 बजे प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें आदिवासी समाज के लोगों को बहला फुसलाकर बुलाया गया और उनका धर्म परिवर्तन करवाने की कोशिश की गई। पुरोहित ने बताया कि कार्यकर्ताओं की सूचना के बाद हम लोगों ने पुलिस को सूचना दी और मौके पर पहुंचे। जहां 100-120 आदिवासी महिला-पुरुषों को

बैठाकर धर्म विशेष पर आधारित प्रवचन दिए जा रहे थे। एएसआई रमेश दान चारण ने बताया- मौके से चार लोगों निचली सिगरी के रहने वाले गजेंद्र खराड़ी, करेल (उदयपुर) के रहने वाले ललित, लंकेश और झामर (आबूरोड) के रहने वाले भारमाराम को हिंदू धर्म के खिलाफ भ्रामक जानकारी देते हुए पकड़ा गया। इनके पास से ईसाई धर्म की धार्मिक पुस्तकें भी बरामद की गई। एएसआई रमेश दान चारण ने बताया- प्रवचन देने वाले लोगों ने दावा किया कि वे बीमारियों को ठीक करने का काम करते हैं। मौके पर हिंदू संगठनों और प्रवचनकर्ताओं के बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट की स्थिति बन गई। जिस पर पुलिस ने नियंत्रित किया। चार लोगों को हिरासत में लेने के बाद रात में ही आदिवासी महिला-पुरुष बड़ी संख्या में पुलिस थाने के बाहर इकट्ठा हो गए। उन्होंने गिरफ्तार किए गए लोगों को रिहा करने की मांग की। लोगों ने पुलिस से कहा- 'अगर इन्हें नहीं छोड़ा तो हम खाना कैसे खाएंगे?

राजस्थान सहित चार राज्यों में ईडी की रेड

मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर बड़ा एक्शन, विदेशों में करोड़ों के फंड ट्रांसफर पर छापेमारी

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर राजस्थान सहित चार राज्यों में शुक्रवार सुबह छापेमारी की गई है। विदेशों में करोड़ों रुपए के फंड ट्रांसफर को लेकर ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात में एक साथ रेड डाली है। बताया जा रहा है कि ये कार्रवाई कस्टम विभाग की ओर से दर्ज एक केस के आधार पर की जा रही है।

ईडी सूत्रों के मुताबिक, कस्टम विभाग की ओर से विदेशों में करोड़ों रुपए के फंड ट्रांसफर को लेकर मुंबई में एक केस दर्ज किया गया था। कस्टम विभाग की ओर से दर्ज केस पर ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए शुक्रवार सुबह एक साथ छापेमारी की है। बेनामी कंपनियों के जरिए अवैध रूप से फंड भेजने और उसके लिए फेक डॉक्यूमेंट तैयार करने से ये मामला जुड़ा हुआ है।

ईडी की टीमों ने चारों राज्यों में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक साथ छापेमारी की कार्रवाई की। राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और अजमेर में ईडी टीमों ने रेड डाली। ईडी की कार्रवाई जयपुर में 3 जगह, अजमेर में 2 जगह व उदयपुर में 2 जगह हुई। इसके साथ ही नोएडा में 1, मुबई में 2 और सूरत में 1 जगह हुई है।

इस मामले में जयपुर के एक बिजनेसमैन का नाम भी सामने आ रहा है। वह इंडिया में रहकर हॉन्गकॉन्ग से अपना नेटवर्क संचालित कर रहा था। शक है कि विदेशों में करोड़ों रुपए ट्रांसफर करने में उसकी अहम भूमिका है। सूत्रों के मुताबिक, इस छापेमारी में कई अहम सबूत मिलने की संभावना है, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का बड़ा खुलासा हो सकता है। ईडी की ओर से प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत पूरी कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में पहले भी कई गिरफ्तारियां हो चुकी है। गिरफ्तार कुछ आरोपी अभी तक जेल में ही है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, इस छापेमारी में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते है। मनी लॉन्ड्रिंग का बड़ा रैकेट का पर्दाफाश हो सकता है।

आईआईएफए अवॉर्ड्स में शामिल होने शाहिद कपूर पहुंचे जयपुर

श्रेया घोषाल, नोरा फतेही सहित कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी आईं, शाहरुख खान भी आज आएंगे

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईआईएफए) अवॉर्ड्स 8 और 9 मार्च को अपनी सिल्वर जुबली जयपुर में मनाएगा। जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में होने वाले इस इवेंट के लिए शुक्रवार को बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर, नोरा फतेही, निमरत कौर, करिश्मा तन्ना और सिंगर श्रेया घोषाल जयपुर पहुंची हैं। नोरा फतेही ने कहा कि मैं जयपुर आकर बहुत खुश हूं।

सुपरस्टार शाहरुख खान भी आज जयपुर आने वाले हैं। वे यहां तीन दिन रुकेंगे और 9 मार्च को आईआईएफए अवॉर्ड्स में परफॉर्मेंस देंगे। कार्तिक आर्यन, करण जौहर, करीना कपूर जैसे

बड़े सितारे भी आईआईएफए अवॉर्ड्स में आएंगे।

अवॉर्ड्स शो के लिए गुरुवार (6 मार्च) से ही सेलिब्रिटी गेस्ट का पहुंचना शुरू हो गया था। सबसे पहले आने वालों में माधुरी दीक्षित, नुसरत भरूचा, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और विजय वर्मा शामिल हैं। माधुरी दीक्षित ने गुरुवार को डांस रिहर्सल भी की।

आईफा की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को समर्पित संवाद सत्र 'द जर्नी ऑफ वीमेन इन सिनेमा' आज रात 8:30 बजे आयोजित होगा। इसमें माधुरी दीक्षित और ऑस्कर विजेता निर्माता गुनीत मोंगा एक साथ मंच साझा करेंगी।

होटल हयात रीजेंसी, मानसरोवर में इस संवाद का संचालन आईआईएफए की वाइस प्रेसिडेंट नूरीन खान करेंगी। इसमें फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के योगदान, उनके संघर्ष, चुनौतियों और उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी।

आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 8 मार्च को होंगे, जिसे अपारशक्ति खुराना, विजय वर्मा और अभिषेक बनर्जी होस्ट करेंगे। तीनों एक्टर ने गुरुवार को जेईसीसी में होस्टिंग की रिहर्सल की। 9 मार्च को आईआईएफए अवॉर्ड्स का ग्रैंड फिनाले करण जौहर और कार्तिक आर्यन होस्ट करेंगे। सेरेमनी में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे परफॉर्मेंस देंगे।

दलमा वन में कचरा फैलाने वालों पर नजर

सीसीटीवी लगेंगे, पकड़े जाने पर होगी कार्रवाई और भारी जुर्माना

जमशेदपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। दलमा वन क्षेत्र में कचरा फैलाने वालों पर वन विभाग की सख्त नजर रहेगी। विभाग ने पूरे वन क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। हाल ही में दलमा टॉप पर स्कूली छात्रों ने सफाई अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी मात्रा में कचरा एकत्र किया गया। इसमें सबसे ज्यादा पॉलीथिन बैग मिले। इतनी मात्रा में कचरा देख वन विभाग के अधिकारी भी हैरान रह गए। आरसीसीएफ स्मिता पंकज ने कहा कि अब कचरा फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि कोल्हान क्षेत्र में वन विभाग सफाई अभियान चला रहा है।

फार्मासिस्ट को बना दिया आरयूएचएस का वीसी

क्या राजस्थान में योग्य डॉक्टर नहीं, नए वीसी की नियुक्ति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने इसी सप्ताह राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज में नए कुलपति की नियुक्ति की है। राज्य सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल महोदय ने डॉ. प्रमोद येवले को कुलपति नियुक्त करने के आदेश जारी किए। डॉ. येवले महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। उन्होंने आरयूएचएस में कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. येवले की नियुक्ति का राजस्थान के कई डॉक्टरों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी विरोध किया था। अब यह मामला राजस्थान विधानसभा में भी उठा। कांग्रेस विधायक डॉ. शिखा बराला ने कहा कि सरकार ने एक फार्मासिस्ट को कुलपति बनाकर डॉक्टरों की योग्यता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइसेंज के नए कुलपति के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी ने पिछले दिनों इंटरव्यू लिए थे। आरयूएचएस के कार्यवाहक कुलपति रहे डॉ. धनंजय अग्रवाल कमेटी ने इंटरव्यू के लिए भी पात्र नहीं माना था। महाराष्ट्र के रहने वाले डॉ. प्रमोद येवले ने भी इंटरव्यू दिया था। वे सीनियर फार्मासिस्ट रह चुके हैं और महाराष्ट्र की डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर यूनिवर्सिटी के कुलपति भी रह चुके हैं। इंटरव्यू के एक महीने बाद डॉ. प्रमोद येवले को कुलपति चुने जाने का निर्णय हुआ।

चौमू से कांग्रेस विधायक डॉ. शिखा बराला ने डॉ. प्रमोद येवले की नियुक्ति पर सवाल उठाए। डॉ. बराना ने इस मामले को राजस्थान विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि क्या राजस्थान में योग्य और अनुभवी डॉक्टरों की कमी है जो महाराष्ट्र के एक फार्मासिस्ट को आरयूएचएस का कुलपति बना दिया। हेल्थ विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि आरयूएचएस में कुलपति की नियुक्ति भी पर्ची के जरिए कर दी गई है। उन्होंने कहा एक फार्मासिस्ट को कुलपति बनाना राजस्थान के सभी वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों पर सवालिया निशान है। यहां के डॉक्टरों ने हजारों स्पेशलिस्ट तैयार कर दिए लेकिन एक फार्मासिस्ट सब डॉक्टरों पर भारी पड़ गया।

अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस की कार्रवाई

बाड़ी, 7 मार्च (एजेंसियां)। बाड़ी में कोतवाली पुलिस ने एक युवक के अपहरण और मारपीट के मामले में 5 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद की गई। पीड़ित कल्ला उर्फ कल्याण कुशवाह ने पुलिस को बताया कि आरोपी उससे रंजिश रखते थे। उन्होंने हथियार के बल पर उसका अपहरण कर जंगल में ले जाकर मारपीट की। एसपी सुमित मेहरड़ा के निर्देश पर कोतवाली पुलिस और डीएसटी की टीम ने कंचनपुर थाना क्षेत्र के बीहड़ से आरोपियों को पकड़ा। पकड़े गए बदमाशों में बंटू गुर्जर पर 28,नीतू गुर्जर पर 35,हरेंद्र गुर्जर पर 5,योगेंद्र गुर्जर पर एक और अतर सिंह गुर्जर पर 4 मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने इस मामले को धारा 189(2), 115(2), 126(2), 127(2), 140(3), 307 और 351 बीएनएस के तहत दर्ज किया है।

वसुंधरा राजे का अबकी बार जन्मदिन पर खास प्लान

जैसलमेर के तनोट माता के दर्शन से शुरू होगा सेलिब्रेशन, सियासी हलचल तेज

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एक बार फिर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय होती नजर आ रही हैं। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर जारी है। इसी बीच, 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वसुंधरा राजे का जन्मदिन है, जिसे वे इस बार पश्चिमी राजस्थान में मनाने जा रही हैं। उनके इस निर्णय से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। राजे अपने जन्मदिन की शुरुआत जैसलमेर स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तनोट माता मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना से करेंगी। इस दौरे को लेकर पश्चिमी राजस्थान की राजनीति में भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

राजस्थान में बीजेपी के नेतृत्व परिवर्तन के बाद से वसुंधरा राजे की सक्रियता कुछ कम देखी गई थी। हालांकि, समय-समय पर उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज

कराकर यह संदेश दिया कि उनकी राजनीतिक पकड़ अब भी बरकरार है। ऐसे में उनके जन्मदिन के अवसर पर पश्चिमी राजस्थान का दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

8 मार्च को वे जैसलमेर के तनोट माता मंदिर में दर्शन करेंगी और विधिवत पूजा-अर्चना करेंगी। उनके इस दौरे ने बीजेपी के भीतर राजनीतिक हलचल तेज कर दी है और इसे आगामी राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

हाल के दिनों में वसुंधरा राजे राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय नजर आ रही हैं। हाल ही में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के मनोनयन के अवसर पर भी वे मौजूद रहीं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 'एक जुट, नो गुट और एक मुख' का नारा दिया, जिसने काफी सुर्खियां बटोरी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस दौरे के पीछे संभावित रणनीति छिपी हो सकती है और यह पश्चिमी राजस्थान में राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

देशभर में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर सियासी चर्चाएं जोरों पर हैं। इस दौड़ में वसुंधरा राजे का नाम भी प्रमुखता से उभर रहा है। वर्तमान में वे बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और पार्टी में उनका कद महत्वपूर्ण माना जाता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी नेतृत्व वसुंधरा राजे को राजस्थान की बजाय राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका देना चाहता है। वे दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और उनके पास व्यापक राजनीतिक अनुभव भी है।

इसके अलावा, वसुंधरा राजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भी पसंद मानी जाती हैं। हालांकि, राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए राजस्थान से ओमप्रकाश माथुर, सुनील बंसल समेत कई अन्य बड़े नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं।

जयपुर की सड़कों पर अब नहीं दिखेंगे भिक्षा मांगने वाले

भजनलाल सरकार का क्या है प्लान

जयपुर, 7 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में भिक्षावृत्ति उन्मुलन के लिए अब भजनलाल सरकार नया नवाचार करने जा रही है। इसके चलते अब सरकार भिखारियों के पुनर्वास, रोजगार एवं स्वास्थ्य आदि सुविधाएं का लाभ देकर उनके जीवन स्तर को उठाने जा रही है। इसको लेकर सरकार ने नया प्लान शुरू किया। जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें अधिकारियो को इस योजना पर काम करने के लिए टास्क दिया है।

इसको लेकर कलेक्टर सोनी ने बताया कि जयपुर में भीख मांगने वाले लोगों के जीवन स्तर को उठाने के लिए सरकार की तरफ से योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। इसके तहत ऐसे लोगों को

स्किल्ड वर्कर बनाकर रोजगार देना है, ताकि ऐसे लोग सम्मानजनक जीवन जी सकें और आत्मनिर्भर बन सके।

पुलिस अधिकारियों को भी क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए भिक्षावृत्ति में लगे लोगों की पहचान करने और उन्हें बचाने में सहायता करने के लिए कहा। इसके अतिरिक्त, नगर निगम के अधिकारियों को पुनर्वास घरों की उचित स्वच्छता और रखरखाव सुनिश्चित करने, शौचालयों की मरम्मत करने और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। यहीं नहीं इन लोगों को अन्नपूर्णा रसोई योजना से जोड़ने के लिए भी निर्देश दिए गए है।

सरकारी योजना के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा रोजगार

कलेक्टर सोनी ने बताया कि भिक्षा मांगने वाले लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनका रोजगार स्किल्स भी विकसित किया जाएगा।

इसके तहत राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम को चिन्हित व्यक्तियों के लिए बैचों में आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान प्रशिक्षित व्यक्तियों को दीर्घकालिक पुनर्वास सुनिश्चित करने वाले अनुवर्ती कार्यक्रमों के साथ ऋण, अनुदान और सरकारी योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाएगा।

बहन-बेटियों पर बुरी नजर डालने वालों की आंखें निकाल लो

भीलवाड़ा में भाजपा विधायक उदयलाल भड़ाना का बयान वायरल

भीलवाड़ा, 7 मार्च (एजेंसियां)। बिजयनगर में नाबालिग लड़कियों के साथ यौन दुराचार और भीलवाड़ा में गैंगरेप की घटना कथित 'लव जिहाद' के बाद बीजेपी विधायक का विवादित बयान सामने आया है। भीलवाडा जिले की मांडल विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड विधायक उदयलाल भड़ाना ने महिलाओं के एक समारोह में संबोधित करते हुए कहा है कि 'बुरी नजर वालों की आंखें निकाल लो'। उन्होनें कहा कि बहन-बेटियों पर गलत नजर डालने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने अपील की कि ऐसे आरोपियों का आर्थिक बहिष्कार किया जाए और उनकी दुकानों से कोई सामान न खरीदा जाए। विधायक भड़ाना ने भीलवाड़ा शहर के चर्चित कैफे ब्लैकमेल और गैंगरेप मामले, साथ ही विजयनगर में हुए रेप और ब्लैकमेल कांड को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

अपने संबोधन में विधायक भड़ाना ने कहा, 'यदि आप ताकत और संगठन के साथ नहीं रहेंगे, तो कोई भी आपके साथ अन्याय कर सकता है। यदि आप कमजोर रहेंगे, तो लोग आप पर आक्रमण करेंगे और गलत काम करेंगे।' उन्होंने विवादित बयान देते हुए यह भी कह दिया कि बुरी नजर वालों की आंखें निकाल लो।

गुरुवार को भीलवाड़ा के ग्रामीण हाट बाजार में राजीविका द्वारा आयोजित 'सखी मेला' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल

हुए विधायक भड़ाना ने उपस्थित महिलाओं से संगठित रहने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप एकजुट रहें और अपनी शक्ति को पहचानें, ताकि कोई भी आपकी ओर बुरी नजर न डाल सके। बहन-बेटी की सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर सोचें, क्योंकि यदि हमारी बहन-बेटियों पर संकट आता है, तो हमारा जीना व्यर्थ है।'

विधायक भड़ाना ने कहा कि भीलवाड़ा और विजयनगर में हुई घटनाओं को लेकर संत समाज 10 मार्च को आंदोलन करेगा और जनता को संतों के साथ इस आंदोलन में भाग लेना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि दोषियों के मकानों को 'योगी मॉडल' पर गिराया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे ऐसे अपराधियों की दुकानों से सामान खरीदना बंद करें और उनका आर्थिक बहिष्कार करें। उन्होंने कहा, 'जब वे आर्थिक रूप से कमजोर हो जाएंगे, तो गलत काम करने की ताकत भी नहीं रहेगी।'

बच्चों को अनुशासन, शिक्षा और संस्कृति सिखाई जानी चाहिए : विजयलक्ष्मी

महिलाओं की एकता सफलता की सीढ़ी है : मोते श्रीलता शोभन रेड्डी

महिलाओं को सामाजिक विकास में भागीदार बनना चाहिए : आयुक्त इलांबर्ती

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि महिलाएं महिलाओं की मित्र होती हैं। जीएचएमसी मुख्यालय में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भव्य तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर ने उप-महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी, आयुक्त इलांबर्ती और अन्य वरिष्ठ महिला अधिकारियों के साथ दीप प्रज्वलित करके किया। सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं। इस अवसर पर बोलते हुए मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि वह विभिन्न क्षेत्रों में सफलता और उत्कृष्टता हासिल करने वाली महिलाओं से प्रेरणा लेना चाहती हैं और आगे बढ़ना चाहती हैं। हर महिला के पास कोई न कोई कौशल होता है जिसे उसे निखारने और उसमें उत्कृष्टता हासिल करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने उनसे साहस, धैर्य और आत्म-संयम के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। यह सुझाव दिया जाता है कि प्रत्येक घर में माँ को अपने बच्चों को अनुशासन, शिक्षा, संस्कृति और सभ्य समाज में व्यवहार करना सिखाना चाहिए। एक माँ के रूप में, हर महिला को अपने बच्चों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की उन्नति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। महिलाओं को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना चाहिए और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहिए। उप-महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि महिलाएं एकजुट होकर ही कुछ हासिल कर सकती हैं। विशेषकर महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं स्वस्थ होंगी तभी परिवार और समाज स्वस्थ होगा। आयुक्त इलांबर्ती ने कहा कि महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर चलाने से लेकर बड़े संगठन चलाने तक का काम प्रभावी ढंग से कर रही हैं। ऐसा कहा जाता है कि महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला मां बनने से लेकर सभी भूमिकाएं निभाकर समाज में एक प्रमुख व्यक्ति बन गई है। इस अवसर पर उन्होंने याद किया कि किस प्रकार उनकी मां को उनके बचपन के दौरान घर चलाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, साथ ही उनकी पत्नी को भी समन्वय स्थापित करने में कठिनाई हुई। हर महिला को अपने परिवार के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। हर महिला को कार्यस्थल पर सभी सुविधाओं के साथ सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में महिलाओं को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अतिरिक्त वित्त आयुक्त को जीएचएमसी में महिलाओं के स्वास्थ्य जांच के लिए नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित करने के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई। वे चाहते हैं कि सभी महिलाएं अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचें और समाज के विकास में भागीदार बनें। इससे पहले महिला कर्मचारियों ने अपने खेल और गानों से धूम मचाई। इस अवसर पर महापौर, उप-महापौर और आयुक्त ने 30 सर्किलों में श्रेष्ठ सेवाएं देने वाली महिला सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया।

हैदराबाद में बाल आपूर्तिकर्ता गिरफ्तार

बच्चों की तस्करी रैकेट में शामिल होने का आरोप

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित बाल आपूर्तिकर्ता कृष्णवेणी को बच्चों की आपूर्ति के मामले में अहमदाबाद स्थित बाल आपूर्तिकर्ता वंदना को राचकोंडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कैदी ट्रांजिट वारंट पर हैदराबाद लाया गया और अदालत में पेश किया गया तथा न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। राचकोंडा पुलिस ने एक याचिका दायर कर उसे बच्चा बेचने वाले रैकेट के संबंध में पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की मांग की है जिसका पिछले सप्ताह फरवरी में भंडाफोड़ हुआ था।

जांच से पता चला कि वंदना रेल और सड़क मार्ग से एजेंटों के माध्यम से बच्चों को हैदराबाद भेज रही थी। पिछले दो महीनों में, उसने कथित तौर पर चार बच्चों को कृष्णवेणी भेजा था, ताकि उन्हें भावी निःसंतान दंपतियों को बेचा जा सके। राचकोंडा पुलिस ने 25 फरवरी को बाल-बिक्री रैकेट का भंडाफोड़ किया और एक सात दिन के बच्चे सहित चार बच्चों को बचाया, जिन्हें कथित तौर पर एक निजी बस में तस्करी करके हैदराबाद ले जाया जा रहा था।

व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण पर समाजशास्त्रियों के साथ स्वतंत्र स्थिति वाली समिति गठित

सलाहकार समिति की बैठक में डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू की मौजूदगी में फैसला

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि राज्य सरकार ने एक व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण (आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षिक, सामाजिक और कानूनी) लिया है और अध्ययन के लिए समाजशास्त्रियों के साथ एक स्वतंत्र समिति का गठन किया है। बुद्धिजीवियों और सामाजिक वैज्ञानिकों से कहा गया कि वे व्यापक सर्वेक्षण डेटा का विश्लेषण करने के लिए कड़ी मेहनत करें और कोई छोटी गलती न होने दें। उन्होंने शुक्रवार को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा, न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी अध्यक्ष होंगे, सेवानिवृत्त प्रोफेसर कांचा इलैया उपाध्यक्ष होंगे और प्रवीण चक्रवर्ती संयोजक होंगे। डॉ. सुखादेव, सेवानिवृत्त प्रोफेसर पुरूषोत्तम रेड्डी, शांता सिन्हा, प्रोफेसर हिमाशु, प्रोफेसर भुक्या भांग्या समिति के सदस्य होंगे और जीन ड्रीस विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। उन्होंने कहा कि इस विशेषज्ञ समिति की सर्वेक्षण रिपोर्ट एक माह के भीतर नियोजन विभाग को सौंपी जाये। उन्होंने कहा कि इस सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का मार्गदर्शन राष्ट्रीय विपक्षी नेता राहुल गांधी और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उच्च भावना के साथ किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने समाज में सामाजिक न्याय की नींव रखने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य में एक सर्वेक्षण कराया था। उन्होंने कहा कि इस महान कार्यक्रम में छोटी सी गलती का मौका न देने की सोच के साथ हमने गहराई से अध्ययन किया और सभी साझेदारों के साथ प्री-सर्वे बैठकें कीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक 150 घरों को एक ब्लॉक के रूप में व्यवस्थित किया गया और राज्य सरकार के कर्मचारियों द्वारा एक सर्वेक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी गलती एवं भ्रांति से बचने के लिए देश एवं प्रदेश के सामाजिक रूप से जागरूक बुद्धिजीवियों को व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण अध्ययन में शामिल कर स्वतंत्र दर्जा दिया गया है। बैठक में नियोजन विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया शामिल हुए।

लंबित मुद्दों पर भट्टी आज सभी दलों के सांसदों के साथ बैठक करेंगे

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के साथ तेलंगाना राज्य से संबंधित लंबित मुद्दों को संबोधित करने के लिए सभी दलों के सांसदों के साथ बैठक की घोषणा की है। शनिवार को सुबह 11 बजे निर्धारित यह बैठक उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देशन में प्रजा भवन में होगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में बैठक में शामिल होंगे। बैठक में राज्य और केंद्र सरकार के बीच विभिन्न अनसुलझे मामलों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सांसदों को संसद में तेलंगाना के हितों की वकालत करने और इन लंबित मुद्दों के संबंध में केंद्र सरकार के समक्ष बोलने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने पीआरएलआई परियोजना अनियमितताओं के मामले में दलीलें सुनीं

नई दिल्ली, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने आज पूर्व मंत्री नागम जनार्दन रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की, जिसमें पलामुरु रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच कराने का आग्रह किया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की पीठ ने मामले में नागम और मेघा कंपनी की दलीलें सुनीं। दूसरी ओर, बीएचईएल ने पिछले साल दिसंबर में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों पर हलफनामा दायर किया था। हलफनामे में लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए आपूर्ति की गई मशीनों, उसे मिले बिलों और उसके बाद उसकी जिम्मेदारी का जिक्र किया गया था। नागम के वकील प्रशांत भूषण ने पीठ से कहा कि बीएचईएल कंपनी के जवाबी हलफनामे में उल्लिखित सामग्री उनके द्वारा लगाए गए आरोपों को सही साबित करती है। उन्होंने कहा, हम यह स्पष्ट करते हैं कि सरकारी टेंडर का एक तिहाई भी बीएचईएल कंपनी को नहीं दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने स्पष्ट किया कि बीएचईएल द्वारा दायर हलफनामे और नागम द्वारा उसके खिलाफ दायर जवाबों पर विचार किया जा रहा है। मेघा कंपनी की ओर से पेश वकील मुकुल रोहतकी ने पीठ को बताया कि इसी मामले में तेलंगाना उच्च न्यायालय में तीन याचिकाएं खारिज कर दी गई हैं और कहा कि कुछ अन्य अभी भी लंबित हैं। हालांकि, वकील प्रशांत भूषण ने स्वतंत्र जांच के लिए तत्काल आदेश देने की मांग की क्योंकि यह स्पष्ट था कि अनियमितताएं हुई थीं। सीजेआई ने कहा कि विस्तृत दलीलें सुनने के

खाद्य निरीक्षकों ने अमीरपेट में की छापेमारी

कई खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों के मामले आए सामने

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा आयुक्त के खाद्य निरीक्षकों ने अमीरपेट स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों अमोघा होटल और कैफे तथा ताजा किचन का निरीक्षण किया और कई खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों का पता लगाया। अमोघा होटल और कैफ़े में निरीक्षण करने वाली टीमों ने होटल के भंडारण क्षेत्र में चूहों के बड़े पैमाने पर संक्रमण की सूचना दी और होटल का शौचालय सीधे रसोई में खुलता हुआ पाया गया, जिससे संदूषण हो सकता है। निरीक्षण करने वालों ने कीट नियंत्रण रिकॉर्ड, कर्मचारी स्वास्थ्य रिकॉर्ड, जल सुरक्षा विश्लेषण रिपोर्ट और पर्यवेक्षकों के फ़ॉस्टैक (खाद्य सुरक्षा और प्रशिक्षण प्रमाणपत्र) की अनुपलब्धता की भी सूचना दी।

टीमों ने पाया कि रेफ्रिजरेटरों का रखरखाव ठीक से नहीं किया गया था और उनमें खाद्य अपशिष्ट भरा हुआ था, फर्श पर जगह-जगह खाद्य अपशिष्ट और रुका हुआ पानी भरा हुआ था तथा होटल में पीसने और कपड़े धोने का क्षेत्र अस्वच्छ पाया गया तथा नालियां जाम थीं। रेफ्रिजरेटर में खाद्य पदार्थ खुले और बिना लेबल वाले पाए गए और निरीक्षण करने वाली टीमों ने तैयार खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने के संदेह पर सिंथेटिक खाद्य रंगों को हटा दिया। भंडारण में भीड़भाड़ थी और खाद्य पदार्थ जमीन पर फेंके गए थे। टीमों ने यह भी पाया कि खाद्य और गैर-खाद्य पदार्थ एक साथ रखे गए थे।

ताज़ा किचन में निरीक्षण करने वाली टीमों ने बताया कि रेफ्रिजरेटर में रखी खाद्य सामग्री खुली हुई थी और उस पर लेबल नहीं लगा था और वहां सुपरवाइजर की ओर से कोई जल विश्लेषण रिपोर्ट और फॉस्टैक प्रमाणपत्र नहीं था। चावल के आटे में कीड़े लगे थे और निरीक्षण करने वाली टीमों ने उसे फेंक दिया। अर्ध-तैयार और कच्चे माल, खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं को एक साथ रखा गया था और कुछ सब्जियाँ (टमाटर) खराब पाई गईं। निरीक्षण दल ने पाया कि रसोई के चाकू जंग खाए हुए थे और सब्जियां काटने के लिए उनका इस्तेमाल किया जा रहा था। भंडारण छोटा और भीड़भाड़ वाला था, कई खाद्य पदार्थ पैलेट के बजाय जमीन में संग्रहीत पाए गए। कोल्ड रूम के तापमान रिकॉर्ड को बनाए नहीं रखा गया था और कुछ खाद्य हैंडलर बिना हेयरनेट और दस्ताने के पाए गए।

महिला कर्मचारियों के लिए नया अत्याधुनिक पुलिस स्टेशन भवन जल्द : सुधीर बाबू

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सुधीर बाबू ने आज शांति और सुरक्षा बनाए रखने के हिस्से के रूप में पुलिस कर्मियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करने के लिए अडागुडुरु पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि हम विजिबल पुलिसिंग प्रोग्राम के जरिए लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं और हम साइकिल पेट्रोलिंग जैसे तरीकों के जरिए साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों के बारे में लोगों के बीच अधिक जागरूकता पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों, कर्मचारियों और महिला कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधाओं से युक्त एक नया अत्याधुनिक पुलिस स्टेशन भवन जल्द ही बनाया जाएगा। भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटन पहले ही पूरा हो चुका है और जल्द ही निर्माण शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर, स्टेशन के

किशन रेड्डी ने महिलाओं के योगदान की सराहना की

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य की महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शक्ति के रूप में मापने की गौरवशाली परंपरा भारतीय जीवन शैली और संस्कृति की ही देन है। उन्होंने कहा कि पौराणिक कथाओं से लेकर आज तक महिलाओं ने कई क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोजमर्रा के कामों में सबसे पहले महिलाओं का नाम लिया जाएगा। उन्होंने कहा, भारतीय जीवन शैली में घर को मां ही ठीक करती है। इस शानदार कार्यक्रम के आयोजन में भाजपा महिला मोर्चा की भूमिका अहम है। मोर्चा ने एमपी, विधानसभा और एमएलसी चुनावों में भी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि उनके एमपी निर्वाचन क्षेत्र में 5,000 महिलाओं ने अपने-अपने बूथों पर काम किया और उनकी जीत में उनकी भूमिका अहम रही। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भाजपा के नगर कार्यालय में आयोजित समारोह में उन्होंने कई महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। बाद में उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। रेड्डी ने कहा कि जब वह केंद्रीय गृह मंत्री थे, तब लड़कियां लगातार एके-47 बंदूकों के साथ सीमाओं की रखवाली करती थीं। भारत में विमानन क्षेत्र में सबसे ज्यादा पायलट हैं। कई सरकारों ने 12 करोड़ मुस्लिम लड़कियों के अधिकारों की रक्षा करने की उपेक्षा की है। तीन शब्द बोलकर महिलाओं को घर से बाहर निकालने का सिलसिला जारी रहा। यहां तक कि इस्लामिक देशों में भी ऐसा कोई कानून नहीं है। धर्मनिरपेक्ष देश में कोई भी तीन तलाक प्रथा के खिलाफ बोलने और जाने की हिम्मत नहीं कर पाया। लेकिन मोदी के नेतृत्व में तीन तलाक कानून को निरस्त कर दिया गया और महिलाओं को अधिकार दिए गए, उन्होंने कहा कि मातृत्व अवकाश 26 सप्ताह बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि वाजपेयी सरकार के दौरान स्वयं सहायता समूह शुरू किए गए थे।

साइबराबाद कमिश्नरेट में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जिसमें लैंगिक समानता, हिंसा और महिलाओं के खिलाफ दुर्व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला जाता है। इस अवसर पर, साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने साइबराबाद कमिश्नरेट के तहत काम करने वाली सभी महिलाओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन डीसीपी श्रीमती सृजना कर्णम (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू), एसीपी वी. प्रसन्ना कुमार (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू) और सीएओ एडमिन गीता की देखरेख में किया गया।

कार्यक्रम में विशेष वक्ताओं में रमेश बोया (क्यूपीएफपी), लावण्या (मनोवैज्ञानिक) और सीए अनुराग पार्वथानेनी शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान, रमेश बोया ने वित्तीय नियोजन के महत्व पर जोर दिया, कामकाजी महिलाओं के लिए अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रभावी रणनीतियों और कार्रवाई योग्य कदमों के बारे में बताया।

आईपीएस और गैर-कैडर अधिकारियों का स्थानांतरण

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. अनिल कुमार, आईपीएस, महानिदेशक, तेलंगाना विशेष सुरक्षा बल, हैदराबाद को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक), पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना, हैदराबाद के कार्यालय के पद पर स्थानांतरित किया गया है और महेश एम. भागवत को पूर्ण अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। एम. श्रीनिवासुलु, पुलिस आयुक्त, रामागुंडम को मौजूदा रिक्ति पर पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

अंबर किशोर झा पुलिस आयुक्त, वारंगल को एम. श्रीनिवासुलु, आईपीएस के स्थान पर पुलिस आयुक्त, रामागुंडम के पद पर स्थानांतरित किया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नति पर, सनप्रीत सिंह, पुलिस अधीक्षक, सूर्यपेट को अंबर किशोर झा, आईपीएस के स्थान पर पुलिस आयुक्त, वारंगल के पद पर स्थानांतरित किया गया है। चेतना मायलाभुतला पुलिस उपायुक्त, पेड्डापल्ली, रामागुंडम आयुक्तालय को पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना, हैदराबाद के पद पर स्थानांतरित किया गया है। चौधरी सिंधु सरमा, पुलिस अधीक्षक, कामारेड्डी को मौजूदा रिक्ति पर पुलिस अधीक्षक, खुफिया के पद पर स्थानांतरित किया गया है। एम राजेश चंद्र पुलिस उपायुक्त, यदाद्री भोंगीनर, राचकोंडा को चौधरी सिंधु सरमा, के स्थान पर पुलिस अधीक्षक, कामारेड्डी के पद पर स्थानांतरित किया गया है। पोथराजू साई चैतन्य पुलिस अधीक्षक, तेलंगाना एंटी-नारकोटिक ब्यूरो, हैदराबाद को मौजूदा रिक्ति पर पुलिस आयुक्त, निजामाबाद के पद पर स्थानांतरित किया गया है और चौधरी सिंधु सरमा को पूर्ण अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है।

गौश आलम पुलिस अधीक्षक, आदिलाबाद को पुलिस आयुक्त, करीमनगर के पद पर स्थानांतरित किया गया है और उन्हें तेलंगाना कैडर से मुक्त किए गए अभिषेक मोहंती के पद पर नियुक्त किया गया है। अखिल महाजन, पुलिस अधीक्षक, राजन्ना सिरसिल्ला को स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, आदिलाबाद के पद पर तैनात किया गया है, उनकी जगह गौश आलम को नियुक्त किया गया है। चेन्नूरी रूपेश, पुलिस अधीक्षक, संगारेड्डी को स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, तेलंगाना एंटी-नारकोटिक ब्यूरो, हैदराबाद के पद पर नियुक्त किया गया है, उनके स्थान पर पोथाराजू साई चैतन्य नियुक्त किया गया है। अक्षांश यादव पुलिस उपायुक्त, मध्य क्षेत्र, हैदराबाद शहर को स्थानांतरित कर पुलिस उपायुक्त, यदाद्री भोंनगिर, रचाकोंडा के पद पर तैनात किया गया है, उनकी जगह एम. राजेश चंद्रा को नियुक्त किया गया है। परितोष पंकज, आईपीएस, ओएसडी, कोत्तागुडेम को स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, संगारेड्डी के पद पर तैनात किया गया है, उनके स्थान पर चेनुरी रूपेश को नियुक्त किया गया है। गिते महेश बाबासाहेब, मुलुगु का तबादला कर उन्हें अखिल महाजन, के स्थान पर राजन सिरसिला का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे अंकित कुमार साहखवार को स्थानांतरित पी. रविंदर, एसपी (एनसी) के स्थान पर वारंगल पूर्व का पुलिस उपायुक्त नियुक्त किया गया है। ए. भास्कर पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्हें मंचेरियल, रामागुंडम का पुलिस उपायुक्त नियुक्त किया गया है।

बीएफएसआई पर एक औद्योगिक गोलमेज सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग (डीईटी) ने सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (सीजीजी) के सहयोग से बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) पर एक औद्योगिक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया है, जिसका विषय है 'तेलंगाना को बेहतर भविष्य के लिए कौशल प्रदान करना' है। यह निर्माण, जीवन विज्ञान, खुदरा, विनिर्माण और आईटी एवं आईटीईएस के विषयों पर 7 से 21 मार्च 2025 के बीच आयोजित होने वाले (6) औद्योगिक गोलमेज सम्मेलनों की श्रृंखला का एक हिस्सा है।

औद्योगिक गोलमेज सम्मेलनों का प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा पेश किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों और उद्योग की आवश्यकताओं में मौजूदा अंतर को पाटना है। स्वागत भाषण सीजीजी के निदेशक प्रोफेसर देवी प्रसाद जुव्वाडी ने दिया, जिसके बाद सीजीजी के महानिदेशक राजेंद्र निमजे (सेवानिवृत्त) ने संदर्भ सेटिंग संबोधन दिया। मुख्य भाषण संजय कुमार, विशेष द्वारा दिया गया।

सरकारी स्कूल का शिक्षक निलंबित

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल शिक्षक को शारीरिक दंड देने के आरोप में निलंबित कर दिया। मेडचल-मलकाजगिरी जिले के कीसरा स्थित जेडपीएचएस के शारीरिक निदेशक आर. आनंद ने जेडपीएचएस की छात्राओं को शारीरिक दंड दिया और उन्हें डंडे से बुरी तरह पीटा।

स्थानीय प्रेस में प्रकाशित रिपोर्टों और उपलब्ध सामग्री के आधार पर कार्रवाई करते हुए, मेडचल-मलकाजगिरी के डीईओ ने आरोपों से संबंधित अनुशासनात्मक कार्यवाही पूरी होने तक आनंद को निलंबित कर दिया।

पूर्व मंत्री ने साझा की आदिवासियों की दुर्दशा की तस्वीर

पीने के पानी के लिए करना पड़ रहा संघर्ष

आदिलाबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बजरहथनूर मंडल के चिंताकर्रा गांव में आदिवासी महिलाओं को कृषि बोरवेल से पीने का पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ा। शुक्रवार को पूर्व वित्त मंत्री टी हरीश राव ने अपने एक्स हैंडल पर उनकी दुर्दशा साझा की। महिलाओं की पीड़ा के बारे में पोस्ट करते हुए राव ने कहा कि तेलंगाना के लोग शराब पीने की समस्या देख रहे हैं, जो कि पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के शासन के दौरान एक आम दृश्य हुआ करता था।

उन्होंने कहा कि मिशन भगीरथ के प्रबंधन में सरकार की विफलता लोगों के लिए अभिशाप बन गई है, जिनके पास कृषि बोरवेल, नदियों और झरनों से पानी इकट्ठा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। पूर्व वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन में विफल रही, बल्कि प्रशासन और महत्वाकांक्षी मिशन भागीरथ योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने में भी विफल रही। उन्होंने एक तस्वीर संलग्न की, जिसमें आदिवासी महिलाएं एक कृषि कुएं से पीने का पानी बर्तनों में भरकर अपने घर ले जाती नजर आ रही हैं, जो जिले में व्याप्त पेयजल संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

सीरवी समाज पारसीगुटा मे ढूंढोत्सव 14 को

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य में होली महोत्सव के पावन अवसर पर 2 दिवसीय होली महोत्सव का कार्यक्रम 13 व 14 मार्च पूजा-अर्चनाकर, होली दहन, बच्चों की ढूंढ, रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम के साथ आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में सचिव नारायणलाल काग ने बताया कि हर वर्ष के भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में 2 दिवसीय होली महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गुरुवार 13 मार्च रात्रि 8 बजे पुजा-अर्चनाकर, माई की आरती के पश्चात 11.15 बजे होली दहन एवं शुक्रवार 14 मार्च को प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे से बच्चों की ढूंढ का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

समाज बन्धुओं को बच्चों की ढूंढ करानी हो वे अपना नाम सचिव नारायणलाल काग व कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा के पास सम्पर्क कर दे सकते है। मध्यान 12.15 बजे से समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है उपरोक्त कार्यक्रम में राजस्थानी वेष-भूषा में सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन का गैर नृत्य जारी

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एल.बी.नगर बंडलागुड़ा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं के सानिध्य में होली महोत्सव के पावन अवसर पर गैर नृत्य का आयोजन बुधवार 5 मार्च रात्रि 8.15 बजे से 11.15 बजे तक प्रतिदिन किया जा रहा है।

अध्यक्ष वेनाराम चोयल व सचिव प्रकाश सेपटा ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष के भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में होली महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन गैर नृत्य का आयोजन रात्रि 8.15 बजे से 11.15 बजे तक किया जा रहा है। गुरुवार 13 मार्च रात्रि 8 बजे माई की आरती कर होली दहन एवं शुक्रवार 14 मार्च को प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे से बच्चों की ढूंढ का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

समाज बन्धुओं को बच्चों की ढूंढ करानी हो वे अपना नाम सचिव प्रकाश सेपटा व कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार के पास सम्पर्क कर दे सकते है। अध्यक्ष वेनाराम चोयल ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है उपरोक्त कार्यक्रम में राजस्थानी वेष-भूषा में सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRD-94-24-25, दिनांक : 28.02.2025

स्थान सहित कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के मेन लाइन में मौजूदा आउट्लिव्ड जंग लगे कैंटिलीवर असेंबलियों (Cantilever Assemblies) का प्रतिस्थापन (फेज-VI)।

निविदा मूल्य (रुपये में) : 1,04,93,990.32/-, EMD (रुपये में) : 2,02,500/-, पूरा होने की अवधि : 9 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 24.03.2025 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD), वाल्टियर

PR-1051/P/24-25

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

रुचि की अभिव्यक्ति

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद द्वारा चिकित्सकीय जांच या क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशंस सहित पैथालाजी एवं रेडियोलाजी सेवाएं प्रदान करने के प्रति निम्न न्यूनतम अर्हता मानदंडों को पूरा करने वाले कर्नूल के प्रतिष्ठित अस्पताल/डायाग्नोस्टिक लैबोरटरीज से, सीजीएचएस/हैदराबाद 2014 दर नुसार, रेलवे के साथ सूचीबध्दता या एम्पैनेलमेंट के लिए, रेलवे के लाभार्थियों के लिए औषधीय जांच या मेडिकल इन्वेस्टिगेशंस के प्रति नकद रहित सुविधाएं प्रदान करने हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (इओआइ) आमंत्रित हैं। यथावत रुप से भरे हुए तत्संबंधित आवेदनों को दि.14-03-2025 को या इससे पहले, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (चीफ मेडिकल सुपरिंटेंडेंट) के कार्यालय पर प्रेषित किये जाने चाहिए।

न्यूनतम योग्यता मानदंड, आवेदन पत्रों व नियम शर्ते आदि से जुडी अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारे वेबसाइट: www.indianrailways.gov.in पर जाएं। व्यक्तिगत रुप में भी आवेदन पत्र, किसी भी कार्य दिवसों में, चीफ मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, हैदराबाद भवन, हैदराबाद डिवीजन, सिकंदराबाद कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

A0307 मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/हैदराबाद

25 साल बाद फिर चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भिड़ेंगे इंडिया और न्यूजीलैंड

> 2000 में न्यूजीलैंड ने टाइटल जीता, टीम इंडिया को 63% आईसीसी मैच हराए

स्पोर्ट्स डेस्क, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड 25 साल बाद फिर एक बाद चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भिड़ने वाले हैं। दोनों 9 मार्च को दुबई में खिताबी मुकाबला खेलेंगे। इससे पहले 2000 में नैरोबी के मैदान पर हुआ फाइनल न्यूजीलैंड ने आखिरी ओवर में 4 विकेट से जीता था। आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबलों में न्यूजीलैंड ने ही भारत को सबसे ज्यादा परेशान किया है। टीम भारत को 2019 वनडे वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल और 2021 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी हरा चुकी है।

क्रिस कैर्न्स के शतक से जीता था न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के पास लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट का इकलौता आईसीसी टाइटल चैंपियंस ट्रॉफी ही है। साल 2000 में भारत ने केन्या, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे और पाकिस्तान को हराया। नैरोबी के मैदान पर फाइनल में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। भारत से कप्तान सौरव गांगुली ने 117 और सचिन तेंदुलकर ने 69 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई और बैटर कुछ खास नहीं कर सका और टीम 6 विकेट खोकर 264 रन ही बना पाई।

न्यूजीलैंड ने 132 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां क्रिस कैर्न्स ने क्रिस हैरिस के साथ पारी संभाल ली। दोनों ने छठे विकेट

के लिए 122 रन की पार्टनरशिप की और भारत को मैच से बाहर कर दिया। कैर्न्स ने शतक लगाया और 2 गेंदें बाकी रहते टीम को जीत दिला दी। कैर्न्स ही प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

चैंपियंस ट्रॉफी में तीसरी बार ही भिड़ेंगे

27 साल के चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास में दोनों टीमें तीसरी बार ही भिड़ेंगी। इसी साल ग्रुप स्टेज में भी दोनों का सामना हुआ, तब भारत ने दुबई के ही मैदान पर न्यूजीलैंड को 44 रन से हराया था। अब 9 मार्च को फिर एक बार दोनों का सामना दुबई के मैदान पर ही होगा।

भारत को 63% आईसीसी मैच हराए हैं न्यूजीलैंड ने

आईसीसी के सभी टूर्नामेंट में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 16 मैच हुए। 10 में न्यूजीलैंड और महज 6 में टीम इंडिया को जीत मिली। हालांकि, आईसीसी के वनडे टूर्नामेंट में दोनों ने बराबरी के मैच ही जीते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी और वनडे वर्ल्ड कप में दोनों के बीच 12 मैच हुए, 6 में न्यूजीलैंड और 6 में ही भारत को जीत मिली।

नॉकआउट स्टेज में न्यूजीलैंड 75% मैच जीता

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड आईसीसी के ग्रुप स्टेज मैचों में तो हावी रहता ही है, नॉकआउट स्टेज में भी दबदबा दिखाता है। दोनों के बीच 4 नॉकआउट मैच हुए, 3 में न्यूजीलैंड और महज 1 में भारत को जीत मिली। 2023 से पहले तक तो न्यूजीलैंड ने भारत को तीनों नॉकआउट मैच हराए थे। ये हार 2000 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल, 2019 के वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और 2021 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में मिली थी। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत ने इस ट्रेंड को तोड़ा और न्यूजीलैंड को 70 रन से हरा दिया।

न्यूजीलैंड को 66% वनडे हरा चुका है भारत

ओवरऑल वनडे क्रिकेट में जरूर टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड पर दबदबा बनाए रखा है। दोनों के बीच 95 मैच हुए, 63 में भारत और महज 30 में न्यूजीलैंड को जीत मिली। यानी भारत का सक्सेस रेट 66% रहा। दोनों ने 1 टाई और 1 बेनतीजा मैच भी खेला।

विमेंस वनडे वर्ल्डकप से पहले ट्राई सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

कोलंबो, 7 मार्च (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप से पहले भारतीय विमेंस टीम श्रीलंका में अप्रैल-मई में वनडे ट्राई सीरीज में खेलेगी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। श्रीलंका और टीम इंडिया के अलावा तीसरी टीम साउथ अफ्रीका होगी। वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर में भारत में होना है।

तीनों टीमें दो- दो बार एक दूसरे से भिड़ेंगी

हर एक टीम दो बार अन्य टीमों के साथ खेलेगी, यानी एक टीम चार मैच खेलेगी। पहले दो स्थान पर रहने वाली टीमें फाइनल खेलेंगे। सीरीज की शुरुआत मेजबान श्रीलंका और भारत के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। ये सभी मैच दिन में खेले जाएंगे, जो 27 अप्रैल से 11 मई तक कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे।

श्रीलंका टीम न्यूजीलैंड दौरे पर

श्रीलंका वर्तमान में न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल दौरे पर है, जबकि भारत के अधिकांश खिलाड़ी घर पर डब्ल्यूपीएल में हिस्सा ले रहे हैं। कुछ साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी भी डब्ल्यूपीएल में हैं। श्रीलंका वर्तमान में एशिया कप चैंपियन है। फाइनल में भारत को हराया था। साउथ अफ्रीका पिछले वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा था, जिसने भारत को लीग स्टेज में बाहर कर दिया था। हालांकि, भारत आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। जबकि साउथ अफ्रीका चौथे और श्रीलंका सातवें स्थान पर है।

टीम इंडिया की ताकत विराट, गिल और वरुण

> न्यूजीलैंड का भरोसा विलियम्सन, रचिन और सैंटनर पर; चैंपियन ट्रॉफी फाइनलिस्ट्स की स्ट्रैंथ-वीकनेस

दुबई, 7 मार्च (एजेंसियां)। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल की मेजबानी के लिए तैयार है। रविवार, 9 फरवरी को भारत और न्यूजीलैंड खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे और इनमें से किसी एक को 'चैंपियन' का टैग मिलेगा। टूर्नामेंट में टीम इंडिया की ताकत विराट, गिल और वरुण बने हुए हैं। वहीं, कीवी टीम का भरोसा विलियम्सन, रचिन और सैंटनर पर टिका हुआ है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय है। जबकि, न्यूजीलैंड ने एक मैच गंवाया है, टीम को भारत ने 44 रन से हराया था।

भारत की 3 स्ट्रेंथ

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अब तक 5 मुकाबले खेले और सभी जीते। टीम बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग तीनों डिपार्टमेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारत ने कीवियों को ग्रुप-ए में हुए मुकाबले में 44 रन से हराया था। कोहली-गिल के शतक, अय्यर शानदार फॉर्म में भारतीय टीम की बैटिंग लय में है। विराट कोहली और

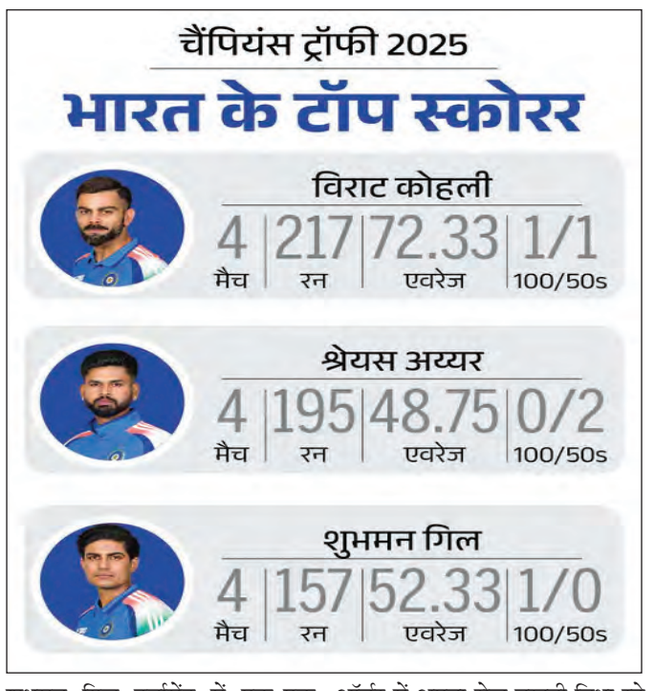

शुभमन गिल टूर्नामेंट में एक-एक शतक बना चुके हैं। श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और केएल राहुल मिडिल ऑर्डर में अपना रोल बखूबी निभा रहे हैं। हार्दिक पंड्या भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फॉर्म साबित कर चुके हैं। टॉप-5 बैटर्स में विराट कोहली 217 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं। अय्यर और गिल भी 150 से ज्यादा रन बना चुके हैं।

शमी-चक्रवर्ती 5-5 विकेट ले चुके, स्पिनर्स के नाम 21 विकेट भारतीय टीम के बॉलर्स इस टूर्नामेंट में अब तक 37 विकेट ले चुके हैं। इनमें 16 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए, जबकि 21 विकेट स्पिनर्स के खाते में आए हैं। मोहम्मद शमी और वरुण चक्रवर्ती एक मैच में 5-5 विकेट ले चुके हैं। टॉप-5 गेंदबाजों की बात करें तो इसमें भारत के दो गेंदबाज शामिल हैं। शमी 8 और वरुण 7 विकेट हासिल कर चुके हैं।

भारत को दुबई की कंडीशंस का फायदा भारत को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच रास आ रही है। टीम ने अपने सभी मुकाबले इसी मैदान पर खेले हैं। सभी खिलाड़ी मैदान की परिस्थितियों से परिचित हैं। ऐसे में फाइनल में भारत को दुबई की धीमी पिच का फायदा मिल सकता है।

कांग्रेस नेता शमा ने शमी का समर्थन किया

खिलाड़ी के एनर्जी ड्रिंक पीने पर कहा- मेहनत के दौरान रोजा छोड़ने की इजाजत

बरेली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी के रोजा न रखने के विवाद पर कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने उनका समर्थन किया है।

उन्होंने कहा कि इस्लाम वैज्ञानिक धर्म है। इसमें सफर और शारीरिक मेहनत के दौरान रोजा न रखने की छूट दी गई है।

शमा ने कहा- मोहम्मद शमी सफर कर रहे थे और एक खेल में हिस्सा ले रहे थे, जहां उन्हें शारीरिक मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में रोजा न रखना कोई गुनाह नहीं है। इस्लाम में इंसान के हालात को ध्यान में रखा जाता है। शमा वही नेता हैं जिन्होंने कुछ दिन पहले रोहित की फिटनेस पर सवाल उठाए थे। इस बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने भी शमी के पक्ष में बयान दिया। उन्होंने कहा- कुरान में साफ लिखा है कि अगर कोई बीमार है और सफर पर है, तो वह रोजा छोड़ सकता है। किसी को भी शमी के फैसले पर सवाल उठाने का हक नहीं है।

हर दिन होना चाहिए महिला दिवस : साक्षी मलिक

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारत की प्रसिद्ध महिला पहलवान साक्षी मलिक ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान महिला दिवस के मौके पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत अनुभवों को उजागर किया, बल्कि समाज में बदलते परिवेश और महिलाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। ओलंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक का मानना है कि महिलाओं के संघर्ष और योगदान को केवल एक दिन तक सीमित नहीं करना चाहिए।

साक्षी मलिक का कहना है कि महिलाओं को किसी एक खास दिन, जैसे 8 मार्च को मनाया जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके अनुसार, हर दिन महिला दिवस होना चाहिए। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला अपने जीवन में कई तरह के संघर्षों का सामना करती है। साक्षी ने कहा, जब मैंने

कुश्ती शुरू की थी, तब मुझे बेहद कम संसाधनों के साथ तैयारी करनी पड़ी थी। इन कठिनाइयों के बावजूद मैंने न केवल अपने करियर में सफलता हासिल की, बल्कि मां बनने के बाद भी अपने कार्यों को संतुलित किया। एक मां के पास कई जिम्मेदारियां होती हैं और वह इन सभी को एक साथ संभाल सकती है। इसलिए, महिलाओं के योगदान को हर दिन सम्मान मिलना चाहिए।

साक्षी ने कहा कि पहले हरियाणा में लड़के और लड़कियों के बीच बहुत भेदभाव होता था। लेकिन अब इसमें काफी बदलाव आया है। उन्होंने अपने मेडल जीतने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उनकी सफलता ने समाज की सोच को बदलने में मदद की। महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर फिल्में बनीं, जिसके बाद लोग अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए। आज लड़कियां हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं, चाहे वह खेल हो या कोई अन्य क्षेत्र। साक्षी ने हाल के ओलंपिक का उदाहरण दिया, जहां हरियाणा की मनु भाकर ने इतिहास रचकर यह साबित कर दिया कि लड़कियां किसी से कम नहीं हैं। साक्षी का मानना है कि अगर कोई महिला अपने लक्ष्य को लेकर दृढ़ संकल्पित, केंद्रित और अनुशासित है, तो वह कुछ भी हासिल कर सकती है। उन्होंने महिला खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, महिला खिलाड़ी का खेल करियर बहुत छोटा होता है। हम इतना लंबा नहीं खींच पाते हैं क्योंकि बहुत सारी चीजें सोचनी पड़ती हैं। मेरा महिला खिलाड़ियों को यही संदेश है कि बिना डरे और घबराए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमने भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाया, उसके खिलाफ लड़ना सीखा और आंदोलन भी किया। मैं यही कहूंगी कि आप किसी भी क्षेत्र में हों, कार्य करते रहिए। देश के लिए अच्छा कार्य करते रहें।

भारतीय टीम में चयन के लिए सरकारी पर्यवेक्षक की निगरानी में होंगे ट्रायल

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टीम में चयन को लेकर होने वाले विवादों और अदालती चक्करों से बचने के लिए खेल मंत्रालय ने चयन नीति में संशोधन कर राष्ट्रीय खेल संघों को इन्हें लागू करने के आदेश दिए हैं। अब कोई भी खेल संघ भारतीय टीम का चयन अचानक ट्रायल बुलाकर नहीं करा पाएगा। ट्रायल की सूचना खिलाड़ियों को 15 दिन पहले देनी पड़ेगी।

ट्रायल वीडियोग्रॉफी के बिना आयोजित नहीं किए जाएंगे। ट्रायल की वीडियो मंत्रालय और साई को भेजनी होगी। टीमों के ट्रायल मंत्रालय के पर्यवेक्षकों की निगरानी में होंगे। नई नीति के अनुसार खेल संघों को खिलाड़ियों के लिए एक समान चयन नीति और शिकायत निवारण प्रणाली लागू करनी होगी।

सुनील छेत्री संन्यास से लौटे

> पिछले साल जून में लिया था रिटायरमेंट

नई दिल्ली, 7 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री फिर से भारतीय जर्सी में मैदान पर नजर आएंगे। उन्होंने संन्यास से वापसी करने की की घोषणा की है। वह 25 मार्च से शुरू हो रहे एएफसी एशियन कप 2027 के तीसरे राउंड क्वालिफायर से वापसी करेंगे।

छेत्री ने पिछले साल जून में संन्यास लिया था

छेत्री ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ फिफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया था। सुनील छेत्री ने अब तक खेले 151 इंटरनेशनल मैचों में 94 गोल किए हैं, जो किसी भी भारतीय खिलाड़ी का सबसे ज्यादा है। वहीं वह इंटरनेशनल फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली देई हैं। पिछले साल इंटरनेशनल संन्यास के बाद भी छेत्री ने बेंगलुरु एफसी के लिए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलना जारी रखा और बेहतरीन फॉर्म में रहे हैं। उन्होंने आईएसएल 2024-25 में 12 गोल किए और 2 असिस्ट किए हैं।

आईएसएल 2024-25 में गोल्डन बूट की रेस में शामिल

छेत्री आईएसएल 2024-25 के गोल्डन बूट की रेस में शामिल हैं। वह सबसे जयादा गोल करने में दूसरे स्थान पर हैं। उनके 12 गोल हैं, जबकि अलाउद्दीन अजराय 21 गोल के साथ टॉप पर हैं। भारत को एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर के तीसरे राउंड में ग्रुप सी में बांग्लादेश, हांगकांग, चीन और सिंगापुर के साथ रखा गया है। उनका पहला मैच 25 मार्च को शिलॉन्ग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ है।

गुणरत्ने, उदाना के दम पर श्रीलंका मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को 21 रन से हराया

वडोदरा, 7 मार्च (एजेंसियां)। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम की फ्लडलाइट्स में एक बार फिर पुराने सितारे छा गए, जहां असेला गुणरत्ने के शानदार अर्धशतक और अपनी अनुशासित डेथ बॉलिंग की बदौलत श्रीलंका मास्टर्स ने गुरुवार रात को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल), 2025 के पहले सीजन के रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज मास्टर्स को 21 रन से हरा दिया। मुश्किल विकेट पर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका मास्टर्स के कप्तान कुमार संगकारा (47) ने एक सोची-समझी पारी खेलकर अपनी टीम को मुश्किल शुरुआत से उबारा। इसके बाद असेला गुणरत्ने (64) ने एक शानदार अर्धशतक जमाकर नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद टीम को संभाला और आखिरकार 20 ओवर में 173/9 के स्कोर तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज मास्टर्स ने मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन किया और दो रन आउट भी किए, जबकि स्टार ऑफ स्पिनर एश्ले नर्स ने परिस्थितियों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शीर्ष क्रम के तीन विकेट चटकाए। इसमें संगकारा का बेशकीमती विकेट भी शामिल है। अनुभवी बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 42 गेंदों में छह चौके लगाकर श्रीलंका मास्टर्स के लिए लय स्थापित की।

शाम की तीसरी गेंद पर अपने सलामी जोड़ीदार उपुल थरंगा को खोने के बाद, संगकारा ने लाहिरू थिरिमाने के साथ मिलकर श्रीलंका मास्टर्स की पारी को फिर से पटरी पर लाने के लिए 45 रनों की साझेदारी की और फिर गुणरत्ने के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। लेकिन नर्स ने थिरिमाने, संगकारा और जीवन मेंडिस के विकेट ले लिए और फिर चिंतका जयसिंघे के रन आउट होने के बाद श्रीलंका मास्टर्स मुश्किल में आती दिखी।

अंपायर के फैसले पर असहमति जताने पर हरमनप्रीत पर जुर्माना

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के चलते उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह मैच गुरुवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। डब्ल्यूपीएल के बयान के अनुसार, हरमनप्रीत ने आर्टिकल 2.8 के लेवल 1 उल्लंघन को स्वीकार किया, जो अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से जुड़ा है। घटना आखिरी ओवर में हुई, जब ऑन-फील्ड अंपायर ने मुंबई इंडियंस पर धीमी ओवर गति के कारण फील्डिंग प्रतिबंध लागू कर दिया। इसके तहत टीम को 30 गज के घेरे के बाहर केवल तीन फील्डर रखने की अनुमति थी। हरमनप्रीत इस फैसले से नाखुश दिखीं और अंपायर अजितेश अर्गल से बहस करने लगीं। इस दौरान अंतिम ओवर डालने जा रहीं अमेलिया केर भी फैसले से नाराज दिखीं।

क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने भगोड़े इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक से मुलाकात की

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज ने शुक्रवार को भगोड़े इस्लामी घृणा उपदेशक जाकिर नाइक से मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं, जो पाकिस्तान की यात्रा पर हैं। एक्स पर जाकर हफीज ने नाइक के साथ अपनी तस्वीरें साझा कीं और लिखा, डॉ. जाकिर नाइक से मिलकर खुशी हुई।" जाकिर नाइक, एक विवादास्पद धार्मिक व्यक्ति है, जो गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने और धार्मिक घृणा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा वांछित है।

महिला प्रीमियर लीग में लफड़ा : हरमनप्रीत कौर और सोफी एक्लेस्टोन भिड़ीं, अंपायर को करना पड़ा बीच बचाव

लखनऊ, 7 मार्च (एजेंसियां)। महिला प्रीमियर लीग 2025 में यूपी वॉरियर्स और मुंबई इंडियंस के बीच मैच में खूब ड्रामा हुआ। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर, अंपायर और यूपी वॉरियर्स की सोफी एक्लेस्टोन के साथ बहस में उलझ गईं। स्लो ओवर-रेट की वजह से आखिरी ओवर में फील्डिंग रिस्ट्रिक्शन को लेकर ये सब शुरू हुआ। 19वें ओवर के बाद अंपायर ने हरमनप्रीत को बताया कि स्लो ओवर-रेट के चलते आखिरी ओवर में सिर्फ तीन फील्डर ही 30 यार्ड के घेरे के बाहर रह सकेंगे। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को ये बात रास नहीं आई। वो फौरन अंपायर से बहस करने लगीं। एमिलिया केर को आखिरी ओवर डालना था, वो भी परेशान दिख रही थीं।इसी बीच, नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़ी सोफी एक्लेस्टोन अंपायर के पास हरमनप्रीत कौर की तरफ इशारा करके कुछ बोलने लगीं। हरमनप्रीत को ये बिलकुल पसंद नहीं आया। इसके बाद दोनों ही खिलाड़ियों के बीच बहस शुरू हो गई। इसके बाद दोनों अंपायर्स को आकर बीच बचाव करना पड़ा। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के 16वें मैच में अमेलिया केर और हेले मैथ्यूज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत यूपी वारियर्स को छह विकेट से हराकर शानदार जीत हासिल की। केर के शानदार पांच विकेट (5-38) और मैथ्यूज की ऑलराउंड (2-25 और 46 गेंदों पर 68 रन) प्रदर्शन की बदौलत मुंबई ने इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 151 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्स ने सीजन की अपनी सर्वश्रेष्ठ शुरुआत की।

पोन्नम ने आरटीसी कर्मियों को 2.5 प्रतिशत डीए देने की घोषणा की

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आज आरटीसी कर्मियों को 2.5 प्रतिशत डीए देने की घोषणा की। डीए की घोषणा से आरटीसी पर हर महीने 3.6 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। पोन्नम प्रभाकर के दिमाग में आया यह विचार आज महिला दिवस से लागू होगा। बालिकाओं के विकास के लिए 'तेलंगाना प्रगति' के रूप में इंदिरा महिला शक्ति बसें भी शुरू की जाएंगी, जिसका उद्देश्य एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाना है। मंडल महिला संयुक्त संघों के माध्यम से पहले चरण में 150 बसों को किराए के आधार पर आरटीसी में शामिल किया जाएगा। अगले चरण में 450 बसें होंगी, जिसमें महिला संघों द्वारा किराए के आधार पर कुल 600 बसें अनुबंधित की जाएंगी। मंत्री ने कहा कि महालक्ष्मी योजना के शुभारंभ के बाद से अब तक 150 करोड़ महिलाओं ने मुफ्त यात्रा की है और कहा कि महिलाओं ने लगभग 5,000 करोड़ रुपये की यात्रा मुफ्त में

की है। महा लक्ष्मी योजना के शुभारंभ के बाद, महिला यात्रियों की संख्या लगभग 14 लाख महिलाएं हैं। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सराहना की कि जिन लोगों ने इसके कारण कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ाया है, वे लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण की दिशा में कदम उठा रही है और कहा कि महिला यात्रियों की संख्या में वृद्धि के कारण आरटीसी बसों की मांग बढ़ी है। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर, महिला एकजुटता संगठनों के माध्यम से इंदिरा महिला शक्ति के माध्यम से कुल 600 बसें आरटीसी को पट्टे पर दी जाएंगी, जबकि पहले चरण में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सीतक्का द्वारा औपचारिक रूप से 150 बसों का शुभारंभ किया जाएगा। इंदिरा महिला शक्ति बसों के पहले चरण में 150 मंडलों में से प्रत्येक मंडल के लिए एक बस एक मंडल महिला एकजुटता संगठन के माध्यम से शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा, "इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत हमने वारंगल, खम्मम, करीमनगर और महबूबनगर के पुराने संयुक्त जिलों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना है और महिला संगठनों को इसमें शामिल किया गया है। मंडल महिला एकजुटता संगठनों के माध्यम से खरीदी गई इंदिरा महिला आरटीसी बसों के माध्यम से बसों की मांग को पूरा किया जाएगा।"

अगले सप्ताह से इंदिराम्मा आवास स्वीकृत किए जाएंगे : पोंगुलेटी

खम्मम, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार अगले सप्ताह से तेलंगाना राज्य में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 3,500 इंदिराम्मा आवास स्वीकृत करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। शुक्रवार को पलेरू निर्वाचन क्षेत्र में विधायक शिविर कार्यालय में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को सत्ता में आए 15 महीने हो चुके हैं, और राज्य सरकार मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में वंचितों के लाभ और राज्य के समग्र विकास के लिए लगन से काम कर रही है। हालांकि पिछली सरकार के कुप्रबंधन के कारण राज्य की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है, लेकिन हम विधानसभा चुनावों के दौरान लोगों से की गई सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा करके प्रगति कर रहे हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार तेलंगाना में सभी पात्र व्यक्तियों को राशन कार्ड प्रदान करेगी।

पोंगुलेटी ने कहा कि राज्य की चुनौतीपूर्ण वित्तीय स्थिति ने विवाह पर पात्र महिलाओं को 10 ग्राम सोना प्रदान करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने में बाधा उत्पन्न की है। पिछली बीआरएस सरकार ने विकास की आड़ में अव्यवस्था को बढ़ावा दिया। इसके विपरीत, वर्तमान कांग्रेस प्रशासन एक ही समय में विकास और कल्याण दोनों पहलों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है।

श्रमिक शुरू करेंगे विरोध प्रदर्शन

सीसीआई की संपत्तियां बेचने से हैं नाराज

आदिलाबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद में भारतीय सीमेंट निगम (सीसीआई) की बीमार इकाई से जुड़े श्रमिक, जो काफी समय से सीमेंट निर्माता कंपनी के पुनरुद्धार की मांग कर रहे हैं, केंद्र सरकार द्वारा कंपनी की संपत्तियां बेचने के कदम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। केंद्र ने हाल ही में इकाई के स्क्रैप और औद्योगिक उपकरणों को बेचने के लिए 43.30 करोड़ रुपये की शुरुआती कीमत पर निविदाएं आमंत्रित कीं, जिससे सीमेंट निर्माता के लोगों और कर्मचारियों की तीखी प्रतिक्रिया हुई। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के तारक रामा राव ने पहले ही अपने एक्स हैंडल पर ट्वीट करके केंद्र सरकार के फैसले का विरोध किया है।

असंतुष्ट कर्मचारियों ने 2022 में बीमार इकाई को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से सीसीआई साधना समिति का गठन किया। तब से, समिति के सदस्य इकाई के पुनरुद्धार की मांग को लेकर विभिन्न विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें केंद्र सरकार से बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन, अब केंद्र ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। वे जल्द ही नवीनतम निर्णय के

खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

समिति के संयोजक दर्शनला मल्लेश ने कहा कि केंद्र को इकाई के पुनरुद्धार पर स्पष्टता प्रदान करनी चाहिए। क्या वह बीमार संयंत्र के स्थान पर नया संयंत्र स्थापित करेगा? यदि वह संयंत्र स्थापित करने में रुचि नहीं रखता है तो उसे किसानों को मूल्यवान भूमि वापस करनी चाहिए। अन्यथा, हम केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे और मांग करेंगे कि वह अपना कदम वापस ले।

बंद पड़े सीमेंट प्लांट में प्लास्टिक के ड्रम जलकर खाक

मंचेरियल, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंद पड़े मंचेरियल सीमेंट कंपनी (एमसीसी) के प्लांट में शुक्रवार को आग लगने से गोबर गैस प्लांट में इस्तेमाल होने वाले करीब 25 प्लास्टिक ड्रम जलकर खाक हो गए। आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है। आग लगने से 25,000 रुपये की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंचेरियल फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी और छह कर्मियों ने 20 मिनट की मशक्कत के बाद प्लांट में लगी आग को बुझाया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। एक स्वयंसेवी संगठन सीमेंट प्लांट को पर्यावरण अनुकूल गैस की आपूर्ति करता है जिसे कुछ साल पहले बंद कर दिया गया था।

तेलंगाना में निवेश मजबूत हुआ है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने पुष्टि की है कि तेलंगाना में निवेश मजबूत है, जो राज्य को निवेश आकर्षित करने और व्यावसायिक संचालन करने के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है।

उन्होंने कुछ व्यक्तियों द्वारा किए गए दावों की निंदा की कि उद्योग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए तेलंगाना से स्थानांतरित हो रहे हैं, इन बयानों को झूठा करार दिया। इन दावों के विपरीत, तथ्य एक अलग कहानी बताते हैं। राज्य में निवेश फल-फूल रहा है, और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, हमने इस साल के दावोस शिखर सम्मेलन में कुल 1.78 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हासिल किए हैं। यह महत्वपूर्ण प्रगति निर्विवाद है। मंत्री ने शुक्रवार को एक स्थानीय होटल में "एमएसएमई स्पार्क 2.0" सम्मेलन का आधिकारिक रूप से उद्घाटन भी किया। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) के साथ साझेदारी में आयोजित इस कार्यक्रम में तेलंगाना उद्योग विभाग के निदेशक डॉ. मालसूर, और एसबीआई स्थानीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार और एफटीसीसीआई के अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार बयानबाजी से ज़्यादा काम करने में विश्वास करती है और यह अलग-थलग होकर काम नहीं करती, बल्कि राज्य के विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करती है। हम तेलंगाना में अपना व्यवसाय स्थापित करने और उसका विस्तार करने के इच्छुक उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ मजबूती से खड़े हैं। राज्य में असाधारण रूप से प्रतिभाशाली युवा कार्यबल है। मैं युवा उद्यमियों से आग्रह करता हूं कि वे अभिनव तरीके से सोचें और सफल विचारों पर ध्यान केंद्रित करें। मेरी आकांक्षा उद्यमियों को अपने व्यवसाय को उस स्तर तक बढ़ाते हुए देखना है जहां वे कई अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें। सरकार इस विकास को सुविधाजनक बनाने और एक संपन्न उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए व्यापक समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एल्युमीनियम निर्माण इकाई में लगी भीषण आग

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला औद्योगिक क्षेत्र के रामरेड्डी नगर में एल्युमीनियम वस्तुओं की एक विनिर्माण इकाई में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। पुलिस ने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है तथा आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार, यूनिट के कर्मचारियों ने आग को देखा और सुरक्षित बाहर निकल आए। स्थानीय निवासियों ने अग्निशमन विभाग और पुलिस कर्मियों को सूचित किया।

आग प्लास्टिक के ड्रमों में लग गई, जिनमें कच्चा तेल और रसायन भरे हुए थे, जिससे काला धुआं निकलने लगा और लपटें पूरे यूनिट में फैल गईं। पुलिस ने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर तीन दमकल गाड़ियों की मदद से करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया। जीडीमेटला पुलिस जांच कर रही है।

परितोष पंकज संगारेड्डी के नए एसपी

संगारेड्डी, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी परितोष पंकज को संगारेड्डी का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया है और तेलंगाना में आईपीएस अधिकारियों के फेरबदल में मौजूदा एसपी चेन्नुरी रूपेश का तबादला कर दिया है। रूपेश को तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो, हैदराबाद का एसपी नियुक्त किया गया। कोत्तागुडेम में ओएसडी के पद पर कार्यरत पार्टिसोह के शनिवार को कार्यभार संभालने की उम्मीद है। एसपी के तौर पर यह उनकी पहली पोस्टिंग होगी।

4 करोड़ की जमीन हड़पने के मामले में 7 गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर पुलिस ने शुक्रवार को जमीन हड़पने और धोखाधड़ी के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, संदिग्धों ने साजिश रची और बंडलागुडा के पद्मश्री हिल्स में 4 करोड़ रुपये मूल्य की 600 गज की जमीन हड़पने का प्रयास किया। पुलिस को संदेह है कि इस धोखाधड़ी में कुल 14 लोग शामिल हैं। उन्होंने ज़मीन के मालिक की जानकारी के बिना ही जाली ज़मीन के दस्तावेज़ बना लिए थे और आसानी से पैसे कमाने के लिए ज़मीन को दूसरे ग्राहकों को बेचने की कोशिश कर रहे थे। ज़मीन हड़पने वाले लोग खाली ज़मीनों पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे।

शिकायत के आधार पर राजेंद्रनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी संदिग्धों की पहचान कर ली है। सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि फरार लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उनके पास से फर्जी जमीन के दस्तावेज और नकदी जब्त की गई।

शादी समारोह में हादसा, कार के चपेट में आने से महिला की मौत

करीमनगर, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक शादी समारोह का जश्न उस समय बिखर गया जब बारात में शामिल एक कार नाच रही भीड़ को रौंदते हुए निकल गई। शंकरपट्टनम मंडल के मेटपल्ली गांव में हुई इस घटना में कम से कम दो दर्जन लोग घायल हो गए और एक महिला की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार रात को शादी के बाद मेटपल्ली गांव में बारात निकाली जा रही थी। बारात में शामिल एक कार के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी नाच रही भीड़ पर चढ़ गई।

बारात में नाच रही बकरपु उमा को गंभीर चोटें आईं। सभी घायलों को हुजूराबाद क्षेत्र के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उमा की हालत गंभीर होने पर उसे हैदराबाद के अस्पताल में रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

जंगल में लगी आग, अग्निशमन कर्मी बुझाने में विफल

सूर्यापेट, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उंडूगोंडा पहाड़ियों में भीषण आग लगने से आस-पास के गांवों के निवासियों में दहशत फैल गई। श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के पास लगी आग शाम 4 बजे से भड़क रही है। सूर्यापेट से अग्निशमन कर्मी अपने वाहन के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन आग पर काबू नहीं पा सके। आग फैलती रही, इसलिए उन्हें वापस लौटना पड़ा।

वन रेंज अधिकारी किरण कुमार ने कहा कि आग शायद मवेशियों को चराने वाले लोगों द्वारा लापरवाही से बीड़ी या सिगरेट के टुकड़े फेंकने की वजह से लगी होगी। उन्होंने कहा कि अग्निशमन दल पहाड़ी स्थान पर पहुंचे, लेकिन वे उस सटीक स्थान तक नहीं पहुंच पाए जहां आग भड़की थी।

केंद्र का नया आईटी अधिनियम नागरिकों की डिजिटल गोपनीयता के लिए खतरा : केटीआर

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने केंद्र के प्रस्तावित आयकर विधेयक, 2025 पर गंभीर चिंता जताई है और इसे सभी नागरिकों की डिजिटल गोपनीयता के लिए गंभीर खतरा बताया है। एक बयान में, केटीआर ने नए विधेयक के प्रावधानों की निंदा की, जिसके बारे में उनका मानना है कि यह कर प्रवर्तन के बहाने सरकार द्वारा खतरनाक अतिक्रमण का संकेत है। केंद्र का नया आईटी अधिनियम सभी नागरिकों की डिजिटल गोपनीयता के लिए गंभीर खतरा है। नया आयकर विधेयक कर जांच की आड़ में आईटी अधिकारियों को सोशल मीडिया, ईमेल और ऑनलाइन ट्रेडिंग खातों तक अनियंत्रित पहुंच प्रदान करना चाहता है। वर्चुअल डिजिटल स्पेस पर इस अभूतपूर्व आक्रमण से उत्पीड़न, दुरूपयोग और बड़े पैमाने पर निगरानी हो सकती है। वित्तीय डेटा पहले से ही कई रिपोर्टिंग तंत्रों के अधीन है, यह कठोर घुसपैठ नागरिकों के मौलिक अधिकारों और डिजिटल

गोपनीयता पर कुठाराघात करती है। अगर इस अतिव्यापी प्रावधान का कोई दुरूपयोग होता है तो अधिकारियों को कौन जवाबदेह ठहराएगा? पीएम और एफएम को जवाब देना चाहिए, केटीआर ने कहा। फरवरी 2025 में पेश किया गया आयकर विधेयक, आयकर अधिनियम, 1961 से परे कर अधिकारियों की शक्तियों का काफी विस्तार करता है। धारा 247 अधिकारियों को किसी भी "वर्चुअल डिजिटल स्पेस" तक पहुंचने और उसकी तलाशी लेने की अनुमति देती है- जिसे धारा 261 (i) के तहत सोशल मीडिया, ईमेल और ऑनलाइन खातों के रूप में व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है- यदि कर चोरी का संदेह है, तो यह 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी है। यह स्पष्ट सुरक्षा उपायों के बिना डिजिटल सुरक्षा को दरकिनार करने की अनुमति देता है, जबकि मौजूदा कानून भौतिक संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करता है। कानूनी विशेषज्ञ अनुच्छेद 21 के तहत संभावित गोपनीयता उल्लंघन की चेतावनी देते हैं, जैसा कि 2017 के पुट्टस्वामी फैसले में बरकरार रखा गया था।

केटीआर ने बिल की अत्यधिक घुसपैठ के रूप में आलोचना की, तर्क दिया कि मौजूदा निगरानी पर्याप्त है और इन शक्तियों को विनियमित करने के लिए पीएम मोदी और एफएम सीतारमण से जवाबदेही की मांग की। उन्होंने इसे "डिजिटल अधिकारों पर एक ज़बरदस्त हमला" बताया और नागरिकों और विपक्ष से इस विधेयक का विरोध करने का आग्रह किया, जिसमें कर प्रवर्तन और गोपनीयता संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के लिए संशोधन की मांग की गई।

कुकटपल्ली में महिलाओं ने मचाया उत्पात

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली में गुरुवार आधी रात को युवतियों के एक समूह ने शराब के नशे में कार चलाकर उत्पात मचाया। युवतियों ने केपीएचबी मेट्रो स्टेशन पर एक बाइक को टक्कर मार दी और फिर मोटर चालक से झगड़ा करने लगीं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने बाइक चालक को धमकाना शुरू कर दिया, जिसके बाद बाइक चालक ने ट्रैफिक पुलिस से संपर्क किया। परिणामस्वरूप, पुलिस ने कार चला रही युवती का ब्रीथ एनालाइजर से ड्रिंक एंड ड्राइव टेस्ट किया और 212 अंक दर्ज किए। इससे पुष्टि हुई कि उसने शराब पी रखी थी। कार में कुछ अन्य यात्री भी थे, साथ ही गाड़ी चला रही युवती ने भी कबूल किया है कि उन सभी ने शराब पी रखी थी। पुलिस को कार में शराब की बोतलें मिलीं। मामले की जांच जारी है।

अपहृत लड़के को पुलिस ने बचाया

नलगोंडा, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चार दिन पहले नलगोंडा सरकारी अस्पताल परिसर से अपहृत किए गए तीन वर्षीय अब्दुल रहमान को गुरुवार देर रात नकरेकल पुलिस ने बचा लिया। बच्चे का अपहरण नकरेकल इलाके के सीतारामुलु नामक व्यक्ति ने किया था। रामुलु ने अब्दुल को मंदरा गांव के एक परिवार को सौंप दिया, जो एक लड़के की चाहत में था। परिवार में पहले से ही तीन बेटियाँ थीं, लेकिन वे अभी भी एक लड़के की तलाश में थे। अब्दुल के माता-पिता, जो नलगोंडा के अस्पताल परिसर में रहते हैं, अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन पर निर्भर हैं और अपनी आजीविका के लिए निर्माण श्रमिकों की सहायता करते हैं।

रियल एस्टेट एजेंट पर 19.80 लाख का जुर्माना

टीएसआरईआरए पंजीकरण से पहले पैसा वसूलने का मामला

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (टीएसआरईआरए) ने रियल एस्टेट फर्म टीएमआर इंफ्रा टेक पर 19.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसने प्राधिकरण के साथ परियोजना के पंजीकृत होने से पहले ही अपने ग्राहकों से अग्रिम राशि एकत्र करने के लिए टीएमआर मार्वल विला का निर्माण किया था।

टीएसआरईआरए के तीन सदस्यीय बोर्ड ने अलवाल के पास माचा बोलरम में टीएमआर मार्वल विला बनाने वाली रियल एस्टेट कंपनी को स्ट्रीट लाइट लगाने, कंपाउंड वॉल बनाने और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाने का काम तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। प्राधिकरण ने डेवलपर्स को परियोजना में पानी की आपूर्ति और उचित जल निकासी सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। टीएसआरईआरए ने बिल्डरों को निर्देश दिया है कि वे सभी सामान्य सुविधाओं के प्रावधान सहित पूरी परियोजना को निर्धारित समय के भीतर और मार्च 2025 में परियोजना के आरईआरए पंजीकरण की समाप्ति से पहले पूरा करें।

परियोजना के ग्राहकों ने टीएसआरईआरए से शिकायत की थी कि प्रमोटर विला खरीदारों से किए गए अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे हैं और उन्होंने जल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, परिसर की दीवारें, सौर बाड़, पार्क, क्लब हाउस आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान नहीं की हैं, जो अधूरी थीं।

बिल्डर ने अपने जवाब में 25 मार्च तक सुविधाओं का कार्य पूरा करने का वादा किया था और प्राधिकरण ने इस वादे पर विचार किया तथा कंपनी को निर्धारित समय तक आश्वासनों को पूरा करने का आदेश दिया, साथ ही याद दिलाया कि ऐसा न करने पर आरई (आरएंडडी) अधिनियम की धारा 63 के प्रावधान लागू होंगे।

आदेश में उल्लेख किया गया कि 19.80,054 रुपये का जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि डेवलपर ने प्रोजेक्ट को रेरा पंजीकरण जारी होने से पहले ही संभावित ग्राहकों से अग्रिम राशि एकत्र कर ली थी।

मत्स्य पालन स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2.0 आज

हैदराबाद, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत मत्स्य पालन विभाग शनिवार को यहां मत्स्य पालन स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन कर रहा है। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय, राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय और पंचायती राज मत्रालय भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में सरकारी अधिकारी, मत्स्य पालन स्टार्टअप और उद्यमी भी भाग लेंगे। स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2.0 मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार पर चर्चा और उसे बढ़ावा देने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाएगा। मत्स्य पालन/जलीय कृषि में स्टार्टअप अवसरों के साथ-साथ इस क्षेत्र में ई-कॉमर्स संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2.0 में राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (एनएफडीपी) मोबाइल ऐप का शुभारंभ भी होगा, जो मत्स्य पालन से संबंधित सेवाओं और संसाधनों तक डिजिटल पहुंच को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल है। मत्स्य पालन स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज 2.0 का भी अनावरण किया जाएगा, जो इस क्षेत्र में उद्यमशीलता और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। इसके अतिरिक्त, मत्स्य पालन स्टार्टअप को उद्यमी मॉडल अनुमोदन का वितरण उभरते उद्यमों को मान्यता देगा और उनका समर्थन करेगा, जिससे मत्स्य पालन स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत किया जा सकेगा। तकनीकी प्रतिक्रिया और बातचीत सत्र भारत में मत्स्य पालन पारिस्थितिकी तंत्र और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) द्वारा की गई प्रमुख पहलों के साथ-साथ मत्स्य पालन स्टार्टअप द्वारा अनुभव साझा करने पर गहन चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

अंकमपेट और सीतारामपल्ली में सूख गईं फसलें

सिद्दीपेट, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने पार्टी के 'किसानों को सांत्वना' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को सिद्दीपेट ग्रामीण मंडल के सीतारामपल्ली और अंकमपेट गांवों में सूखे पड़े कई कृषि क्षेत्रों का दौरा किया। किसानों ने बताया कि सिंचाई विभाग इस साल गोदावरी नदी से अंकमपेट झील में पानी रोकने में विफल रहा, इसलिए इन दोनों गांवों में सैकड़ों एकड़ फसलें सूख गईं।

बीआरएस नेता चंद्र राव ने कहा कि सिंचाई विभाग और सरकारी मशीनरी किसानों की पीड़ा को कम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया, जबकि कुछ दिन पहले किसानों ने टैंक में पानी छोड़ने की मांग को लेकर रास्ता रोको आंदोलन किया था। एक अन्य नेता एल प्रभाकर वर्मा ने सरकार से मांग की कि वह पानी की कमी के कारण सूख चुकी फसलों की पहचान करने के लिए फसल गणना कराए और उन्हें मुआवजा दे।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देती है तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। सरपंच मंच के पूर्व अध्यक्ष किशन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ऋण माफी और रैतु भरोसा को लागू करने में विफल रही। पार्टी नेता तिरुपति, हमसकेतन रेड्डी, दशरथम, प्रशांत, राजशेखर रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

सिंचाई के पानी के लिए किसानों ने किया रास्ता रोको प्रदर्शन

राजन्ना सिरसिला, 7 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आसपास के क्षेत्रों के किसानों ने गम्भीरावपेट मंडल मुख्यालय में रास्ता रोको प्रदर्शन किया और मांग की कि जिला प्रशासन ऊपरी मनैर से पानी छोड़ कर उनकी फसलों की रक्षा करे। किसानों ने नारेबाजी करते हुए कलेक्टर संदीप कुमार झा से मौके पर आने और उनकी समस्या के समाधान का आश्वासन देने की मांग की। कई बार ज्ञापन देने के बाद भी कलेक्टर ने इस मामले में कोई सुनवाई नहीं की है, इसलिए कलेक्टर को मौके पर आकर उनकी समस्या का समाधान करना चाहिए।

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट सिकंदराबाद
PMSHRI KENDRIYA VIDYALAYA PICKET SECUNDERABAD
TEL/FAX: 040-29804092
ई-मेल: principalkvpicket1521@gmail.com Website: kvpicket.edu.in
School No. 59511 Affiliation No. 100002
केंद्रीय विद्यालय संगठन

वॉक इन इंटरव्यू

योग्य उम्मीदवारों को 2025-26 के लिए निम्नलिखित पदों के लिए शुध्द रुप से संविदात्मक आधार पर नियुक्ति के लिए शिक्षकों के पैनल की तैयारी के लिए साक्षात्कार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

क्रम संख्या	पद	तिथि	स्थान और पंजीकरण
1	पीजीटीः अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वाणिज्य, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, टीजीटीः अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान, विज्ञान प्राथमिक शिक्षक(पीआरटी)	12-03-2025	पीएम श्री केवी पिकेट सुबह 08.30 बजे से साय.09.30 बजे तक
2	पीजीटीः कम्प्यूटर विज्ञान, खेल कोच, डॉक्टर , नर्स (महिला), शैक्षिक सलाहकार, कंप्यूटर प्रशिक्षक, विशेष शिक्षक, योग प्रशिक्षक, कला और शिल्प, तेलुगु, व्यावसायिक शिक्षा, कार्य शिक्षा, पाइप बैंड कोच	13-03-2025	

* योग्य उम्मीदवार पूर्ण बायोडेटा, मूल दस्तावेज और स्वयं प्रमाणित योग्यता प्रमाणपत्रों के दो सेट के साथ वॉक इन इंटरव्यू में उपस्थित हो सकते हैं।
* साक्षात्कार में भाग लेने के लिए कोई टीए/डीए स्वीकार नहीं होगा।
* विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र स्कूल की वेबसाइटः https://picket.kvs.ac.in पर घोषणा अनुभाग में उपलब्ध है।

हस्ता./-
प्राचार्य
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट सिकंदराबाद

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.